निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार, 26 जुलाई 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 70 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

2002 : इंडोनेशिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति सुहातों के पुत्र को 15 वर्ष कारावास की सज़ा सुनायी।
2005 : मुंबई में अभूतपूर्व बरसात से जनजीवन ठप्प, एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत।
2007 : पाकिस्तान ने परमाणु शक्ति सम्पन्न क्रूज मिसाइल बाबर हत्फ़-7 का सफल परीक्षण किया।
2008 : यूरोपीय वैज्ञानिकों ने सौरमंडल के बाहर एक और नये ग्रह की खोज की।

झारखंड को मिलेगा दूसरा सैनिक स्कूल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में एक और सैनिक स्कूल की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा दिए गए हैं। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने स्कूली शिक्षा सचिव को इसके लिए प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सैनिक स्कूल तिलैया पहले से संचालित है लेकिन छात्रों की संख्या को देखते हुए एक अतिरिक्त स्कूल की आवश्यकता महसूस की जा रही है। फिलहाल तिलैया सैनिक स्कूल में देशभर के अन्य सैनिक स्कूलों की तुलना में सर्वाधिक 875 छात्र अध्ययनरत हैं। मुख्य सचिव शुक्रवार को सैनिक स्कूल तिलैया से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों और समस्याओं पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि स्कूल की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

बैठक में बताया गया कि सैनिक स्कूल तिलैया में 9.49 करोड़ रुपये की लागत से नई जलापूर्ति योजना तैयार की जाएगी जिसकी तकनीकी स्वीकृति पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा दे दी गई है। इसके अलावा स्कूल परिसर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश भी दिया गया। मुख्य सचिव ने भवन निर्माण विभाग को स्कूल परिसर स्थित स्टाफ क्वार्टरों के मरम्मत और रखरखाव के लिए निर्देश दिए। वहीं सैनिक स्कूल प्रशासन ने कर्मियों के पेंशन, पारिवारिक पेंशन, एनपीएस और अन्य लाभ राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने का प्रस्ताव रखा जिस पर अनुमानित खर्च करीब सात करोड़ रुपये आएगा। इस प्रस्ताव पर निर्णय लेने से पहले मुख्य सचिव ने स्कूली शिक्षा विभाग को अन्य राज्यों के सैनिक स्कूलों के मॉडल का अध्ययन करने को कहा है। अब सैनिक स्कूल तिलैया के छात्रों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच कोडरमा में ही कराई जाएगी। अब तक छात्रों को इसके लिए हजारीबाग जाना पड़ता था जिससे छात्रों और प्रबंधन को असुविधा होती थी। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, स्कूली शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और सैनिक स्कूल तिलैया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इमामगंज-डालटनगंज नई रेलवे लाइन के कार्य में लाएं तेजी : रेल मंत्री

पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने रेल मंत्री से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। गया-रफीगंज-इमामगंज-डालटनगंज नई रेलवे लाइन परियोजना के शीघ्र कार्यान्वयन को लेकर पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और पलामू संसदीय क्षेत्र की दो प्रमुख लंबित रेल परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। सांसद ने कहा कि वह वर्ष 2014 से ही गया-रफीगंज-इमामगंज-डालटनगंज और बरवाडीह-चिरिमिरी-अंबिकापुर नई रेलवे लाइन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को संसद, पत्राचार और मंडल स्तर की बैठकों में लगातार उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन न होने से पलामू सहित आस-पास के क्षेत्रों में आवागमन में भारी कठिनाइयाँ हो रही हैं। उन्होंने रेल मंत्री से आग्रह किया कि गया-रफीगंज-इमामगंज-डालटनगंज नई रेल लाइन परियोजना को जो स्वीकृत है, परंतु कम प्राथमिकता के कारण लंबित है, उसे जल्द से जल्द शुरू किया जाए। साथ ही बरवाडीह-चिरिमिरी-अंबिकापुर नई रेल लाइन के कार्य में भी तेजी लाई जाए, जो झारखंड और छत्तीसगढ़ के बीच संपर्क को मजबूत करेगा और औद्योगिक विकास को गति देगा। बैठक के दौरान रेल मंत्री ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से दोनों परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि गया-रफीगंज-इमामगंज-डालटनगंज परियोजना की रिपोर्ट इसी महीने के अंत तक प्रस्तुत कर दी जाएगी, जबकि बरवाडीह-चिरिमिरी-अंबिकापुर परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। रेल मंत्री ने दोनों परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि इन रेल लाइनों के निर्माण से न केवल पलामू संसदीय क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि बिहार और छत्तीसगढ़ के संबंधित जिलों को भी आवागमन और विकास का नया रास्ता मिलेगा। जनता की वर्षों पुरानी माँग पूरी होने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के तिलैया डैम ओपी क्षेत्र के गैड़ा गांव में शुक्रवार को एक दुखद घटना घटी। खेत में जोताई के दौरान ट्रैक्टर पलटने से 19 वर्षीय दिगंबर यादव की मौत हो गई। इस हादसे में उसके साथ मौजूद हरेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

देवरानी ने की जेठानी की हत्या

पाकुड़ (नबिटा ब्यूरो)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित कालीदासपुर पंचायत के धारसुड़ी गांव के बड़ियाटोला में गुरुवार की देर रात देवरानी ने अपनी जेठानी की हत्या कर दी। पति से जेठानी के अवैध संबंध के शक से उठे विवाद के बाद बात हाथापाई पर आ गई और देवरानी ने डंडे से पीटकर महिला की हत्या कर दी। देवरानी को शक था कि उसके पति का अपनी भाभी से अवैध संबंध है और इस वजह से अक्सर उनमें विवाद होता था। पुलिस ने आरोपित महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

स्पर्शाघात से मौत

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के अमरपारा थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना में 26 वर्षीय युवक मोहम्मद नेहाल की बिजली करंट लगने से मौत हो गई। नेहाल बिहार के सीतामढ़ी का रहने वाला था और डीबीएल कोल कंपनी में काम करता था। घटना गुरुवार देर रात की है जब नेहाल अपने किराए के मकान की छत पर फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान वह छत के पास से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के तार के संपर्क में आ गया और छत पर ही गिर गया।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

हाजीपुर(नबिटा ब्यूरो)। वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंगराही चौक के समीप शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जंदाहा की ओर से आ रहा एक मालवाहक वाहन हाजीपुर की ओर जा रहा था, इसी दौरान सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

आईटीबीपी के जवान की पीट-पीटकर हत्या

गया(नबिटा ब्यूरो)। वजीरगंज थाना अंतर्गत बिहियाईन में आईटीबीपी के जवान संजय यादव की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वह छुट्टी में घर आए हुए थे। पुलिस ने उनके शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सुपुर्द कर दिया है। अंत्येष्टि के लिए विभागीय अधिकारियों के आने का इंतजार किया जा रहा है।

किसान की हत्या

आरा(नबिटा ब्यूरो)। भोजपुर जिले के आयर थाना क्षेत्र के भेड़री गांव में गुरुवार की रात भूमि विवाद ने खूनी रूप ले लिया। हथियारबंद बदमाशों ने दो सगे भाइयों को गोली मार दी। इस घटना में एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

झारखंड संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के नतीजे घोषित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग ने संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2023 के अंतिम परिणाम आज जारी कर दिए हैं। इस परीक्षा में शामिल होने वाले हजारों अभ्यर्थियों का इंतजार आज समाप्त हो गया है। आयोग ने सफल उम्मीदवारों की सूची आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इस वर्ष आशीष अक्षर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप रैंक हासिल की है। आयोग द्वारा जारी सूची के अनुसार कुल 342 उम्मीदवारों का चयन राज्य के विभिन्न प्रशासनिक पदों पर किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों के नाम, आवेदन संख्या, श्रेण, और उन्हें आवंटित सेवाओं की जानकारी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। अगर किसी भी जानकारी में गलती या टाइपिंग की गलती पाई जाती है तो उसे सुधारने का अधिकार आयोग के पास सुरक्षित है। संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2023 का आयोजन तीन चरणों प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, और साक्षात्कार में किया गया था। प्रारंभिक लिखित परीक्षा में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिला। इसके बाद, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम चयन किया गया। जेपीएससी द्वारा चयनित उम्मीदवारों को अब अगले चरणों की तैयारी करनी होगी। आयोग जल्द ही उन्हें दस्तावेज सत्यापन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों में प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति से जुड़ी जानकारी देगा।

सौतेली मां की हत्या, बहन जखमी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के रामगढ़ थाना अंतर्गत बेडमा बभंडी में एक युवक ने धारदार हथियार से वार कर अपनी सौतेली मां की हत्या कर दी। उसने सौतेली बहन पर भी हमला किया जिससे वो जख्मी है। वहीं, पिता ने घर से भागकर अपनी जान बचाई। युवक अपने पिता की दूसरी शादी से काफी नाराज था और संपत्ति बंटवारे को लेकर तनाव में था। इधर घटना की सूचना के बाद शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारदार हथियार भी बरामद कर लिया है। मृतका की पहचान ताजो बीवी के रूप में की गई है। बेडमा बभंडी गांव के जसीमुद्दीन मियां ने दो शादियां की थीं। उन्होंने दिल्ली में रहते हुए दूसरी शादी की थी। उनकी दूसरी पत्नी ताजो बीवी कुछ दिन पहले ही दिल्ली से आकर बेडमा बभंडी गांव में रहने लगी थी। इधर जसीमुद्दीन मियां की पहली पत्नी अपने बेटे नौशाद अंसारी के साथ इसी गांव में दूसरे घर में रह रही थी। गुरुवार की रात आरोपी नौशाद सतौली मां के पास गया और वहां विवाद शुरू हो गया। जमीमुद्दीन ने बताया कि नौशाद ने घर में घुसते ही कहा कि तुम तीनों यहां से जाते हो या नहीं।

या तुमलोगों को कब्रिस्तान भेजूं। मैंने कहा-ऐसे बात मत करो और अपने घर जाओ। इसी दौरान नौशाद ने सौतेली मां पर धारदार हथियार से कई बार हमला कर दिया। इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद नौशाद ने अपनी सौतेली बहन मुस्कान पर भी हमला कर दिया। नौशाद के उग्र रूप को देख उसके पिता जसीमुद्दीन मियां ने घर से भागकर अपनी जान बचाई। घायल मुस्कान को इलाज के लिए एमएमसीएच, मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद नौशाद भागने की तैयारी में था लेकिन रामगढ़ थाना प्रभारी ओमप्रकाश साह ने उसे गिरफ्तार कर लिया। महिला के शव को एमएमसीएच पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

अवैध डोडा तस्करी के आरोप में आठ तस्कर गिरफ्तार, 33 लाख नकद बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू पुलिस को आज एक बड़ी कामयाबी मिली है। पलामू जिले के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र में डोडा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 क्विंटल 14 किलोग्राम अवैध डोड़ा, 32 लाख 90400 रुपए, दो होंडा सिटी कार, दो महिंद्रा बोलेरो गाड़ी, दस एंड्रॉयड मोबाइल, दो की पैड मोबाइल सहित डोडा के अवैध कारोबार के लेखा-जोखा के साथ एक डायरी बरामद किया है।पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि आज से 2 दिन पूर्व पंजाब के लुधियाना से एक महिला डॉक्टर का फोन आया कि मेरा भाई झारखंड में घूमने गया है। उसका अपहरण कर लिया गया है और अपहरण करने वाले ने 10 लाख रुपया फिरौती के रूप में मांगा है। हम लोगों ने 7.30 लाख रुपया उसके अकाउंट में भेज दिया है और जिस नंबर से मोबाइल फोन आया था उसका नंबर भी पलामू एसपी को दिया। पलामू एसपी ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू की और तत्काल जिस अकाउंट में पंजाब की महिला जो डॉक्टर है ने अपहरण करता का अकाउंट नंबर दिया था उसे फ्रिज करवाया। पैसा एक्सिस बैंक में मंगाया गया था। मोबाइल लोकेशन के अनुसार जब जांच किया गया तो इसका लोकेशन पलामू जिले के पीपराटांड थाना के तितलंगी गांव के आसपास का मिला। पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए एक टीम गठन किया। जिसका नेतृत्व लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोज कुमार झा कर रहे थे। उनकी टीम में पुलिस अवर निरीक्षक राजेश रंजन थाना प्रभारी पिपराटांड़, सहायक अवर निरीक्षक रामचंद्र सिंह पिपराटांड़ थाना, सहायक अवर निरीक्षक ओमप्रकाश बैठा पिपराटांड़ थाना, सहित सशस्त्र बल के जवान थे। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि मामला अपहरण का ना होकर अवैध डोडा व्यापार का था।जिसमें हरमीत सिंह, पारस चौहान, सतबीर सिंह और ओमप्रकाश तिवारी पंजाब के लुधियाना जिले के रहने वाले थे। वो अक्सर पलामू में अवैध रूप से डोडा लेने आया करते थे। यह पहले भी चार बार पलामू जिला आ चुके हैं। इसकी जानकारी उनके परिवार वालों को नहीं थी। परिवार वाले सोचते थे कि यह पलामू घूमने गए हैं, जबकि अधिक पैसे के लालच में पिंटू कुमार यादव ने हरमीत सिंह से उनके घर में यह कह कर पैसा मंगवाया की हरमीत सिंह का अपहरण कर लिया गया है। हरमीत सिंह की डॉक्टर बहन ने अपने भाई को बचाने के लिए पिंटू यादव के अकाउंट में 7.30 लाख रुपए डाल दिए और पलामू एसपी के सरकारी फोन पर मामले की पूरी जानकारी दी। इसी आधार पर पलामू पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जब मामले की गहराई में गई तो मामला कुछ और ही नजर आया। मामला सीधे-सीधे अवैध नशा के कारोबार से जुड़ा हुआ था। पुलिस ने मौके से ही हरमीत सिंह, पारस चौहान, सतबीर सिंह, ओमप्रकाश तिवारी जो पंजाब के लुधियाना के रहने वाले थे, के साथ-साथ डब्लू यादव तिलंगी थाना पिपराटांड़, डब्लू यादव के दो पुत्र पिंटू कुमार यादव एवं रिंकू कुमार यादव के साथ-साथ पिपराटांड थाना के चौकीदार के पुत्र नीरज कुमार पासवान को मामले में संलिप्तता के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। पलामू पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसी भी जानकारी मिल रही है कि इस मामले में कहीं ना कहीं पिपराटांड़ थाना की पुलिस की संलिप्त है। इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो महापुरुषों की प्रतिमाएं खंडित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। शहर में बीती रात अराजक तत्वों ने दो महापुरुषों की प्रतिमाओं को खंडित कर दिया। इस घटना से शहर में आक्रोश फैल गया है। पहली घटना शहर के सिद्धू-कानू चौक की है। यहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सिद्धू और कानू की आदमकद प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने नुकसान पहुंचाया। दूसरी घटना संत कोलंबस कॉलेज के पास स्थित केबी सहाय पार्क में हुई। यहां संयुक्त बिहार-झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कृष्ण बल्लभ सहाय की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटनाओं की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की और प्रशासन पर नाराजगी जाहिर की। लोगों का कहना है कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर पर हमला है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेंद्र यादव ने घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमारी विरासत पर हमला है। प्रशासन को दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलानी चाहिए। समाजसेवी भैया अभिमन्यु प्रसाद ने कहा कि प्रशासन को ऐसे असामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। इससे भविष्य में कोई ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। घटना की सूचना मिलते ही सदर अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ कामति घटनास्थलों पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। जिला प्रशासन दोनों मामलों की जांच कर रही है। जल्द ही दोषियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि खंडित प्रतिमाओं को जल्द ही पुनः स्थापित किया जाएगा। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जाएगी। इन घटनाओं से पूरे क्षेत्र में लोगों में भारी असंतोष है। वे दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का 68वां सम्मेलन बारबाडोस में आयोजित होने जा रहा है। यह सम्मेलन 6 से लेकर 13 अक्टूबर तक आयोजित होगा। सम्मेलन में भाग लेने के लिए विधानसभा अध्यक्ष कक्ष में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा के कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। गौरतलब है कि स्पीकर रबींद्रनाथ महतो राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा के सभापति जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसके उपसभापति हैं। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा में सदस्यों की संख्या वर्तमान में 137 है। हर साल आयोजित होने वाले संघ के सम्मेलन में स्पीकर के नेतृत्व में सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भाग लेता है। बारबाडोस कैरेबियन सागर में स्थित एक द्वीप देश है। यह लेसर एंटिल्स द्वीप समूह का हिस्सा है और वेस्टइंडीज के सबसे पूर्वी द्वीप के रूप में जाना जाता है। झारखंड से भी इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए डेलीगेट्स जाएंगे। डेलीगेट्स की संख्या और नाम जल्द ही तय किए जाएंगे। स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने कहा कि इस सम्मेलन में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ से जुड़े देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा होने के बाद उसका पालन किया जाता है। इस साल अक्टूबर में यह सम्मेलन बाराडोस में आयोजित हो रहा है जिसमें झारखंड से भी डेलीगेट्स शामिल होंगे। जेएमएम विधायक और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा के कार्यकारिणी समिति के सदस्य अनंत प्रताप देव ने बताया कि अभी डेलीगेट्स के नाम तय नहीं हुए हैं लेकिन जल्द ही इसकी घोषणा स्पीकर खुद करेंगे। स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो की मौजूदगी में आयोजित हुई बैठक में विधायक नीरा यादव, अनंत प्रताप देव, दशरथ गगरई, नवीन जायसवाल आदि मौजूद थे। हालांकि बैठक में सदन के नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी अनुपस्थित रहे। आठ सदस्यीय कार्यकारिणी समिति में स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के अलावा बतौर सदस्य पांच विधायक नीरा यादव, विधायक अनंत प्रताप देव, विधायक दशरथ गागराई, नवीन जायसवाल और ममता देवी शामिल है। बहरहाल हर बार की तरह इस बार भी झारखंड समेत देशभर के राष्ट्रमंडल संसदीय संघ से जुड़े सदस्य इसमें शामिल होंगे।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

सिर्फ नाम के पदाधिकारी नहीं अधिकार भी चाहिए बिहार के उपमुख्य पार्षदों का विधानसभा मार्च

सरकार से 5 सूत्रीय मांगों पर ठोस कार्रवाई की अपील

पटना, एजेंसी। बिहार के उपमुख्य पार्षदों ने सरकार के खिलाफ आज जमकर प्रदर्शन किया। अपने अधिकारों को लेकर आज पटना में सभी पार्षदों ने विधानसभा मार्च किया। हालांकि सभी पार्षदों को इनकम टैक्स चौराहे पर ही रोक दिया गया विधानसभा तक नहीं पहुंच पाए। इस दौरान राज्य के सभी 262 नगर निकायों के उपमुख्यमंत्री मौजूद थे। महासंघ के अध्यक्ष पिंटू कुमार रजक ने कहा कि हमारा कार्यकाल ढाई साल बीत चुका है, लेकिन आज तक हमें किसी तरह का अधिकार नहीं मिला है।

हम सीधे जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, लेकिन नीतिगत, विकासात्मक या प्रशासनिक किसी भी फैसले में हमारी कोई भूमिका नहीं रहती। मुख्य पार्षद और वार्ड पार्षदों को योजनाओं के चयन और क्रियान्वयन में सभी अधिकार प्राप्त है, लेकिन उपमुख्य पार्षद को पूरी तरह से अधिकारहीन बना दिया गया है। जब वार्ड पार्षद को भी योजनाओं के चयन में स्वतंत्रता है, तो हमें क्यों वंचित रखा गया महासंघ पदाधिकारियों ने बताया कि वे लगातार सरकार, विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं से मिलते रहे हैं, अपनी मांगें रखते रहे हैं, लेकिन कहीं से भी ठोस समर्थन नहीं मिल पाया है। उन्हें स्थानीय बीस सूत्री कमेटी और जिला स्तरीय बैठकों में आमंत्रित तक नहीं किया जाता, जिससे जनसमस्याओं को सीधे उठाने का मौका नहीं मिलता। इसीलिए अब मजबूर होकर उन्हें आज विधानसभा घेराव जैसे आंदोलनात्मक कदम उठाने पड़े है।

बिहार उपमुख्य पार्षद संघ की मुख्य मांगें इस प्रकार है

1. योजना चयन में भागीदारी- उपमुख्य पार्षदों को भी योजना चयन की प्रक्रिया में अधिकार मिले।
2. जनहित निधि- कार्यकाल के दौरान जनहित कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये की निधि।
3. हस्ताक्षर अधिकार- सभी संचिकाओं पर हस्ताक्षर करने का अधिकार मिले।
4. विभागीय प्रभार- कम से कम एक विभाग का स्वतंत्र दायित्व दिया जाए।
5. मानदेय एवं समितियों में भागीदारी- 25,000 रुपए मासिक भत्ता मिले और स्थायी समितियों में सदस्यता दी जाए।

सभी पार्षदों ने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती है तो आने वाले समय में पूरे राज्य में आंदोलन और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। सभी उपमुख्य पार्षद अपने-अपने क्षेत्र में सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे।

पूर्णिया में रसेल वाइपर ने लड़की को काटा-डिब्बे में बंद कर परिजन जीएमसीएच पहुंचे

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में रसेल वाइपर सांप ने एक लड़की को काट लिया। इसके बाद परिजनों ने सांप को पकड़कर प्लास्टिक के डिब्बे में बंद कर दिया। लड़की और सांप को लेकर जीएमसीएच पहुंच गए। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों से कहा, बच्ची को इस सांप ने डस लिया है डॉक्टर साहब। किसी तरह से बच्ची की जान बचा लीजिए। पीड़िता की पहचान सुरेंद्र उरांव की बेटी सुजीता कुमारी(18) के तौर पर हुई है। घटना सदर थाना क्षेत्र के गुलाबबाग स्थित सिंघिया बस्ती है।

बिजली कटने के बाद आंगन में टहल रही थी

चाचा छोटू पासवान ने बताया कि रात करीब 9 बजे अचानक लाइट चली गई। गर्मी काफी थी, जिसके चलते भतीजी आंगन में टहल रही थी। इस दौरान रसेल वाइपर ने पैर में डस लिया। सांप के डसते ही चीखने लगी। लाइट जलाकर देखा को सांप भागते हुए दिखा। जिसके बाद उसे पकड़ कर डिब्बे में बंद कर दिया। तबीयत बिगड़ने पर भतीजी को अस्पताल लेकर पहुंचे। सांप को भी लेकर आया, ताकि उसे देखकर डॉक्टरों को इलाज में सुविधा हो सके। कुछ देर के लिए इमरजेंसी वार्ड में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। हालांकि बाद में माहौल सामान्य हो गया। रसेल वाइपर देखकर डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ भी हैरान हो गए थे। तबीयत में सुधार होने के बाद रसेल वाइपर को जंगल में छोड़ देंगे।

डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है इलाज

जीएमसीएच के डॉक्टर ने बताया कि बच्ची को जहरीले रसेल वाइपर ने काटा है। इमरजेंसी वार्ड में एडमिट कराया गया। 30 से अधिक भाइल देने के बाद हालत स्थिर बनी हुई है। 24 घंटे के लिए डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

कॉलेज को मिला स्थायी प्रधानाचार्य

दरभंगा, एजेंसी। प्रखंड के एकमात्र अंगीभूत जयानंद कॉलेज, नेहरा को नौ माह बाद स्थायी प्रधानाचार्य मिल गया। नये प्रधानाचार्य के रूप में डॉ. अनिल कुमार मंडल ने गुरुवार को योगदान दिया। इसके बाद उन्होंने शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ बैठक कर परिचय किया व कॉलेज को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मेरी प्राथमिकता शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार होगी। मौके पर डॉ. श्यामानंद शाण्डिल्य, डॉ. संगीत रंजन नटवर, अरविंद कुमार झा, दीपक सहनी, लालबहादुर पासवान, ललन सहनी आदि थे।

सफाई कर्मियों के भुगतान अटकने के मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर

छपरा, एजेंसी। डीएम व उच्च अधिकारियों से भी की जा चुकी है शिकायत छपरा। विद्यालय में कार्य कर रहे सफाई कर्मियों के भुगतान अटकने के मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी गई है। वाद दायर करने वाले सफाई एजेंसी से जुड़े राजीव कुमार पांडेय ने दायर याचिका में यह जिक्र करते हुए आरोप लगाया है कि सारण के निवर्तमान जिला शिक्षा पदाधिकारी विद्यानंद ठाकुर द्वारा कार्यकाल समाप्ति के दिन यानी 1 जुलाई 2025 को जारी एक बैक डेट आदेश पर गंभीर आपत्ति जताई गई है। इस आदेश से सफाई एजेंसियों के कार्य में बाधा उत्पन्न हुई है और सैकड़ों सफाईकर्मियों के भुगतान पर संकट खड़ा हो गया है। मामले को लेकर एजेंसियों ने जिलाधिकारी, शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारियों और अन्य उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत भेजी थी। तीन साल के लिए विभाग ने किया था अनुबंध एजेंसियों का आरोप है कि बिहार शिक्षा विभाग द्वारा 2023 में तीन वर्षों के लिए स्वीकृत हाउसकीपिंग कार्य को अचानक 14 जून 2025 से बंद करने का आदेश 1 जुलाई को बैक डेट में जारी किया गया। यह आदेश न तो एजेंसियों को समय पर दिया गया और न ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को इसकी कोई पूर्व सूचना थी। एजेंसियों ने इसे एक साजिश करार देते हुए आरोप लगाया कि जब कार्य संतोषजनक रूप से चल रहा था, तब निवर्तमान डीईओ ने कार्यकाल के अंतिम दिन ऐसा निर्णय क्यों लिया उनके अनुसार यह निर्णय दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होता है और इसके पीछे कुछ अधिकारियों की मिलीभगत हो सकती है। बीईओ के संतोषजनक प्रमाण पत्र को भी किया गया दरकिनार एजेंसियों ने कहा कि वे प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों से प्राप्त संतोषजनक प्रमाण पत्र समय-समय पर जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) को सौंपते रहे हैं।

बोरे से 102 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, बाइक जब्त

छपरा, एजेंसी। मांझी थाना क्षेत्र के ताजपुर बाजार से मांझी थाना की पुलिस ने बड़ी मात्रा मे अंग्रेजी शराब बरामद किया है। साथ ही उपयोग मे लाई गयी बाइक को भी जब्त कर लिया है। हालांकि तस्कर मौके का फायदा उठाकर भागने मे सफल रहे। पूछे जाने पर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार झा ने बताया कि गुरुवार की सुबह ताजपुर बाजार पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग के दौरान एक बाइक पर बोरा रखकर ला रहे दो युवकों को जांच के लिए रोकने का प्रयास किया गया तो दोनों युवक पुलिस को चकमा देकर तथा बाइक छोड़ कर फरार हो गए। इसके बाद बाइक पर रखे बोरे की तलाशी ली गयी तो उक्त बोरे से लगभग 102 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया।

तेजस्वी, नीतीश और मोदी के चेहरे पर पोस्टर चिपका रही है जन सुराज, निगम के नियमों की उड़ रही धज्जियां

पटना, एजेंसी। विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीने बचे हैं। इससे पहले राजधानी पटना की दीवारें सियासी जंग के मैदान में तब्दील हो गई हैं। हर मोड़, फ्लाईओवर, चौक-चौराहे और अंडरपास पर अलग-अलग पार्टियों के डिजिटल वॉल पेंट किए जा रहे है। इस 'पोस्टर युद्ध' में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार में जुटे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि जहां स्पष्ट रूप से लिखा होता है यहां पोस्टर लगाना मना है वहां भी धड़ल्ले से राजनीतिक पोस्टर लगाए जा रहे हैं। यह खुलेआम नगर निगम के नियमों की अवहेलना है।

तेजस्वी बनाम नीतीश : दीवारों पर सीधी टक्कर

राजद की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए जा रहे हैं जिन पर लिखा है इस बार सही सरकार और मांगे बिहार तेजस्वी सरकार। इन पोस्टरों में युवाओं और रोजगार पर फोकस किया गया है। वहीं दूसरी तरफ एनडीए की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एक पोस्टर पर फोटो लगाई गई है। पोस्टरों पर लिखा है- महिलाओं की जय-जयकार, फिर से एनडीए सरकार और लग रहे उद्योग मिल रहा रोजगार''।

जन सुराज की रणनीति : पोस्टर पर पोस्टर

इस युद्ध में अब जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की भी एंट्री हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जन सुराज के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के पोस्टरों पर अपने पोस्टर चिपका रहे हैं। प्रशांत किशोर के पोस्टर में अंबेडकर और महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई गई है और लिखा है कि इस बार वोट सिर्फ अपने बच्चों के लिए, शिक्षा और रोजगार के लिए। यह साफ तौर पर प्रशांत किशोर के आक्रामक प्रचार की रणनीति को दिखा रहा है। इन पोस्टरों को जानबूझकर अन्य दलों के पोस्टरों के ऊपर लगाया जा रहा है, जिससे यह साफ झलकता है कि जन सुराज खुद को विकल्प के तौर पर पेश कर रही है।

मुजफ्फरपुर में लूटपाट करने वाले 2 अपराधी गिरफ्तार

चाकू दिखाकर सेल्समैन को लूटा था, नगद-लैपटॉप सहित अन्य सामान भी बरामद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूट के बैग, लैपटॉप, मोबाइल समेत कई सामान बरामद हुए हैं। दोनों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल, जिले के गायघाट थाना क्षेत्र में एक निजी कंपनी के सेल्समैन मनीष कुमार से अज्ञात अपराधियों ने चाकू के बल पर लैपटॉप, 2500 नगद, पर्स, बैग, बाइक का ऑनर बुक, पावर बैंक और अन्य बैंक से संबंधित कागजात लूट लिए थे। जिसके बाद मनीष कुमार के आवेदन के आधार पर गायघाट थाना में कांड संख्या 190/25 दर्ज किया गया।

उद्भेदन के लिए एसएसपी सुशील कुमार के निर्देशन में एक टीम का गठन किया गया। टिम ने मानवीय और तकनीकी तरीके से जांच शुरू की थी। साथ ही कई जगहों पर छापेमारी भी की जा रही थी। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर बोचहा थाना क्षेत्र के रामदास मझौली निवासी किसुनी सहनी के बेटे रोहित कुमार को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उससे सख्ती से पूछताछ की गई। जिसके बाद रोहित अपने सहयोगी के बारे में बताया। मामला गायघाट थाना क्षेत्र का है।

निशानदेही पर लूट के सामान हुए बरामद : रोहित के सहयोगी कर्णपुर दक्षिणी निवासी लक्ष्मण सहनी के बेटे मुकेश साहनी को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों की निशानदेही पर लुटे गए समान बरामद किए गए।

ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि गायघाट थाना क्षेत्र में हुए लूटकांड का खुलासा कर दिया गया है। 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों के पास से लूट के सामान भी बरामद हुए हैं। दोनों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। दोनों को जेल भेज दिया गया है।

दूसरे जिले में चयनित प्रधान शिक्षक अभी बीएलओ का करते रहेंगे काम

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। दूसरे जिले में प्रधान शिक्षक के रूप में चयनित शिक्षक अभी इसी जिले में रहकर बीएलओ का काम करते रहेंगे। ऐसे शिक्षकों की सूची सभी बीईओ से मांगी गई है। शिक्षक अपना नाम संबंधित बीईओ को उपलब्ध कराएंगे। इनके लिए तिथि बढ़ाने को लेकर मार्गदर्शन मांगा जाएगा। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षक के पद के लिए अनुशंसित अभ्यर्थियों का विभागीय पोर्टल से डाउनलोड औपबंधिक नियुक्ति पत्र, विद्यालय पदस्थापन एवं योगदान प्रपत्र के आधार पर नये विद्यालय में योगदान के लिए अंतिम तिथि 26 जुलाई निर्धारित है। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा बीएलओ एवं अन्य कार्यों में लगे शिक्षकों का स्थानान्तरण नहीं करने का निर्देश आया है। डीईओ कुमार अरविन्द सिन्हा ने कहा कि विभाग के दिए आदेश के तहत ही शिक्षक आगे काम करेंगे। विभागीय निर्देश के अनुसार यह करना है शिक्षकों को -वैसे शिक्षक जो बीएलओ एवं अन्य कार्यों में लगे हैं और वे प्रधान शिक्षक के रूप में जिले से बाहर किसी अन्य जिले के लिए चयनित हुये हैं, वैसे सभी शिक्षक अभी वर्तमान स्थल पर कार्य करते रहेंगे। ये शिक्षक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से अपनी सूची कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे, ताकि विभाग को उनके योगदान की तिथि विस्तारित करने के लिए पत्र निर्गत करने का अनुरोध भेजा जा सके।

वोटर लिस्ट से किसी भी सही मतदाता का नाम नहीं कटेगा

नीतीश सरकार ने दिलाया भरोसा

पटना, एजेंसी। बिहार में जारी वोटर लिस्ट रिवीजन के बीच नीतीश सरकार ने यह भरोसा दिलाया है कि किसी भी सही मतदाता का नाम नहीं काटा जाएगा। विधानसभा में गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सरकार की ओर से वोटरों को यह आश्वासन दिया है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मांग की थी कि सीएम यह आश्वस्त करें कि किसी भी मतदाता का नाम नहीं कटने देंगे।

विधानसभा में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण पर सभी दलों के नेताओं ने अपनी-अपनी बात रखी। विधानसभा की पहली पाली जैसे ही शुरू हुई, तेजस्वी यादव ने अध्यक्ष नंदकिशोर यादव से कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण पर चर्चा कल अधूरी रह गई थी, जिसे पूरा करने की अनुमति दी जाए। अध्यक्ष ने इजाजत दी। इसके बाद तेजस्वी ने कहा कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर जो जवाब सौंपा है, उसमें कहीं भी नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश का जिक्र नहीं है। विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि मतदाता सत्यापन का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। इसलिए सत्ता पक्ष नहीं चाहता था कि सदन में इस विषय पर चर्चा हो, आसन ने इसकी सहमति दी है तो हम लोग भी अपनी बात रख रहे हैं। सरकार की भी यह इच्छा है कि एक भी सही मतदाता का नाम सूची से नहीं कटे। हम सरकार की ओर से सदन और राज्य के मतदाताओं को आश्वस्त करते हैं कि कोई भी सही नाम वोटर लिस्ट से बाहर नहीं होगा। विपक्ष को भी हम कहेंगे कि अगर उनकी जानकारी में किसी का नाम कटा है तो सूचना दें, सरकार इस पर संज्ञान लेगी और चुनाव आयोग से भी बात करेगी। कांग्रेस के शकील अहमद खान ने कहा कि भाजपा को चुनाव में हार का डर हो गया है। सीपीआई माले के महबूब आलम ने कहा कि पुनरीक्षण के कारण राज्य के करोड़ों गरीबों का नाम मतदाता सूची से कटने का खतरा है। सीपीआई के सूर्यकांत पासवान ने कहा कि पुनरीक्षण के जरिये लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। हम की ज्योति मांझी ने कहा कि पुनरीक्षण का निर्णय सराहनीय है।

कहा- जल्द सुधार नहीं होने पर होगी कार्रवाई

महिला आयोग ने महिला थाना को दी चेतावनी: निरीक्षण में मूलभूत सुविधाओं का मिला अभाव

पटना, एजेंसी। बिहार राज्य महिला आयोग ने आज पटना के महिला थाना का निरीक्षण किया। यह कदम तब उठाया गया जब आयोग को लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि थाने में महिलाओं के साथ व्यवहार सम्मानजनक नहीं है और वहां उनके लिए मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। इस निरीक्षण के दौरान आयोग की अध्यक्ष अप्सरा और सदस्य श्यामा सिंह खुद मौजूद थीं।

महिला थाना को दी गई जल्द सुधार की चेतावनी : उन्होंने थाने में महिला आगंतुकों के लिए बैठने, संवाद और गोपनीय बातचीत के लिए जरूरी बंदोबस्तों की कमी को लेकर असंतोष व्यक्त किया। टीम को यह भी देखने को मिला कि कुछ पुलिसकर्मियों के व्यवहार में आवश्यक संवेदनशीलता का अभाव है, जो महिला शिकायतकर्ताओं के लिए चिंता का विषय है। जब आयोग ने थाना प्रबंधन से इस स्थिति की सफाई मांगी तो कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। इसके बाद आयोग ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अध्यक्ष अप्सरा ने स्पष्ट किया कि महिला आयोग अब केवल सुनवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जमीनी हकीकत को भी परखकर ही कार्रवाई करेगा।

बेऊर सेंट्रल जेल और वन स्टॉप सेंटर का भी निरीक्षण किया था

इससे पहले महिला आयोग की टीम बेउर सेंट्रल जेल और वन स्टॉप सेंटर का भी निरीक्षण कर चुकी है। आयोग ने जेल में महिला कैदियों की स्थिति, उनके साथ हो रहे व्यवहार, सुविधाओं और सुरक्षा उपायों के लिए समीक्षा की थी। वहीं, वन स्टॉप सेंटर में करीब एक घंटे तक निरीक्षण करने के बाद पाया गया कि कार्यालय में मात्र तीन कर्मचारी उपस्थित थे- एक महिला सिपाही, एक सफाईकर्मी और एक कंप्यूटर ऑपरेटर। ये तीनों एक विजिटर महिला के साथ केंद्र में मौजूद थे। बाकी सभी पदाधिकारी और कर्मी अपने कार्यस्थल से गायब मिले थे।

घर में सोई महिलाओं के गले से मंगलसूत्र काटने वाला गिरोह सक्रिय

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। घर में घुसकर सोई हुई महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और ढोलना काटने वाला एक गिरोह अहियापुर थाना इलाके में सक्रिय है। चार अपराधियों का गिरोह है, इसमें से एक पकड़ा गया है। तीन फरार हैं। पुलिस तीनों की गिरफ्तारी को छापेमारी कर रही है। बीते 18 जुलाई को अहियापुर के मिठनसराय माधोपुर गांव में भुलटुन सहनी की पत्नी लालो देवी, महेश्वर सहनी की पत्नी विनीता देवी, विदेश्वर महतो की पुत्री पिंकी कुमारी और दिलीप साह की पत्नी लक्ष्मी देवी के गले से मंगलसूत्र व ढोलना काट लिया गया। अगले दिन 19 जुलाई की रात मिठनसराय के बगल वाले गांव गोसाईपुर में फिर से गिरोह के शातिरों ने धावा बोला।

केबी सहाय की प्रतिमा खंडित, सांसद ने की दोषियों पर देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग में स्वतंत्रता सेनानी एवं अविभाजित बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बल्लभ सहाय की आदमकद प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना ने शहरवासियों में गहरी नाराजगी और आक्रोश उत्पन्न कर दिया है। यह शर्मनाक घटना संत कोलंबस कॉलेज के सामने स्थित प्रतिमा स्थल पर घटी, जिसे जनता और विभिन्न राजनीतिक दलों ने इतिहास और सामाजिक मूल्यों का अपमान करार दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री केबी सहाय, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और संयुक्त बिहार के निर्माण में अहम भूमिका निभाई, उनके कार्यकाल में बरौनी रिफाइनरी, बोकारो स्टील प्लांट, तिलैया सैनिक स्कूल और हजारीबाग महिला कॉलेज जैसी ऐतिहासिक संस्थाओं की स्थापना हुई थी। उनकी प्रतिमा को खंडित किया जाना जनस्मृति और राष्ट्रीय गौरव पर सीधा हमला माना जा रहा है। इस घटना पर हजारीबाग के लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे महामानव की प्रतिमा को खंडित करना शर्मनाक और राष्ट्रविरोधी कृत्य है। यह देश की अस्मिता और लोकतंत्र के मूल्यों पर आघात है।

उन्होंने जिला प्रशासन से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की है। सांसद जायसवाल ने प्रतिमा की शीघ्र मरम्मत और पुनः स्थापना की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसी दुस्साहसिक हरकत न कर सके। घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी ऐतिहासिक स्थलों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड और सतत निगरानी प्रणाली लागू की जाए। जनता को उम्मीद है कि जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करेगा और शहर में शांति, सम्मान और सद्भाव का वातावरण बनाए रखने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा।

केदारूत के शुभम को जेपीएससी में 215वां रैंक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। केदारूत गांव के होनहार युवक शुभम कुमार ने जेपीएससी 2021 की परीक्षा में 215वीं रैंक प्राप्त कर वित्त विभाग में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शुभम की यह सफलता ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई है। शुभम के पिता शंकर यादव गोड्डा में एएसआई के पद पर कार्यरत हैं, जबकि मां कविता देवी एक कुशल गृहिणी हैं। डीएवी पब्लिक स्कूल बरही से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने वाले शुभम ने हजारीबाग डीएवी से इंटरमीडिएट और संत जेवियर कॉलेज रांची से स्नातक किया। इसके बाद उन्होंने इग्नू से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुट गए। शुभम ने यूजीसी-नेट परीक्षा पास की, फिर यूपीएससी प्रीलिम्स में सफलता हासिल की और जेपीएससी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पढ़ाई के साथ उन्हें क्रिकेट का भी शौक है।
अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता और गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य और अनुशासित दिनचर्या के साथ ईमानदारी से की गई मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

बड़कागांव में 11,500 कच्चे मकानों का सर्वे, फिर भी सैकड़ों परिवार आवास से वंचित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। बड़कागांव प्रखंड में अब भी सैकड़ों गरीब परिवार कच्चे और जर्जर मकानों में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। केंद्र और राज्य सरकार की तमाम आवासीय योजनाओं के बावजूद इन जरूरतमंदों को अब तक पक्का घर नसीब नहीं हो सका है। लगातार बारिश और हाथियों के उत्पात ने इन परिवारों की परेशानी और बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार, अब तक 60 से अधिक परिवारों के कच्चे घर हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जा चुके हैं। वहीं, बारिश के चलते कई मकानों के ढहने का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में कई परिवार प्लास्टिक की चादरों के सहारे जैसे-तैसे जीवन बिता रहे हैं।

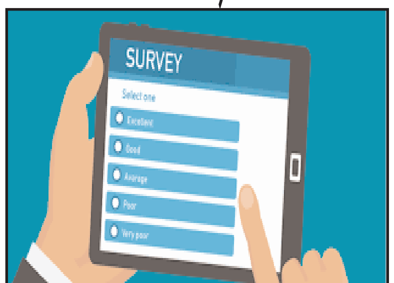

बड़कागांव प्रशासन और वन विभाग द्वारा कार्रवाई जरूर की जा रही है, लेकिन उसकी रफ्तार बेहद धीमी है। झारखंड सरकार की अबुआ आवास योजना के तहत 980 लाभुकों को मंजूरी दी गई थी, परंतु अब तक सिर्फ 40 मकानों में ही छत ढलाई का कार्य पूरा हो पाया है। बाकी मकान अधूरे पड़े हैं, जिनका काम लाभुकों के संसाधनों पर निर्भर है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 11,500 कच्चे घरों का सर्वे पूरा कर लिया गया है। प्रशासन के अनुसार, जैसे ही नया आवंटन प्राप्त होगा, सबसे पहले अति जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। खैरातरी गांव की दुलामन देवी और उनके पति सुखलाल महतो जैसे कई बुजुर्ग दंपत्ति हैं, जो आज भी जर्जर मिट्टी के मकान में रह रहे हैं। सात सदस्यीय यह परिवार प्लास्टिक के सहारे किसी तरह बारिश और गर्मी झेलता है। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि अब तक इन्हें पेंशन की सुविधा तक नहीं मिल पाई है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि आवासीय योजनाओं की प्रगति तेज की जाए, साथ ही वंचित परिवारों को शीघ्र आवास, पेंशन और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे भी सम्मानजनक जीवन जी सकें।

रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज में 28 जुलाई को होगा एनसीसी कैडेट्स का साक्षात्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। रामनारायण यादव मेमोरियल महाविद्यालय, बरही में एनसीसी कैडेट्स के चयन हेतु 28 जुलाई (रविवार) को साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। यह चयन कॉलेज में सेमेस्टर-1 में नामांकित छात्रों के लिए होगा। चयन प्रक्रिया पूर्वाह्न 10 बजे से कॉलेज परिसर में शुरू होगी, जिसकी निगरानी एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. अजय कुमार रंजन करेंगे।
कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बिमल किशोर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह चयन 45 झारखंड एनसीसी कोडरमा बटालियन के

लेफ्टिनेंट कर्नल विजय कुमार (सेना मेडल) के निर्देशानुसार किया जाएगा। डॉ. किशोर ने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य युवाओं को सशक्त, अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाना है। इससे उनमें चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता, साहस, सेवा भावना और देशभक्ति के गुणों का विकास होता है। एनसीसी युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए भी प्रेरित करता है। साक्षात्कार के लिए अनिवार्य दस्तावेजों में– मैट्रिक व इंटर की मूल व जेरॉक्स मार्कशीट, नामांकन की रसीद, दो पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, आधार कार्ड शामिल हैं। यदि किसी छात्र के पास एनसीसी, खेलकूद या सांस्कृतिक गतिविधियों से संबंधित प्रमाण पत्र हो तो उन्हें वरीयता दी जाएगी। एनसीसी ऑफिसर डॉ. रंजन ने बताया कि चयन के बाद छात्रों का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में जीरो बैलेंस खाता भी खुलवाया जाएगा। जिनके पास पहले से खाता है, वे संबंधित विवरण जमा करें। महाविद्यालय में एनसीसी के 'बी' एवं 'ए' सर्टिफिकेट की सुविधा उपलब्ध है, जो इस क्षेत्र के लिए एक विशेष उपलब्धि है। इस वर्ष कुल 34 सीटों पर नामांकन निर्धारित किया गया है।

जेपीएससी परीक्षा में बड़कागांव की चमक, सात अभ्यर्थी हुए सफल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। झारखंड लोक सेवा आयोग की संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2023 के घोषित परिणाम में बड़कागांव प्रखंड ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रखंड क्षेत्र के सात प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की, जिनमें ग्राम गंगा दोहर निवासी रोबिन कुमार ने पूरे झारखंड में सातवीं रैंक हासिल कर डीएसपी पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रोबिन कुमार, संतोष कुमार महतो के पुत्र हैं। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता ने बड़कागांव को प्रदेश की प्रशासनिक सेवा मानचित्र पर गौरवपूर्ण स्थान दिलाया है। **अन्य सफल अभ्यर्थियों में शामिल हैं:**

सावित्री कुमारी उर्फ गुड़िया (ग्राम सांढ) – पिताः परमेश्वर महतो – बीडीओ पद पर चयनित।

विपिन कुमार भास्कर उर्फ गौतम कुमार (ग्राम कांडतरी) – पिताः चक्रधर महतो – डीएसपी पद पर चयनित।

प्रियंका कुमारी (ग्राम बादम) – पिताः कन्हैया महतो – बीडीओ पद पर चयनित।

मनीष कुमार (बड़कागांव अंबेडकर मुहल्ला) – पिताः स्व. चंद्रदेव राम – डीएसपी पद पर चयनित।

नीतीश कुमार (ग्राम अंबाजीत) – पिताः तापेश्वर सिंह – डीएसपी पद पर चयनित।

चौपारण की बेटी स्वाति केशरी ने रचा इतिहास, जेपीएससी परीक्षा में 9वीं रैंक हासिल कर बनीं डिप्टी कलेक्टर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण। चौपारण प्रखंड की बेटी स्वाति केशरी ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। झारखंड लोक सेवा आयोग (ख्च्ट्टए) की संयुक्त सिविल सेवा परीक्षाऽ2023 में 9वीं रैंक प्राप्त कर उन्होंने झारखंड प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर पद पर अपनी जगह सुनिश्चित की है। स्वाति केशरी, चौपारण बाजार निवासी प्रकाश केशरी की पुत्री हैं। उनके पिता एक साधारण व्यवसायी हैं जो वर्षों से चावल के कारोबार से जुड़े हैं। सीमित संसाधनों में रहकर, कठिन मेहनत और अटूट विश्वास के दम पर स्वाति ने यह उपलब्धि हासिल की है। जानकारी के अनुसार, स्वाति वर्तमान में बिहार लोक सेवा आयोग

के अंतर्गत फतुहा (पटना) में राजस्व अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। अब उन्होंने झारखंड में भी प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर अपने क्षेत्र, परिवार और राज्य का मान बढ़ाया है। उनकी इस सफलता पर चौपारण में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, युवाओं और आम नागरिकों ने स्वाति को ढेरों बधाइयां दी हं।

विष्णुगढ़ पंचायत को मिला नया ट्रांसफॉर्मर सांसद प्रतिनिधि मधुसूदन प्रसाद ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। विष्णुगढ़ पंचायत में गुरुवार को 200 केवीए क्षमता वाला नया विद्युत ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया। यह ट्रांसफॉर्मर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से उपलब्ध कराया गया, जिसका विधिवत उद्घाटन भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बीस सूत्री कार्यक्रम के जिला अध्यक्ष मधुसूदन प्रसाद तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष डोमन गुप्ता ने पूजा-अर्चना व फीता काटकर किया। उल्लेखनीय है कि पंचायत में पूर्व में स्थापित ट्रांसफॉर्मर पिछले पांच दिनों से खराब पड़ा था, जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप थी। इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्यों और स्थानीय व्यवसायों पर पड़ा। ग्रामीण लगातार समस्या झेल रहे

थे। इस बाबत मधुसूदन प्रसाद और डोमन गुप्ता ने समस्या की जानकारी सांसद मनीष जायसवाल को दी। सांसद ने त्वरित संज्ञान लेते हुए विद्युत विभाग से समन्वय कर नया ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराया और जल्द स्थापना सुनिश्चित कराई। सांसद जायसवाल ने कहा मेरे संसदीय क्षेत्र की जनता अंधेरे में नहीं रह सकती। जन समस्याओं का समाधान मेरी प्राथमिकता है। मैं हरसंभव सहयोग करता रहूंगा। नया ट्रांसफॉर्मर लगने में समाजसेवी केदार कसेरा, बालगोविंद बरनवाल, अनूप कसेरा, कुंदन शर्मा, अंगद राणा और किशोर सोनी का भी विशेष योगदान रहा। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। प्रमुख उपस्थित लोगों में गौतम भारती, राजेश सोनी, संतोष शर्मा, प्रदीप सोनी, जीवन सोनी, कुंदन ठाकुर, संजय सोनी, सुभाष सोनी, सुरेश राणा, टिंकू राणा, राहुल पांडे, निरंजन सोनी, मिथिलेश पांडे और सरजू ठाकुर प्रमुख रूप से शामिल थे। ट्रांसफॉर्मर चालू होने के साथ ही ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। सभी ने सांसद, प्रतिनिधियों और सहयोगियों के प्रति आभार जताया और आशा जताई कि इसी तरह जन समस्याओं का समाधान आगे भी तत्परता से होता रहेगा।

बाढ़ पीड़ितों के लिए सरकार से की ठोस कदम उठाने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। शहर के एक निजी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में घोसी के पूर्व विधायक राहुल कुमार ने बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं पर गंभीर चिंता जताते हुए सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि फल्गु और भूतही नदी में आई बाढ़ के कारण जिले के दर्जनों गांव जलमग्न हो गए हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। पूर्व विधायक राहुल कुमार ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा से किसानों की फसलें, मछली पालन और संपत्ति को गहरी क्षति पहुंची है। उन्होंने कहा कि हम राज्य एवं केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को जल्द मुआवज़ा दिया जाए और भविष्य में बाढ़ की समस्या के निदान और बचाव के लिए ठोस रणनीति बनाई जाए। राहुल कुमार ने यह भी बताया कि उन्होंने हाल ही में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर बाढ़ की स्थिति और जहानाबाद जिले के बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों की परेशानियों से उन्हें अवगत कराया है। उन्होंने फल्गु, मोरहर सहित जिले के दूसरे नदियों के तटबंधों की खराब स्थिति के लिए जलसंसाधन विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि अगले वर्षात में इसका और नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि अगर तटबंधों की मरम्मत समय पर नहीं हुई, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। इससे किसानों की फसल और जीवन दोनों खतरे में पड़ सकता है। प्रेस वार्ता में उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार को किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं।

शिक्षा विभाग की लापरवाही से 'प्रगति बिहार' जिला प्रतियोगिता में शामिल नहीं हो सके छात्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। राज्य सरकार जहां बच्चों की प्रतिभा निखारने और उन्हें मंच प्रदान करने के लिए ल्लप्रगति बिहारङ्क जैसे कार्यक्रम चला रही है, वहीं जहानाबाद जिले में शिक्षा विभाग की लापरवाही ने दर्जनों छात्र-छात्राओं के सपनों को चूर-चूर कर दिया। शुक्रवार को गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जहानाबाद में आयोजित जिला स्तरीय प्रगति बिहार प्रतियोगिता में हुलासगंज प्रखंड के चयनित प्रतिभागी शामिल ही नहीं हो सके। इसका कारण रहा - प्रखंड शिक्षा कार्यालय की ओर से अंतिम समय में दी गई सूचना। सूत्रों के अनुसार, हुलासगंज प्रखंड के शिक्षकों को प्रतियोगिता की जानकारी दोपहर करीब 1 बजे मिली, जब तक शिक्षक चयनित विद्यार्थियों को लेकर दोपहर 2 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तब तक प्रतियोगिता समाप्त हो चुकी थी और पुरस्कार वितरण भी हो चुका था।
इस स्थिति ने प्रतिभागियों को भावनात्मक रूप से तोड़ दिया। प्रतियोगिता स्थल पर ही कई बच्चों की आंखें छलक पड़ीं, जो राज्य स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का सपना देख रहे थे।

प्रतिभा के साथ अन्याय

जिन छात्रों को प्रखंड स्तर पर चयनित किया गया था, उनमें से कुछ के नाम इस प्रकार हैंः

पेंटिंग प्रतियोगिताः रागिनी कुमारी (दसवीं, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हुलासगंज), अंजु कुमारी (आठवीं, उत्क्रमित मध्य विद्यालय जारू)।

निबंध लेखनः मानसी कुमारी (दसवीं, हुलासगंज), सचिन कुमार (आठवीं, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुहानी बिगहा)।

भाषण और परिचर्चाः रिया राय (आठवीं, सुहानी बिगहा), सपना कुमारी (नवमी, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तमपुर)।

अभिभावकों ने घटना के लिए शिक्षा विभाग को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि सूचना का समय पर प्रसारण न होना बच्चों के आत्मविश्वास और भविष्य के अवसरों पर सीधा प्रहार है। इस मामले पर जब नवबिहार टाइम्स ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन कॉल काट दिया। इससे विभागीय संवेदनशीलता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

चौपारण की स्वाति केशरी बनीं प्रशासनिक अधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग (चौपारण)। चौपारण की होनहार बेटी स्वाति केशरी ने अपनी प्रतिभा और संघर्ष से क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। झारखंड लोक सेवा आयोग की संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा-2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 9वीं रैंक हासिल की है। इसके साथ ही स्वाति का चयन झारखंड प्रशासनिक सेवा (डिप्टी कलेक्टर) पद के लिए हुआ है। स्वाति केशरी, चौपारण बाजार निवासी व्यवसायी प्रकाश केशरी की पुत्री हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली स्वाति ने सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के दम पर यह मुकाम हासिल किया। वर्तमान में वह बिहार लोक सेवा आयोग के तहत पटना के फतुहा अनुमंडल में राजस्व पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। झारखंड प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर स्वाति ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। उनकी इस उपलब्धि से चौपारण ही नहीं, संपूर्ण हजारीबाग जिला गौरवान्वित है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है। स्वाति ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अपनी निरंतर मेहनत को दिया है। उन्होंने संदेश दिया कि छोटे शहरों और गांवों की बेटियां भी बड़े सपने देख सकती हैं और उन्हें साकार भी कर सकती हैं, बस जरूरत है मजबूत इरादों की।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ-एसी-टी-74 एवं 75-25-26 (खुली), दिनांक 23.07.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैंः **क्रम सं.:1, केस सं.** : ओ-एसी-टी-74-25-26, **कार्य का नामः** वर्ष 2025-26 में आसनसोल मंडल के लिए विभिन्न कॉलोनियों, स्टेशनों आदि में ट्रक/टैंकर द्वारा पानी की आपूर्ति के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 26,65,504/-, **बयाना राशि :** रु. 53,300/- **कार्य की समापन अवधिः** 12 माह। **क्रम सं.:2, केस सं.** : ओ-एसी-टी-75-25-26, **कार्य का नामः** 30.06.2026 तक समाप्त अवधि के लिए आसनसोल मंडल के जोन नं. 23 में वरिष्ठ डीईएन/2/आसनसोल के अधीन जोनल ब्रिज कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 60,00,000/-, **बयाना राशि :** रु. 1,20,000/- **कार्य की समापन अवधिः** 11 माह (30.06.2026 तक)। **बंद होने की तिथि और समयः** दिनांक 20.08.2025 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-133/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

73 फरार अपराधी गिरफ्तार : एसपी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि 24 जुलाई 2025 को नवादा जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न गिरफ्तारियां की गयी हैं, अनुसूचित जाति/जनजाति में 1, मद्य निषेध में 10 एवं अन्य गिरफ्तारी 62 कुल 73 गिरफ्तारियां हुई। शराब की बरामदगी अन्तर्गत 636 लीटर महुआ शराब एवं 23.5 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। वारंट के निष्पादन की संख्या-254 एवं कुर्की के निष्पादन की संख्या-05 है। वाहन जांच के क्रम में कुल 556 वाहनों की जॉच की गयी है एवं जुर्माने की कुल राशि 59 हजार रूपया वसूला गया है। अन्य गिरफ्तारी अन्तर्गत मोटरसाइकिल-6, तसला-1, गैंस चुल्हा-1, गैंस सिलेंडर-1, नगद-81,260 रूपया, मोबाइल-01, एटीएम-34, पासबुक-12, चेकबुक-5, आधार कार्ड-2, पहचान पत्र-1, आरसी-1 एवं जमीनका पेपर-3 बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक, ने बताया कि नवादा पुलिस इस तरह के क्रुर एवं जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने एवं सजा दिलाने के लिए लगातार संकल्पित है।

दिव्यांग प्रमाण पत्र शिविर बंद असमंजस में दिव्यांगजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड के दिव्यांगजनों को इन दिनों प्रमाण पत्र बनवाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कौआकोल में लंबे समय से दिव्यांगता प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन नहीं हो रहा है, जिससे दिव्यांगजन नाराज और असहाय महसूस कर रहे हैं। पूर्व में हर मंगलवार को पीएचसी परिसर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए नियमित रूप से शिविर लगाया जाता था। लेकिन पिछले कुछ महीनों से यह प्रक्रिया ठप पड़ी है। इसका खामियाजा उन जरूरतमंदों को भुगतना पड़ रहा है जो प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई बार अस्पताल का चक्कर काट चुके हैं। स्थानीय दिव्यांग दीपक कुमार और मोहित कुमार ने बताया कि वे कई दिनों से पीएचसी आ-जा रहे हैं, लेकिन शिविर न लगने के कारण उन्हें निराश लौटना पड़ता है। इससे न केवल समय और संसाधन की बर्बादी हो रही है, बल्कि आवश्यक सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इस संदर्भ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामप्रिय सहगल ने बताया कि पंचायत स्तर पर चल रहे विकास शिविरों के कारण अस्थायी रूप से दिव्यांगता शिविरों का आयोजन प्रभावित हुआ है। उन्होंने जानकारी दी कि अब से हर सोमवार को कौआकोल पीएचसी में दिव्यांग प्रमाण पत्र शिविर आयोजित किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने अपेक्षा जताई है कि प्रशासन जल्द इस व्यवस्था को नियमित और प्रभावी बनाए।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सूचना सं. : ईएलआईएन/टीआरएस/बोगी ओवरहॉलिंग/डब्ल्यूएजी7/25-27, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए **वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, विद्युत लोको शेड, इस्पातनगर, झारखंड-**827010 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं. **ईएलआईएन-टीआरएस-बीओजी -ओएच-25-27-01** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नामः** ईएलएस/आईपीटीएन के डब्ल्यूएजी7 विद्युत लोकोमोटिव के फैब्रिकेटेड को-को बोगी का ओवरहॉलिंग कार्य। **मात्राः** 192 बोगी। **शेड का नाम/स्थलः** विद्युत लोको शेड/इस्पातनगर, दक्षिण पूर्व रेलवे। **निविदा मूल्यः** रु. 3,17,71,566.72, **बयाना राशिः** रु. 3,89,000/-, **अनुबंध की अवधिः** 24 माह। **निविदा कागजात का मूल्यः** शून्य। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 22.08.2025 को 15.00 बजे। निविदा कागजात का विवरण ई-निविदा पोर्टल में उपलब्ध है और आईआरईपीएस वेबसाइट का यूआरएल है **www.ireps.gov.in** (PR-441)

भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ मर्यादित (ट्राईफेड)
(जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार)
मुख्यालयः एनएसआईसी बिजनेस पार्क, एनएसआईसी एस्टेट, ओखला फेज-III, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110020

ट्राईफेड TRIFED

ट्राईफेड द्वारा निविदा आमंत्रण (GEM/2025/B/6417734)

जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत संचालित जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ मर्यादित (ट्राईफेड) ने तीसरे पक्ष के मूल्यांकन अध्ययन के संचालन के लिए एक एजेंसी की नियुक्ति के लिए एक अनुरोध प्रस्ताव(RFP) जारी /प्रकाशित किया है:

1. निम्नलिखित केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए:
प्रधान मंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम), प्रधान मंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएमजनमन) और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पीटीपी-एनईआर) से जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देना।
2. ट्राइब्स इंडिया स्टोर्स का आवश्यकता मूल्यांकन अध्ययन करना।

कार्य के दायरे, समयसीमा, पात्रता मानदंड और बोली प्रस्तुत करने के दिशा-निर्देशों के बारे में पूरी जानकारी के लिए, बेबसाइट: www.trifed.tribal.gov.in, | www.gem.gov.in

CBC43104/12/0007/2526

राजस्व कर्मचारी को निगरानी की टीम ने दबोचा

▸ 50 हजार रुपये लिया था नजराना ▸ अंचल गार्ड के पास से हुआ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा जिले के सिरदला प्रखंड में शुक्रवार को निगरानी विभाग, पटना की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारी रणजीत कुमार उर्फ रणजीत पासवान को 50,000 की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी सिरदला अंचल कार्यालय परिसर स्थित गार्ड रूम के पास से की गई।

निगरानी विभाग के डीएसपी आदित्य राज ने बताया कि ग्राम पंचायत चौकियां अंतर्गत बनियाडीह गांव निवासी उमेश कुमार ने 10 जुलाई को निगरानी थाना, पटना में एक लिखित शिकायत दी थी।

शिकायत में आरोप था कि राजस्व कर्मचारी ने 6 डिसमिल जमीन के दाखिल-खारिज के एवज में 50,000 की रिश्वत मांगी थी।

शिकायत के आधार पर निगरानी थाना कांड संख्या 55/25, 24 जुलाई 2025 को दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई थी।

जांच में आरोप सत्य पाए जाने के बाद शुक्रवार को निगरानी की विशेष टीम ने जाल बिछाकर आरोपी कर्मचारी को रंगेहाथ रिश्वत लेते पकड़ लिया।

गिरफ्तार कर्मचारी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए निगरानी थाना, पटना भेजा गया है।

इस कार्रवाई में निगरानी विभाग, पटना की टीम में इंस्पेक्टर मुरारी प्रसाद, सिपाही राजीव कुमार, हिमांशु कुमार, शशिकांत कुमार समेत अन्य अधिकारी भी शामिल थे।

राजस्व कर्मचारी की गिरफ्तारी से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। वहीं आम जनता के बीच निगरानी विभाग की तत्परता की सराहना की जा रही है।

ससुर ने बहु की फोड़ी दोनों आंखें

गयाजी। बिहार के गया जी में एक ससुर के द्वारा दिल दहलाने वाली वारदात सामने आयी है। ससुर को लेट खाना देने पहुंची बहु की दोनों आंखे ससुर ने फोड़ दी। साथ ही उसके कान और नाक भी काट दी। वजह सिर्फ इतना था कि बहु ने खाना बनाने में देर कर दी और ससुर को खाना देर से मिला। घटना के बाद से आरोपी ससुर घर छोड़कर फरार हो गया। यह घटना गयाजी जिले के रोशनगंज थाना के इटवा नामक गांव की घटना है। महिला की पहचान रविंद्र चौधरी की पत्नी लालो देवी उम्र 35 वर्ष के रूप में हुई है। हालांकि थाने के थाना अध्यक्ष इस खबर से अंजान है। बता दे कि ससुर ने बहु को थारदार हथियार से हमला कर दोनों आंखें फोड़ दी। इस हमला में बचाव के दौरान उसके नाक और कान भी कट गए है। घायल लालो देवी को प्राथमिक इलाज के लिए बांके बाजार प्राथमिक केंद्र लाया गया। जहां पर प्राथमिक इलाज कर-के उन्हें रेफर कर दिया गया।

झाड़ी से किशोर का शव मिलने से मची सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। जिले के बड़हिया थाना क्षेत्र अंतर्गत खुटहा गांव स्थित बालकिशन सिंह गंगा घाट के पास शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घाट के समीप झाड़ियों से 14 वर्षीय किशोर अमन कुमार का रक्तरंजित शव बरामद किया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान खुटहा चेतन टोला निवासी चुनचुन सिंह उर्फ चूनमा के पुत्र के रूप में की गई है।

अमन गुरुवार सुबह करीब 10 बजे से लापता था। परिजन उसकी तलाश में जुटे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह गंगा स्नान के लिए जा रहे लोगों ने घाट के पास झाड़ियों में कुत्तों को भौंकते देखा। संदेह होने पर जब वे झाड़ियों की ओर बढ़े तो वहां अमन का शव खून से सना हुआ पड़ा मिला। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

मृत किशोर के सिर में गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया गोली लगने या धारदार हथियार से हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, शव का सीना हिस्सा जंगली जानवरों द्वारा नोच दिए जाने से विकृत अवस्था में मिला है। जानकारी के अनुसार, अमन स्थानीय सिपाही स्थान के पास एक छोटी गुमटी में किराना और पेट्रोल बेचने का कार्य करता था और साथ ही वह मध्य विद्यालय चेतन टोला खुटहा में आठवीं कक्षा का छात्र था।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अमन अपने दो किशोर साथियों के साथ एक पिस्टल जैसे हथियार को देख रहा था। इसी दौरान अचानक गोली चल गई, जो सीधे अमन के सिर में जा लगी। इसके बाद दोनों किशोर घबरा गए और शव को झाड़ियों में छिपा दिया। पुलिस ने दोनों किशोरों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई साजिश थी।

डीडीसी की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को उप विकास आयुक्त सभागार में उ्ळउ-ठफ्छट उप समिति की बैठक आयोजित की गयी।बैठक में जेएसएलपीएस की डीपीएम द्वारा समूह का क्रेडिट लिंकेज,ऋण निकासी,बीमा क्लेम सेटलमेंट, व्यक्तिगत ऋण में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य के अनुरूप जुलाई माह तक की प्रगति को पेश किया गया,जिसकी समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक को कार्य में तेजी लाते हुए लक्ष्य हासिल करने के लिए निर्देश दिया गया तथा किसी भी बैंक शाखा में दस्तावेज पेंडिंग होने पर वरीय पदाधिकारी को सूचित करने को कहा गया।

जिला समन्वय समिति की बैठक में उप विकास आयुक्त ने सभी बैंकों के वरीय पदाधिकारी एवं जेएसएलपीएस के कर्मियों को आपसी समन्वय बना कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।उप विकास आयुक्त ने समूह की महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से ऋण प्रदान कर आजीविका गतिविधि से जोड़ने तथा लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

समूह की महिलाओं को उद्यमी दीदी,स्वयं सिद्ध ऋण,मुद्रा ऋण एवं अन्य व्यक्तिगत ऋण योजना के माध्यम से व्यक्तिगत ऋण उपलब्ध कराने हेतु सभी बैंक के वरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा अगले एक माह में सखी मंडल की कम से कम 200 महिला उद्यमियों को व्यक्तिगत ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया।

उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से बीमित व्यक्तियों के क्लेम में धीमी गति पर नाराजगी जतायी एवं सभी बैंक के पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी पेंडिंग बीमा क्लेम को सेटल कर नॉमिनी को लाभ देने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न बैंकों के वरीय पदाधिकारी,फ्ऱएळक निदेशक, एलडीएम पलामू, जेएसएलपीएस के सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक एवं सभी प्रखंड परियोजना पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समाहरणालय और सर्किट हाउस को कुर्क करने का आदेश

▸ ढोल बजाकर चिपकाया इश्तेहार ▸ अदालती आदेशों की अनदेखी पर कार्रवाई ▸ पहले भी दिया गया था कुर्की का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। फुलवरिया जलाशय परियोजना (रजौली) से जुड़े विस्थापितों को अब तक मुआवजा नहीं दिए जाने के मामले में नवादा व्यवहार न्यायालय ने बड़ा और ऐतिहासिक आदेश जारी किया है। सब-जज प्रथम आशीष रंजन की अदालत ने मुआवजा भुगतान में देरी और अदालती आदेशों की अनदेखी को गंभीरता से लेते हुए नवादा समाहरणालय और सर्किट हाउस (परिसदन भवन) को कुर्क करने का आदेश दिया है।

जलाशय परियोजना के चलते विस्थापित हुए दर्जनों परिवारों की भूमि और मकान का मुआवजा वर्षों से लंबित है। इस संबंध में विभिन्न विस्थापितों ने न्यायालय की शरण ली थी। जिनमें प्रमुख वादों में शामिल हैं:-वाद संख्या 09/2021 - गणेश पंडित, वाद संख्या 34/2023 - मंटू रजक, वाद संख्या 04/2024 - किशन कुमार, वाद संख्या 05/2024- जदू राजवंशी, वाद संख्या 06/2024 - रामप्रसाद पंडित, वाद संख्या 08/2024- मिश्री धोबी, वाद संख्या 10/2024 - कृष्णा प्रसाद साव, वाद संख्या 13/2024 - नत्थू मियां।

इन सभी मामलों में प्रतिवादी के रूप में बिहार सरकार, नवादा जिला समाहर्ता, फुलवरिया जलाशय परियोजना के कार्यपालक अभियंता एवं विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी को शामिल किया गया है।

वाद संख्या 09/2021 में अदालत ने 2015 में ही गणेश पंडित को 6,58,687.21 की मुआवजा राशि देने का आदेश दिया था, लेकिन अब तक न तो यह राशि दी गई और न ही ब्याज सहित अदायगी की प्रक्रिया शुरू हुई। अदालत ने अब इस राशि पर 15% वार्षिक ब्याज के साथ भुगतान का निर्देश दिया है, जिससे मुआवजा राशि दोगुनी से भी अधिक हो गई है।

गुरुवार को न्यायालय कर्मी बाल्मीकि प्रसाद ने वादी पक्ष के अधिवक्ता रंजीत कुमार पटेल के साथ नवादा समाहरणालय और सर्किट हाउस की दीवारों पर ढोल बजाकर कुर्की का इश्तेहार चस्पा किया। वादी पक्ष के अधिवक्ता ने जानकारी दी कि वाद संख्या 03/2022 झ शांति देवी व अन्य बनाम बिहार सरकार में भी न्यायालय ने समाहरणालय और परिसदन भवन को कुर्क करने का आदेश दिया था, लेकिन अब तक मुआवजा का भुगतान नहीं हुआ।

न्यायालय ने कई बार संबंधित अधिकारियों को नोटिस भेजकर मुआवजा भुगतान करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अधिकारियों की लगातार अनदेखी और लापरवाही के चलते अदालत को सख्त कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा। यह मामला प्रशासनिक उदासीनता का ज्वलंत उदाहरण बन गया है, जहां वर्षों से प्रभावित परिवार न्याय के लिए भटक रहे हैं और सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। विस्थापित आज भी न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं, जबकि मुआवजा में देरी और अदालती आदेशों की अनदेखी सरकार की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर रही है। अदालत के सख्त रुख के बाद देखना होगा कि प्रशासन इस दिशा में क्या ठोस कदम उठाता है।

खड़ी ट्रक से टकराया मालवाहक वाहन, दो की मौत

एक गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंगराही चौक के समीप शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जंदाहा की ओर से आ रहा एक मालवाहक वाहन हाजीपुर की ओर जा रहा था, इसी दौरान सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय थाना को सूचित किया, जिसके बाद गंगा ब्रिज थाने की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

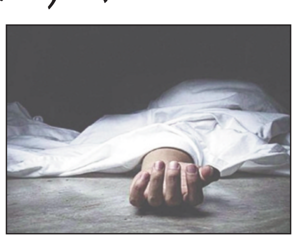

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मालवाहक वाहन में तीन लोग सवार थे, जिनमें से सभी आगे की सीट पर बैठे हुए थे। मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज चुकी है और पहचान के लिए स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों को सूचना देने में जुटी हुई है। गंगा ब्रिज थाने के पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि यह एक सड़क दुर्घटना है जिसमें दो लोगों की मौत हो चुकी है और एक घायल है। शवों की पहचान के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

पटना में सुबह से ही बारिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के सभी जिलों में अगले तीन दिनों बारिश और वज्रपात के आसार हैं। मौसम विभाग ने कई जिलों में बारिश और वज्रपात का ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मुजफ्फरपुर, वैशाली, नवादा, नालंदा, समस्तीपुर, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, दरभंगा, सारण, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, गया, पटना, मधुबनी सुपौल, अररिया, किशनगंज में बारिश और वज्रपात के आसार हैं। इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के कुछ भागों में अगले दो से तीन घंटों में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन, वज्रपात और हवा (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ बारिश की प्रबल संभावना है।

शुक्रवार सुबह से ही पटना, बेगूसराय, भागलपुर, वैशाली समेत कई जगहों पर झमाझम बारिश हो रही है। पटना में सुबह आठ बजते ही अंधेरा जैसा हो गया। देखते ही देखते झमाझम बारिश होने लगी। बारिश से लोगों ने राहत की सांस ली। आज न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक रहने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य में पूरवा हवा चल रही है। यह बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर आ रही है। अगले तीन दिनों तक राज्य के 28 जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान में भी कमी आएगी।

झारखंड में निकाय चुनाव जल्द कराए जाऐंगे : राजेश ठाकुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में स्थानीय परिसदन भवन में बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष जैस रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के अध्यक्षता में किया गया। बैठक का संचालन कोषाध्यक्ष अजय साहू के द्वारा किया गया।

बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड निकाय चुनाव के संयोजक राजेश ठाकुर और विशिष्ट अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अमूल्य नीरज खलको उपस्थित हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष सह निकाय चुनाव के संयोजक श्री ठाकुर ने कहा कि बहुत ही जल्द झारखंड में निकाय चुनाव कराया जाएगा और यह निकाय चुनाव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने पार्टी के विचारधारा के लोग जीत दर्ज करें। इसके लिए हम सभी को तैयारी करने की जरूरत है। आप अपने क्षेत्र में जाकर वैसे उम्मीदवार का चयन करें जो चुनाव के लिए सूटेबल हो और उनके विचारधारा कांग्रेस पार्टी के विचारधारा से मेल खाते हो मिलकर उम्मीदवार का चयन के बाद चुनाव की तैयारी में लग जाएं। आज नगर निकाय चुनाव हेतु कमेटी का निर्माण किया गया। जिसमें और सभी को कार्य और दायित्व का निर्वहन करने हेतु जानकारी प्रदान की गई। श्री ठाकुर ने संगठन और सभी नगर निकाय के चुनाव हेतु संगठन और कमेटी की समीक्षा की।

जिला अध्यक्ष जैस रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि आगामी निकाय चुनाव हेतु आज का बैठक आयोजित किया गया है। हमारे यहां हरिहरगंज हुसैनाबाद छतरपुर बिश्रामपुर और मेदनी नगर में नगर निकाय है। जहां पर चुनाव होगा हम सभी को पार्टी समर्थित उम्मीदवार को चिन्हित कर चुनाव में उतरना है । बैठक में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह 20 सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी ईश्वरी सिंह रामाशीष पांडे शमीम अहमद राईन पप्पू अजहर विनोद तिवारी शैलेश चंद्रवंशी सत्येंद्र सिंह जितेंद्र कमलापुरी अजय साहू राहुल सिंह हुसैनाबाद नगर अध्यक्ष रंजीत पासवान मिट्ठू खान अमिताभ शर्मा छतरपुर नगर अध्यक्ष मुश्ताक आलम मेदनी नगर नगर अध्यक्ष हैदर खान बिश्रामपुर नगर अध्यक्ष ऋषि पांडे शैलेश चंद्रवंशी खुर्शीद खान मुन्ना खान रंजीत सिंह देवांग शुक्ला बाबू सिंह सौरव पांडे सच्चिदानंद मिश्रा सोनू खान मोहम्मद बादल मुकेश सिंह आदी लोग उपस्थित थे।

एमडीएम की जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में झारखंड शिक्षा परियोजना एवं मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग कमिटी, खूंटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में योजना के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु विभिन्न बिंदुओं पर गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य रूप से स्कूली बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, मध्याह्न भोजन एवं इससे संबंधित एसएमएस भेजने की स्थिति, खाद्यान्न का समय पर उठाव, थाली एवं गिलास की खरीद, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, रसोइयों और सहायिकाओं को मानदेय भुगतान, वृद्धा पेंशन, आयुष्मान भारत एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभान्वित करने, सामाजिक अंकेक्षण हेतु समयबद्ध कार्यक्रम के अनुपालन समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मध्याह्न भोजन में पौष्टिकता का विशेष ध्यान रखते हुए अनिवार्य रूप से हरी सब्जी तथा अन्य पोषक आहार का समावेश किया जाए। साथ ही झारखंड शिक्षा परियोजना के तहत बच्चों को समय पर पोशाक एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं। शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति, बच्चों की उपस्थिति, पठन-पाठन की गुणवत्ता तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में उपायुक्त ने सभी बीईओ, बीआरपी एवं सीआरपी को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक माह अपने क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर ऑनलाइन रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि विद्यालयों का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालयों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन, मिड-डे मील की ससमय आपूर्ति, मेनू के अनुसार भोजन वितरण एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर दिया जाए। बैठक में किचन गार्डन की प्रगति, बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं अन्य बिंदुओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। विद्यालय भवन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पदाधिकारियों को विद्यालयों का निरीक्षण कर जर्जर विद्यालय भवन की सूची साझा करने का भी निर्देश दिया, जिससे आवश्यकता अनुसार भवनों की मरम्मत कराई जा सके।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि विद्यालयों की नियमित मोनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें, पूरी तत्परतापूर्वक बच्चों के पठन-पाठन के अलावा बच्चों को स्वच्छता, शिष्टाचार समेत अन्य जरूरी विषयों के प्रति उन्हें जागरूक करें, जिससे बच्चों का सवार्गीण विकास हो सके।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी बीईओ, बीआरपी, सीआरपी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

किशनगंज। जिले में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय जूही के रूप में हुई है। मृतका के भाई मोहम्मद नदीम कौसर ने किशनगंज सदर थाना में आवेदन देकर ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। नदीम के अनुसार, तीन साल पूर्व उनकी बहन जूही का विवाह मुस्लिम रीति-रिवाज से शाहबाज , निवासी टैंगरमारी सालकी, किशनगंज के साथ हुआ था। विवाह के समय परिवार ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज भी दिया था, लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने पाँच लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करनी शुरू कर दी। परिवार द्वारा एक लाख रुपये दिए जाने के बावजूद जूही को प्रताड़ित किया जाता रहा। नदीम का कहना है कि 17 जुलाई को जूही मायके आई थी और उसने बताया था कि ससुराल वाले अब भी चार लाख रुपये की मांग कर रहे हैं और उसे प्रतिदिन शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

महिला ने एक साथ तीन बच्चों को दिया जन्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले के पातेपुर प्रखंड अंतर्गत पीएचसी अस्पताल में गुरुवार देर रात एक गर्भवती महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। लदहो पंचायत के रूपनपट्टी गांव निवासी मुकेश सहनी की पत्नी पूजा देवी को गुरुवार शाम को प्रसव पीड़ा हुई, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें आनन-फानन में पातेपुर पीएचसी में भर्ती कराया। यहां देर रात पूजा देवी ने दो बेटियों और एक बेटे को जन्म दिया।

डिलीवरी जीएनएम प्रेमलता और निभा भारती की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। डॉक्टरों के अनुसार, जच्चा और तीनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। एक साथ तीन बच्चों के जन्म से परिवार में हर्षोल्लास का माहौल है, वहीं यह खबर पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

इस संबंध में जीएनएम प्रेमलता ने बताया कि महिला को गुरुवार शाम अस्पताल लाया गया था और कई घंटों बाद उसने तीन बच्चों को जन्म दिया। पातेपुर पीएचसी प्रभारी डॉ. अवनी कुमार ने बताया कि जुड़वां बच्चों का जन्म अब सामान्य माना जाता है, लेकिन एक साथ तीन बच्चों का जन्म एक दुर्लभ घटना है जो हजारों में एक बार होती है। फिलहाल बच्चों की किलकारियों से पूरा परिवार खुशियों से सराबोर है और पूरे गांव में इस सुखद घटना की चर्चा हो रही है।

पशुपति पारस ने खेला पासवान कार्ड

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री पशुपति कुमार पारस ने पासवान समाज के अधिकारों छीनने का आरोप नीतीश सरकार पर लगाया है। पारस ने शुक्रवार्र को पटना के गर्दनीबाग में बिहार राज्य दफादार चौकीदार पंचायत द्वारा आयोजित धरना को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा दफादार और चौकीदार एवं पासवान समाज के अधिकारों को छीनने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चौकीदारों एवं दफादारों की नियुक्ति में पूर्व के निर्धारित नियमों एवं आरक्षण खत्म करने की साजिश रची जा रही है और सामान्य वर्ग को इन पदों पर नियुक्त करने की कोशिश हा रही है। धरना को रालोजपा संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व सांसद सूरजभान सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल, छात्र प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल यादव, दफादार और चौकीदार पंचायत के उपाध्यक्ष रामविलास पासवान, कार्यकारी अध्यक्ष जेता जहां, सचिव संत सिंह, राजेन्द्र विश्वकर्मा, महेश राय, धर्मेन्द्र सिंह, बजरंगी यादव, नवीन कुमार पासवान और लालबाबू पासवान ने संबोधित किया।

राष्ट्रीय स्तर की निविदा आमंत्रण से स्थानीय संवेदकों को मिलेगा लाभ : अशोक चौधरी

▸ पथवार निविदा प्रणाली समाप्त, प्रखंडवार पैकेज नीति लागू ▸ स्वीकृत पथों का सात वर्षों तक अनुरक्षण अनिवार्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण कार्य विभाग ने राज्य की ग्रामीण सड़क और पुल योजनाओं को मजबूती देने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया है। विभाग ने ग्लोबल टेंडर नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर की निविदा आमंत्रित की है। इससे न सिर्फ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी बल्कि स्थानीय संवेदकों और कामगारों को भी अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने सूचना भवन स्थित सभागार में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि बड़े-बड़े पैकेज बनाए गये हैं और छोटे ठेकेदारों को मौका नहीं मिलेगा, लेकिन हकीकत है कि छोटे-छोटे पैकेज बनाए गये

हैं। ताकि स्थानीय संवेदकों को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इस फैसले से न सिर्फ काम की गुणवत्ता बढ़ी है बल्कि 816.68 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इसके साथ ही विभागीय मंत्री ने कहा कि पथवार निविदा प्रणाली को समाप्त कर प्रखंडवार पैकेज नीति लागू की गई है। इससे निविदा प्रक्रिया में तेजी आयी है और कार्य आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024-25 में 14036 पथ, जिनकी लंबाई लगभग 24,480 किमी है, उसकी स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 4079 पथ जिनकी लंबाई लगभग 6484 किमी है, उसे भी मंजूरी दी गई है। विभिन्न योजनाओं के तहत अब तक कुल 1038 पैकेजों का कार्य आवंटित किया जा चुका है जिसमें 657 पैकेज मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना, 169 पैकेज मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (अवशेष) और 212 पैकेज मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत हैं। यह प्रखंडवार पैकेज तैयार कर निविदा आमंत्रित करने के कारण ही संभव हो पाया है। अगर ये निविदाएं पथवार होती तो आवंटन में आठ महीने तक का समय लग सकता था जबकि प्रखंडवार पैकेज से यही कार्य सिर्फ साढ़े तीन महीने में पूरा हो गए। इसके साथ ही मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि पैकेज नीति और नेशनल बिडिंग के फैसले के चलते राज्य के अधिकतर जिलों से पंजीकृत संवेदकों ने ही कार्य प्राप्त किया है। बिहार के बाहर झारखण्ड की 2 से 3 और उत्तर प्रदेश की 1 या 2 कंपनियों को कांट्रैक्ट मिला है। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता और स्थायित्व बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने मेंटेनेंस पॉलिसी को प्रभावी रूप से लागू किया है। स्वीकृत पथों का सात वर्षों तक अनुरक्षण अनिवार्य किया गया है। पांचवें वर्ष में फिर कालीकरण किया जाएगा। इसके तहत लगभग 70 से 75 प्रतिशत राशि पहले साल में और 25 से 30 प्रतिशत राशि अगले सात वर्षों तक खर्च होगी। निविदा प्रक्रिया को सरल, डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए सीएमबीडी लागू किया गया है। इसके तहत कोई हार्ड कॉपी निविदाकारों को कार्यालय में जमा नहीं किए जाने का प्रावधान किया गया है ताकि पारदर्शिता बनी रहे। संवेदकों के लिए रैपिड रिस्पॉन्स व्हिकल रखना अनिवार्य किया गया है ताकि सड़क में किसी भी प्रकार की खराबी को निर्धारित समय में दुरुस्त किया जा सके। इससे जनता को लगातार बेहतर गुणवत्ता वाली सड़क उपलब्ध रहेगी।

नए तरीके से अनुसंधान करने के गुर सीख रहे पुलिस पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश में नया कानून भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद पुलिस महकमा अपने पदाधिकारियों को अनुसंधान करने के नए तौर-तरीके सीख रहे हैं। ताकि निर्धारित समय में प्रभावी तरीके से सटीक अनुसंधान पूरा किया जा सके। इसके लिए सीआईडी के अधीन संचालित विशेष ट्रेनिंग सेंटर पदाधिकारियों को कानून से जुड़ी तमाम सुसंगत धाराओं पर आधारित प्रशिक्षण दे रहा है। यह जानकारी एडीजी (सीआईडी) पारसनाथ ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि अब तक 174 बैच में 3 हजार 137 पदाधिकारियों को तीन नए कानून समेत नए तरीके से अनुसंधान करने के तरीके को लेकर प्रशिक्षण दिया जा चुका है। एडीजी ने कहा कि हाल में 8 से 21 जुलाई के बीच 350 पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें डीएसपी, इंस्पेक्टर से लेकर दारोगा तक के पदाधिकारी शामिल हैं। पूरे बिहार में अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए यह खास तरह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण की सामग्री को निरंतर अपग्रेड किया जा रहा है। सबसे खास है वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी, मोबाइल डाटा, लैपटॉप से सामग्रियों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने, सीसीटीवी का सही तरीके से विश्लेषण करने के गुर सिखाया जा रहा है। डीएसपी रैंक के पदाधिकारियों की ट्रेनिंग पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। सीआईडी के डीआईजी जयंतकांत ने कहा कि पुलिस पदाधिकारियों को सीबीआई, एनआईए, आई4सी जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के पदाधिकारियों को बुलाकर प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। नए प्रावधान के तहत किसी मामले में तफ्तीश से जुड़े सभी मामले ई-साक्ष्य एप पर अपलोड करना अनिवार्य है। डिजिटल साक्ष्य जुटाने के लिए यह किया जाता है। इस पर अपलोड करने पर साक्ष्यों से छेड़छाड़ करना संभव नहीं होता है। एडीजी पारसनाथ ने कहा कि एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) को सुदृढ़ करने के लिए फॉरेंसिक लैब खासकर एफएसएल मोबाइल वैन की संख्या बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में 17 मोबाइल वैन हैं। 34 नए वैन की खरीद होने जा रही है। इसके लिए एक वैन का सैंपल टेस्ट कर लिया गया है। आने वाले कुछ दिनों में 34 वैन की खरीद होने जा रही है। एडीजी ने कहा कि राजगीर में क्षेत्रीय एफएसएल लैब शुरू हो गया है। पूर्णिया में जल्द ही ऐसा लैब शुरू होने जा रहा है। इसका निर्माण कार्य तकरीबन पूरा हो गया है। सभी एफएसएल में कर्मियों की बहाली के लिए गृह विभाग के पास नए सिरे से तैयार रोस्टर और नियमावली भेज दी गई है।

पूर्णिया में खुलेगा बिहार का तीसरा खादी मॉल, बुनकरों और कारीगरों को मिलेगा नया मंच

6.64 करोड़ की लागत से बन रहा आधुनिक खादी मॉल, जल्द होगा तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार की ओर से खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पूर्णिया जिले के भट्ठी चौक में राज्य का तीसरा खादी मॉल बन रहा है। इसकी कुल लागत 6.64 करोड़ रुपये है। यह मॉल वहां बुनकरों, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए एक मजबूत मंच साबित होगा। यह मॉल तीन मंजिला संरचना का होगा। इसका क्षेत्रफल 14 हजार 633 वर्गफुट का होगा। अब तक करीब 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसे जल्द ही जनता के लिए खोलने की योजना है। निर्माण कार्य तेजी से जारी है और जल्द पूरा हो इसलिए पूरी तैयारी की जा रही है। इसकी जानकारी विभाग ने अपने सोशल मीडिया हैंडलर एक्स पर भी सार्वजनिक की है। इस मॉल में खादी वस्त्रों के साथ-साथ हस्त निर्मित उत्पाद, ग्रामोद्योग आधारित वस्तुएं, प्राकृतिक सौंदर्य प्रसाधन, जड़ी-बूटियों से बने उत्पाद और स्थानीय शिल्पकारों की कलाकृतियां भी बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगी। इससे न सिर्फ स्थानीय उत्पादों को बाजार मिलेगा, बल्कि शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण उत्पादों की पहुंच भी बढ़ेगी। गौरतलब है कि इससे पहले पटना और मुजफ्फरपुर में दो खादी मॉल संचालित किए जा रहे हैं। पूर्णिया का खादी मॉल पूर्वी बिहार के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है जिससे आसपास के जिलों के कारीगरों को भी लाभ मिलेगा। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि खादी मॉल के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं और खादी उत्पादों की ब्रांडिंग को सशक्त बनाया जाए।

मंत्री प्रेम कुमार ने किया बिहार राज्य सहकारी बैंक की 'पिंक ब्रांच' का उद्घाटन

सहकारी बैंक की मौर्यालोक शाखा 'पिंक ब्रांच' घोषित, पूरा संचालन महिलाओं के जिम्मे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य सहकारी बैंक की मौर्यालोक शाखा को शुक्रवार को 'पिंक ब्रांच' घोषित किया गया। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने इस पहल का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है जहां शाखा का पूरा संचालन महिलाएं कर रही हैं–प्रबंधक से लेकर कैशियर और ग्राहक सेवा तक सभी जिम्मेदारियां महिला कर्मियों द्वारा निभाई जा रही हैं। कार्यक्रम में मंत्री ने बैंक प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि सरकार महिलाओं की प्रगति को लेकर

सदैव प्रतिबद्ध रही है। पहले पिंक टॉयलेट और पिंक बस की सुविधा शुरू की गई थी, अब सहकारिता विभाग ने महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाली बैंक शाखा की शुरुआत कर एक नया मानदंड स्थापित किया है। मंत्री ने इस मौके पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए डोर स्टेप बैंकिंग सेवा का शुभारंभ भी किया। इस सेवा के तहत मौर्यालोक शाखा के ग्राहक अब माइक्रो एटीएम के माध्यम से घर बैठे नकद निकासी, बैलेंस जांच, चेक बुक, फॉर्म, पे ऑर्डर सहित तमाम बैंकिंग सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान गोल्ड लोन, फिक्स्ड डिपॉजिट और ऋण के चेक विभिन्न लाभार्थियों को वितरित किए गए।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि राज्य भर में सहकारी बैंकों के विस्तार की योजना है। ताकि आम लोगों तक आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं आसानी से पहुंच सके। उन्होंने सहकारी बैंकों के आधुनिकीकरण के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मंत्री ने राज्यवासियों से अपील की कि वे सहकारी बैंकों से जुड़ें और सुरक्षित, आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाकर राज्य के विकास में भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि डोर स्टेप बैंकिंग सेवा से वरिष्ठ नागरिकों को बैंक तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी, सभी सुविधाएं उनके दरवाजे पर उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में निबंधक, सहयोग समितियां अंशुल अग्रवाल, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक विनय कुमार सिंह, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक गगन, मौर्यालोक शाखा प्रबंधक अपेक्षा रॉय सहित कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

राजेश राम ने मतदाता पुनरीक्षण की खामियों पर जारी किया कैंपेन वीडियो

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में बिहार कांग्रेस ने चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के नाम पर चलाए जा रहे विशेष गहन अभियान की खामियों और भाजपा के मददगार बनने का आरोप लगाते हुए वीडियो संप्रेषण अभियान शुरू किया जिससे आम मतदाताओं तक चुनाव आयोग की खामियों और कुत्सित मंशा को पहुंचाने का काम बिहार कांग्रेस डिजिटल माध्यम से करेगी। कैंपेन वीडियो को संवाददाता सम्मेलन में लॉन्च करते हुए बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रही है और जब सरकार की नाकामियों के कारण आधा बिहार बाढ़ और बाकी पलायन का दंश झेलने को मजबूर है ऐसे में गहन पुनरीक्षण छलावा है। लगातार सदन से लेकर सड़क तक कांग्रेस पार्टी ने और उसके इंडिया गठबंधन से जुड़े सभी दलों ने संयुक्त रूप से विरोध दर्ज किया, लेकिन चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर बिहार में उसे चुनावी लाभ के लिए लगातार इस प्रक्रिया को संचालित करती रही जिन ग्यारह कागजातों की मांग की जा रही थी और जिनमें सबसे महत्वपूर्ण आधार और मतदाता कार्ड को अलग रखा गया वो चुनाव आयोग की मंशा स्पष्ट करने के लिए काफी थी।

बिहार के प्रिंटिंग प्रेस उद्योग पर संकट, भारतीय लोकमंच करेगा हस्तक्षेप : कुणाल सिकंद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के मुद्रक एवं पेपर व्यवसाय से जुड़े हजारों सूक्ष्म एवं लघु उद्योग संचालकों ने राज्य सरकार की नीतियों पर गहरी नाराजगी जताई है। शुक्रवार को पटना में भारतीय लोकमंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष साधु शरण पांडे और राष्ट्रीय प्रधान महासचिव एवं अभिनेता कुणाल सिकंद से इस व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और अपनी समस्याएं साझा कीं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रामा शंकर मोदी ने किया। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि पहले राज्य के विद्यालयों की सावधिक परीक्षाओं की प्रश्न-पत्र, उत्तर पुस्तिका, ओएमआर शीट और डायरी जैसी सामग्री की छपाई स्थानीय प्रेसों को दी जाती थी जिससे राज्य के हजारों छोटे प्रेस और उनसे जुड़े लाखों परिवारों को रोजगार मिलता

था। लेकिन वर्ष 2023 में राज्य सरकार ने यह कार्य बिहार बोर्ड को स्थानांतरित कर दिया और अधिकांश ठेके बिहार से बाहर के उद्योगपतियों को दे दिए जिससे बिहार के स्थानीय मुद्रकों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि राज्य सरकार की मुफ्त कॉपी वितरण योजना से भी स्थानीय व्यापार पर चोट पहुंची है। छात्रों को दी जाने वाली ये कॉपियां बिहार के बाहर से मंगवाई जा रही है जबकि राज्य के भीतर ही पर्याप्त संसाधन और क्षमताएं मौजूद हैं। इससे न केवल सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाइयों को नुकसान हो रहा है, बल्कि बिहार को आर्थिक दृष्टि से भी बड़ा नुकसान झेलना पड़ रहा है। कुणाल सिकंद ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक औद्योगिक संकट नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका का सवाल है। बिहार के पास खुद छपाई और निर्माण की पूरी क्षमता है, फिर भी सरकार का रुझान बाहर के उद्योगपतियों की ओर क्यों? उन्होंने बताया कि लोकमंच ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह को पत्र भेजकर इस नीति की समीक्षा की मांग की है। साधु शरण पांडे ने भी संगठन को आश्वस्त किया कि जब तक मुद्रक एवं पेपर व्यवसाय से जुड़े लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता, भारतीय लोकमंच उनके साथ खड़ा रहेगा। हम मुख्यमंत्री से जल्द ही इस विषय पर बात करेंगे और सरकार पर दबाव बनाएंगे कि स्थानीय उद्योगों को संरक्षण दिया जाए। उन्होंने इसे बिहार के स्वाभिमान और स्वावलंबन से जुड़ा मुद्दा बताया और कहा कि लोकमंच इसे राज्यभर में जन-आंदोलन का रूप देने के लिए तैयार है। इस मौके पर समाजसेवी अनिल मेहता भी उपस्थित थे। प्रेस प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

पीपीयू ने स्नातक में नामांकन का दिया एक और मौका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में स्नातक नियमित सत्र 2025-29 के वैसे विद्यार्थी जो विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी मेधा सूची में नामांकन से वंचित रह गए हैं। इसके अलावा किसी भी मेधा सूची में उनका चयन नहीं हो सका है। उन्हें एक और मौका विश्वविद्यालय ने मापअप राउंड के अन्तर्गत नामांकन के लिए दिया है। इनका मेधा सूची 28 जुलाई को जारी किया जाएगा जिसकी नामांकन वैलिडेशन की अन्तिम तिथि 30 जुलाई तक है। कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि वैसे छात्र-छात्राएं जो किंही कारणों से अब तक दाखिला नहीं ले सके थे। इन्हें एक मौका दिया गया है। इस बार नामांकन की प्रक्रिया पूरी पारदर्शी तरीके से चल रही है। किसी कॉलेजों को दाखिले में समस्या नहीं हो रही है। छात्रों को भी हर तरह की सुविधाएं नामांकन में दी जा रही है। केन्द्रीयकृत नामांकन होने से छात्रों को राहत मिली है। शहरी कॉलेजों में सीटें भर चुकी हैं। उन्हीं कोर्सों में कम नामांकन हुए हैं जिनमें छात्रों का रुझान नहीं है। विश्वविद्यालय के डीन प्रो राजीव रंजन ने बताया कि वैसे छात्र जिनका नामांकन पूर्व के मेधा सूची के अनुसार हो चुका है। यदि भविष्य में उनके मूल अंक पत्र से मिलान के क्रम में भिन्नता पायी जाती है तो उनका नामांकन स्वतः रद्द हो जाएगा। अब तक 62 हजार से अधिक नामांकन हो चुका है। इसमें अल्पसंख्यक कॉलेजों के नामांकन की संख्या नहीं जोड़ी गई है। इस संख्या को जोड़ने पर आंकड़ा 75 हजार के करीब हो जाएगा।

इंदिरा आइवीएफ पटना में भ्रूण वैज्ञानिक दिवस का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इंदिरा आइवीएफ पटना में विश्व आइवीएफ दिवस और भ्रूण वैज्ञानिक दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिन दुनिया की पहली टेस्ट ट्यूब बेबी लुइस ब्राउन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है जिसने निःसंतानता के इलाज में एक नई क्रांति की शुरुआत की थी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जेडीयू एजुकेशन सेल के राज्य उपाध्यक्ष रणधीर कुमार मिश्रा और यूथ हॉस्टल्स

एसोसिएशन बिहार के राज्य उपाध्यक्ष सुधीर मधुकर शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इंदिरा आइवीएफ के सीनियर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं बिहार हेड डॉ. दयानिधि कुमार ने आइवीएफ के इतिहास, तकनीकी प्रक्रिया एवं समाज में इसके बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. सुनिता कुमारी (क्लिनिकल हेड), डॉ. रीना रानी (इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट) और डॉ. ऋतिका प्रकाश (फीटल मेडिसिन एक्सपर्ट) ने अतिथियों का स्वागत किया और आइवीएफ के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अशोक वृक्ष में जल अर्पण कर की गई। इसके बाद आइवीएफ मरीजों को पौधे वितरित किए गए और आइवीएफ बेबीज को उपहार भेंट किए गए।

सल्फर का दाम घटाकर आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहा बिहार राज्य बीज निगम : संयुक्त किसान मोर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। संयुक्त किसान मोर्चा के बयान का असर यह हुआ कि बिहार बीज निगम ने सल्फर का दाम 430 रु. से घटाकर 86 रु. किलो किया। केंद्र सरकार की सोयाबीन प्रत्यक्षण योजना में बिहार राज्य बीज निगम एवं सप्लायर के मेल से हो रहे इस महाघोटाले के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा दिए गए बयान का प्रभाव यह हुआ कि 23 जुलाई 2025 को बीज निगम के द्वारा जिस 90% सल्फर के 1 किलो का दाम 430 रु. बिल पर लिखा जा रहा था। आज उस बिल पर सल्फर का दाम घटकर 86 रु. किलो लिखा जाने लगा। दोनों बिल हम प्रेस को दे रहे हैं। मगर दुख है कि सोयाबीन बीज, पीएसबी एवं ट्राकोडर्मा जिसकी कोई प्रमाणिकता नहीं है, की कीमत अभी तक नहीं घटा है। एक सल्फर का दाम घटाकर लोगों के आंखों में धूल झोंकने का काम बिहार राज्य बीज निगम कर रही है। संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार के नेता अशोक प्रसाद सिंह, दिनेश कुमार, अमेरिका महतो, भूप नारायण सिंह, प्रोफेसर आनंद किशोर, अशोक कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, हरी लाल यादव, नरेश यादव, आशीष रंजन, गोपाल कृष्ण, रमेश प्रसाद यादव, भोला यादव, रामचंद्र आजाद, कल्लू सिंह, देव कुमार यादव, पशुपति सिंह, विकास कुमार ने संयुक्त बयान जारी कर बिहार सरकार से मांग किया है कि 86 रू. के बदले 430 रु. जो सल्फर का दाम लिया जा रहा था।

दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल में कंटूरा विजन लेसिक की बड़ी उपलब्धि, तीन सौ सफल ऑपरेशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल ने चश्मा हटाने की अत्याधुनिक तकनीक कंटूरा विजन लेसिक लेजर सर्जरी के 300 सफल ऑपरेशन पूरे कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर अस्पताल की निदेशक एवं प्रसिद्ध कैटरेक्ट और रिफ्रैक्टिव सर्जन डॉ. बंदना तिवारी ने बताया कि अस्पताल में विश्वस्तरीय एलकॉन की वेवलाइट इएक्स 500 मशीन का उपयोग किया जाता है जिससे चश्मे का नंबर बेहद सुरक्षित और सटीक तरीके से

हटाया जा सकता है। डॉ. तिवारी ने आगे बताया कि कंटूरा विजन के अलावा अस्पताल में चश्मा हटाने की अन्य उन्नत पद्धतियां जैसे इम्प्लांटेबल कॉन्टैक्ट लेंस और क्लियर लेंस एक्सचेंज भी उपलब्ध हैं। अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी ने कहा कि दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल में आंखों की जटिल बीमारियों के निदान और उपचार के लिए अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध है। यहां रेटिना, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी गंभीर समस्याओं का भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा उन्नत उपकरणों से सफल इलाज किया जाता है।

ध्वनि प्रदूषण के प्रति जन-सामान्य में जागरुकता फैलाने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शहर की बढ़ती आबादी के अनुरूप सड़कों पर पेट्रोल, डीजल चालित वाहनों की बढ़ती संख्या, निर्माण कार्यों में प्रयुक्त निर्माण संयंत्रों, औद्योगिक गतिविधियों अन्य यांत्रिक उपकरणों, विभिन्न अवसर पर लाउडस्पीकर, लोक संबोधन प्रणाली, डी.जे. इत्यादि के अनियंत्रित उपयोग से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण के प्रति जन-सामान्य में जागरुकता अभिवर्धित करने का निर्णय लिया गया है। इस उद्देश्य से 26 जुलाई से पटना शहर को 4 प्रक्षेत्रों में बांट कर 8 दिनों तक इ-रिक्शा के माध्यम से ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरुकता संबंधी फ्लैक्स आच्छादित 4 इ-रिक्शा का परिचालन कराया जायेगा जिसमें निम्नांकित महत्वपूर्ण बिन्दुओं को दर्शाया गया है। विहित प्राधिकार की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर/ लोक संबोधन प्रणाली का उपयोग वर्जित है। रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लाउडस्पीकर, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली, ध्वनि उत्सर्जक उपकरणों प्रणाली, ध्वनि उत्सर्जक उपकरणों का उपयोग वर्जित है। रात्रि एवं शांत क्षेत्रों यथा- न्यायालयों, चिकित्सालयों, शैक्षणिक संस्थाओं, आवासीय क्षेत्रों एवं अन्य संवेदनशील प्रक्षेत्रों यथा- सचिवालय, विधानमंडल, राज भवन, जैविक उद्यान आदि के 100 मीटर के दायरे में शोर उत्पन्न करने वाले पटाखे, हॉर्न एवं निर्माण संयंत्रों का उपयोग वर्णित है।

इएसआइसी क्षेत्रीय कार्यालय ने किया सेमिनार का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इएसआइसी क्षेत्रीय कार्यालय, बिहार द्वारा बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री में इएसआइसी द्वारा हाल ही में लांच स्प्री (नियोक्ता/कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना) योजना के विषय में सेमिनार का आयोजन किया। यह सेमिनार इएसआइसी के बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें बिहार क्षेत्र के बड़े नियोक्ता व औद्योगिक संस्थान के प्रतिनिधि शामिल हुए। स्प्री (नियोक्ताओं/कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना) इएसआइसी द्वारा शुरू की

गई एक विशेष पहल है, जो 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक नियोक्ताओं को उनकी फैक्ट्री/प्रतिष्ठानों और सभी पात्र कर्मचारियों को बिना पिछले अवधि के बकाया की मांग के पंजीकृत करने के लिए अवसर प्रदान करती है। इस योजना के तहत पंजीकरण करने पर पूर्व अवधि के लिए किसी भी बकाया राशि की मांग या जांच नहीं की जाएगी। यह योजना उन अपंजीकृत संस्थानों/नियोक्ताओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जिनके पास 10 या अधिक कर्मचारी हैं। जैसे कि दुकानें, होटल, रेस्तरां, सिनेमा हॉल, सड़क परिवहन प्रतिष्ठान, समाचार पत्र प्रतिष्ठान, निजी चिकित्सा संस्थान, शैक्षणिक संस्थान और नगर निगमों के संविदा/अस्थायी कर्मचारी।

पीएमओ से शिष्टमण्डल वार्ता करेगा नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में वृद्धापेंशन बढ़ने से उत्साहित नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन अब रेल किराया छूट बहाली के लिए केंद्र सरकार के साथ आंदोलन तेज करेगा। स्थानीय एनिवेसेन्ट रोड स्थित सीएफटीयूआई कार्यालय में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माया पांडेय की अध्यक्षता में कोर कमिटी की बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाई गई। राष्ट्रीय महासचिव रामायण पांडेय एलौन ने कहा कि इसके लिए विगत 7 जुलाई को हमने 12वीं बार प्रधानमंत्री कार्यालय एवं रेल मंत्रालय से पत्राचार किया गया था जिसका जवाब देते हुए रेल मंत्रालय पैसेंजर मार्केटिंग के निदेशक शिवेंद्र शुक्ला द्वारा सभी यात्रियों को 55 प्रतिशत सब्सिडी देने का पुरानी जुमलों को दुहराते हुए बुजुर्गों का छूट बहाल करने से मना कर दिया गया है।

सड़क चौड़ीकरण के लिए अब वन भूमि उपयोग करने से पहले पर्यावरण विभाग की अनुमति अनिवार्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं के तहत वन भूमि का उपयोग करने को लेकर अहम निर्णय लिया है। विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा की अध्यक्षता में पटना के अरण्य भवन में आयोजित बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि सड़क निर्माण परियोजनाओं में वृक्षों की गणना और संयुक्त स्थलीय निरीक्षण का कार्य पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत वन भूमि के गलत उपयोग के क्रम में जिन मामलों में समतुल्य गैर वन भूमि आवश्यक है। इन मामलों में पथ निर्माण विभाग की ओर से प्राथमिकता के आधार पर जरूरी समतुल्य गैर वन भूमि चिह्नित कर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। विभिन्न एजेंसियों की ओर से राज्य में पथों के किनारे रिटेल ऑउटलेट का निर्माण किया जा रहा है। रिटेल ऑउटलेट के मालिकों को अधिसूचित सुरक्षित वन घोषित पथों के किनारे पहुंच पथ निर्माण के लिए विभाग से भी वन संरक्षण अधिनियम 80 के तहत अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होता है।

संपादकीय

सिस्टम पर सवाल

'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की थी। दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ चिंता भी पैदा करता है। दोषी कौन- 11 जुलाई 2006 को सिलसिलेवार ढंग से हुए बम धमाकों में 187 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 824 घायल हुए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले से 19 साल बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

शर्मनाक लापरवाही- हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ीं, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही बरती गई। यह भी शर्मनाक है कि आरोपियों को टॉर्चर किया गया।

निचली अदालतों पर सवाल- 12 लोग इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी जीते रहे। जेल में वो लोग थे, लेकिन उनके साथ सजा पूरे परिवार ने भुगती। यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। और यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो।

सुप्रीम कोर्ट का सुझाव- कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए।

ताकि भरोसा बना रहे- महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं।

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान–सम्मान पर बेजा टीका–टिप्पिणयां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष–विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के

संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता।

विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं? इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अपाचे हेलिकॉप्टर की सेना में एंट्री, भारत की रक्षा शक्ति में जुड़ा नया अध्याय

(नीरज कुमार दुबे)

अपाचे की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि यह हेलिकॉप्टर दिन और रात, किसी भी मौसम में ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें हेलफायर मिसाइल, 70 मिमी रॉकेट्स और 30 मिमी की ऑटोमैटिक गन लगी होती है, जो इसे दुश्मन की मिसाइलों से बचाती है। भारतीय सेना को कैसे मिलेगा लाभ यदि इसके बारे में बात करें तो आपको बता दें कि इसके आने से दुर्गम पहाड़ी इलाकों में तेजी से तैनाती और आक्रमण क्षमता बढ़ेगी। आतंकवाद और घुसपैठ विरोधी अभियानों में मजबूती मिलेगी तथा स्वदेशी

अमेरिका द्वारा निर्मित यह हेलिकॉप्टर अब भारतीय थलसेना के पास भी होगा। पहले अपाचे हेलिकॉप्टर केवल भारतीय वायुसेना के बेड़े में थे, लेकिन अब इन्हें सेना को भी सौंपा जा रहा है, जिससे जमीनी अभियानों में जबरदस्त बढ़त मिलेगी।

जो इसे अत्यंत मारक बनाती है।

भारतीय सशस्त्र बलों में इन दिनों दो महत्वपूर्ण घटनाएं घट रही हैं– एक ओर अत्याधुनिक अपाचे ॅ॥-64श्व अटैक हेलिकॉप्टर सेना में शामिल हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक लंबा इतिहास समेटे मिग-21 फाइटर जेट भारतीय वायुसेना से टैंक रेजिमेंट्स के साथ संयुक्त ऑपरेशन की क्षमता बढ़ेगी।

वहीं अगर मिग-21 की बात करें तो आपको बता दें कि यह भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान था। इसे वर्ष 1963 में सोवियत संघ से आयात किया गया था। एक समय ऐसा था जब

विदाई ले रहा है। ये दोनों घटनाएं भारतीय रक्षा क्षमताओं में बदलाव का प्रतीक हैं और भविष्य की रणनीतिक दिशा को दर्शाती हैं। हम आपको बता दें कि अपाचे ॅ॥-64श्व विश्व के सबसे आधुनिक और प्रभावशाली अटैक हेलिकॉप्टरों में से एक है। अमेरिका द्वारा निर्मित यह हेलिकॉप्टर अब भारतीय थलसेना के पास भी होगा। पहले अपाचे हेलिकॉप्टर केवल भारतीय वायुसेना के बेड़े में थे, लेकिन अब इन्हें सेना को भी सौंपा जा रहा है, जिससे जमीनी अभियानों में जबरदस्त बढ़त मिलेगी।

अपाचे की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि यह हेलिकॉप्टर दिन और रात, किसी भी मौसम में ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें हेलफायर मिसाइल, 70 मिमी रॉकेट्स और 30 मिमी की ऑटोमैटिक गन लगी होती है, जो इसे अत्यंत मारक बनाती है। साथ ही अपाचे हेलिकॉप्टर ड्रोन और अन्य विमानों से जुड़कर एकीकृत ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें उन्नत रडार, नाइट विज़न और आत्मरक्षा प्रणाली होती है भारतीय वायुसेना के अधिकांश फाइटर स्क्वाड्रन मिग-21 पर ही आधारित थे। इसकी प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र करें तो आपको बता दें कि 1971 के भारत-पाक युद्ध में मिग-21 ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा कारगिल युद्ध और बालाकोट स्ट्राइक जैसे अभियानों में भी इसका उपयोग हुआ था।

हम आपको यह भी बता दें कि बीते दशकों में मिग-21 को 'फ्लाइंग कॉफिन' और 'विधवा बनाने वाला' भी कहा गया, क्योंकि इसमें तकनीकी खामियों और रख-रखाव की जटिलताओं के कारण कई दुर्घटनाएँ हुईं। अब जब यह 60 वर्षों की सेवा के बाद रिटायर हो रहा है, तो यह एक युग के अंत की तरह है।

अब सवाल उठता है कि मिग-21 के बाद कौन लेगा इसकी जगह? तो इसके जवाब में हम आपको बता दें कि भारतीय वायुसेना अब पुराने विमानों की जगह नई पीढ़ी के फाइटर जेट्स ला रही है। इसमें सबसे पहला नाम तेजस का है।

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता- नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

पीयूष गोयल

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुन:स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की ÷पाँच कमजोर÷ अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोज़गार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाज़ार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाज़ार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोज़गार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमज़ोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकासङ्कभारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे।

झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वार्तालाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

संक्षिप्त समाचार

स्कूल से 21 पैकेट चावल चोरी, एमडीएम बाधित

इसुआपुर (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय अगौथर नंदा में गुरुवार की रात मिड-डे मील स्टॉक रूम से 21 पैकेट चावल की चोरी हो गई। शुक्रवार सुबह जब प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित कुमार पांडेय विद्यालय पहुंचे तो स्टॉक रूम का ताला टूटा मिला। जांच के दौरान चावल गायब पाया गया। मामले की सूचना पुलिस इमरजेंसी सेवा 112 को दी गई और इसुआपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। चोरी के कारण विद्यालय में एमडीएम कार्यक्रम प्रभावित हुआ है।

कालाजार नियंत्रण हेतु दवा छिड़काव शुरू

इसुआपुर (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के 10 चिन्हित गांवों में कालाजार नियंत्रण हेतु सिंथेटिक पायरेथेरायड दवा का छिड़काव अभियान शुरू कर दिया गया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तुलिका कुमारी ने बताया कि यह दवा बालू मक्खी से फैलने वाली बीमारी कालाजार के रोकथाम के लिए प्रभावी है। छिड़काव अभियान 21 जुलाई से शुरू होकर 43 कार्य दिवस तक चलेगा। इसकी शुरूआत प्यारेपुर गांव से की गई है। अन्य प्रभावित गांवों में सहवां, नवादा, अगौथर सुंदर, डटरा, रामपुर अटौली, आतानगर, महुली, छपियां भी शामिल हैं।

मानव तस्करी व बाल अधिकारों पर जागरूकता अभियान

मशरक (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शवप्रखंड के चैनपुर चरिहारा स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में नारायणी सेवा संस्थान द्वारा मानव तस्करी और बाल अधिकारों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व अखिलेंद्र सिंह ने किया। यह अभियान विश्व मानव दुव्यापार विरोधी पखवाड़ा (15 से 30 जुलाई) के तहत चलाया जा रहा है। अभियान में छात्र-छात्राओं को बताया गया कि मानव तस्करी एक संगठित अपराध है, जिसमें पीड़ितों को जबरन श्रम, यौन शोषण और दासता के लिए मजबूर किया जाता है। मौके पर टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी गई ताकि जरूरत पड़ने पर पीड़ित सीधे संपर्क कर सकें।

विभिन्न मामलों के 13 अभियुक्त गिरफ्तार

बगहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुलिस जिला अंतर्गत पुलिस ने 24 घंटा में विभिन्न कांडों में 13 अभियुक्तों की गिरफ्तारी कि है । इस दौरान पुलिस ने 75 वारंटो का निष्पादन किया है। अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज के दिशानिर्देश में चलाए गये वाहन जांच अभियान में यातायात समेत विभिन्न धारा की पुलिस ने 1 लाख 28 हजार 500 रुपयों का जुर्माना कुल 497 वाहनों के जांच के उपरांत लगाया है । इसके साथ ही पुलिस ने 58 लीटर यूपी निर्मित बंटी बबली देशी शराब बरामद किया है।एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि गैर सामाजिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए जिले में लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों के गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है । शराब कारोबारी व शराबियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस निरंतर अभियान चला रही है ।

आधुनिक जीवनशैली में साज-सज्जा की अहमियत

मझौलिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्थानीय गुरचुरवा में राजू शर्मा के दूसरे प्रतिष्ठान आदर्श फूल भंडार का उद्घाटन गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एस.टी. नबी, डॉ. आर. कुमार अनुपम, डॉ. शहजाद आलम और डॉ. संजय कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया।इस अवसर पर डॉ.एस.टी.नबी ने कहा कि आज के समय में डेकोरेशन जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। विवाह,धार्मिक कार्यक्रमों, त्योहारों एवं सामाजिक आयोजनों में साज-सज्जा की बढ़ती मांग के कारण यह व्यवसाय युवाओं के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग बन सकता है।प्रतिष्ठान संचालक राजेश शर्मा ने बताया कि वह प्राकृतिक फूलों की खेती के साथ डेकोरेशन सेवा जैसे स्टेज, मड़वा, वरमाला,गाड़ी और धार्मिक स्थल की सजावट आधुनिक तरीके से उपलब्ध करा रहे हैं।इस मौके पर आचार्य बिंदेश्वरी तिवारी द्वारा वैदिक विधि से पूजन कराया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग,पत्रकार, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरओ-एआरओ परीक्षा के लिए चलेगी विशेष ट्रेन

छपरा/वाराणसी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई को आयोजित आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी) परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा एक दिवसीय परीक्षा विशेष गाड़ी चलाई जा रही है। यह ट्रेन 26 जुलाई को बनारस से कानपुर सेंट्रल के लिए एकल यात्रा के रूप में संचालित होगी। बताया गया है कि ट्रेन संख्या 05187 बनारस से शाम 6:00 बजे प्रस्थान करेगी और हरदत्तपुर (18:12), राजातालाब (18:20), माधोसिंह (18:40), ज्ञानपुर रोड (19:00), हंडिया खास (19:25), झूंसी (20:10), प्रयागराज रामबाग (20:32), प्रयागराज (20:52), फतेहपुर (22:15) होते हुए रात 11:40 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। रेलवे प्रशासन ने बताया कि यह ट्रेन 8 मेमू रेक के साथ चलेगी और परीक्षा में शामिल हो रहे अभ्यर्थियों के लिए विशेष रूप से संचालित की गई है। आवश्यकता पड़ने पर वापसी के लिए भी खाली रेक को विशेष गाड़ी के रूप में चलाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि परीक्षा 27 जुलाई को सुबह 9:30 से दोपहर 12:30 बजे तक पूरे प्रदेश के सभी जिलों में एक ही पाली में आयोजित होगी। इसकी जानकारी वाराणसी रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

सरोवर होटल्स ने काठमांडू में रॉयल ट्यूलिप के उद्घाटन के साथ साउथ एशिया पोर्टफोलियो का विस्तार किया

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरोवर होटल्स, जो भारत की अग्रणी होटल प्रबंधन कंपनियों में से एक है और लूवर होटल्स समूह का हिस्सा है, गर्व से रॉयल ट्यूलिप काठमांडू के उद्घाटन की घोषणा करता है। नेपाल का पहला रॉयल ट्यूलिप, और एक ऐतिहासिक संपत्ति जो देश का सबसे बड़ा होटल और राजधानी शहर में सबसे विशाल टक्ठए गंतव्य बनने के लिए तैयार है। द मैसिफ होटल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित, यह प्रतिष्ठित परियोजना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित रॉयल ट्यूलिप ब्रांड को काठमांडू में पेश करती है, जिसमें 5-स्टार लग्जरी हॉस्पीटेलिटी का मेल नेपाल की सांस्कृतिक विरासत से कराएगा। लूवर होटल्स ग्रुप के प्रीमियम ब्रांड पोर्टफोलियो के हिस्से के रूप में रॉयल ट्यूलिप, नफासत, उच्चस्तरीय सुविधाओं और सर्विस के ग्लोबल

मानकों के जरिए पहचान बनायी है। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से केवल 3.5 किमी दूर, रिंग रोड पर स्थित, रॉयल ट्यूलिप काठमांडू में 308 कमरे और सुइट्स हैं, जो इसे कमरों की संख्या के हिसाब से नेपाल का सबसे बड़ा होटल बनाता है। व्यावसायिक और अवकाश यात्रियों, दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया। यह होटल आधुनिक आवास सुख-सुविधाओं के साथ एक सहज अतिथि अनुभव के साथ प्रदान करता है। सरोवर होटल्स के अध्यक्ष और लूवर होटल्स इंडिया के निदेशक, अजय के. बकाया ने कहाः "रॉयल ट्यूलिप काठमांडू दक्षिण एशिया में हमारे ब्रांड के विकास की एक सशक्त अभिव्यक्ति है। यह न केवल नेपाल में अब तक का हमारा सबसे बड़ा उद्घाटन है, बल्कि उभरते वैश्विक शहरों में उच्च-गुणवत्ता वाले आतिथ्य और बड़े-प्रारूप वाले आयोजन स्थलों की बढ़ती माँग के प्रति एक रणनीतिक प्रतिक्रिया भी है। यह संपत्ति एक तेज-विकासशील बाजार में हमारी उपस्थिति को मजबूत करती है और अप्रयुक्त क्षमता वाले गंतव्यों में अंतर्राष्ट्रीय आतिथ्य मानकों को लाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए द मैसिफ होटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं।" द मैसिफ होटल प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष, राजेंद्र शाक्य ने कहाः "हमें रॉयल ट्यूलिप काठमांडू के द्वार खोलते हुए खुशी हो रही है, यह एक ऐसी परियोजना है जो नेपाल के आतिथ्य परिदृश्य को बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। सबसे बड़ी कमरों की सूची और शहर की सबसे व्यापक आयोजन सुविधाओं के साथ, यह होटल आराम, सेवा और पैमाने के मामले में नए मानक स्थापित करेगा।" रॉयल ट्यूलिप काठमांडू ने शहर में टक्ठए इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज कराते हुए, शहर में सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर, 30,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल से अधिक इवेंट स्पेस उपलब्ध कराया है। इसमें दो शानदार बैंक्वेट हॉल, जिनमें प्रत्येक 11,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में है, और अतिरिक्त मीटिंग रूम तथा ब्रेकआउट एरिया हैं, जिनके चलते यह होटल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, डेस्टिनेशन वैडिंग, एग्जीबिशन और बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले कार्पोरेट बैठकों के लिए आदर्श डेस्टिनेशन साबित होगा। होटल शुरूआत में 104 चाबियों के साथ काम करेगा और इसने दो बेहतरीन एफ एंड बी आउटलेट भी खोले हैं। खूबसूरत, पूरे दिन खुला रहने वाला भोजनालय, ललितपुर कैफे, एक स्वागत योग्य जगह है जहाँ हर भोजन एक खास मौके जैसा लगता है। प्राकृतिक रोशनी और गर्मजोशी भरे आतिथ्य से भरपूर, यह आराम करने, जुड़ने और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने के लिए एक आदर्श जगह है। इसी तरह, द अल्पाइन लाउंज एंड बार एक परिष्कृत जगह है जहाँ मेहमान हाथ से बने कॉकटेल, बढ़िया वाइन और प्रीमियम स्पिरिट के साथ लाइव संगीत और एक आकर्षक माहौल का आनंद ले सकते हैं। इस ऐतिहासिक उद्घाटन के साथ, लूवर होटल्स समूह अपने दक्षिण एशिया पोर्टफोलियो को और मजबूत कर रहा है, जिससे नेपाल जैसे गतिशील और उच्च-विकासशील बाजारों में प्रीमियम आतिथ्य अनुभव प्रदान करने के हमारे दृष्टिकोण को बल मिला है।

यूजर चार्ज नहीं दिया तो घर से कचरा नहीं उठाएगा निगम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रमुख संवाददाता शहर की सफाई के खर्चे से आर्थिक दबाव झेल रहा नगर निगम अब यूजर चार्ज में सख्ती करने की तैयारी कर रहा है। नगर निगम क्षेत्र के प्रतिष्ठान, अपार्टमेंट व आमलोग यूजर चार्ज नहीं दे रहे हैं। नगर आयुक्त ने ठोस कचरा प्रबंधन के तहत कचरा उठाने वाली कंपनी रेमकी को निर्देश दिया कि जो यूजर चार्ज नहीं दे रहे हैं, उनका कचरा उठाव बंद करें। गुरुवार को ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर नगर आयुक्त, धनबाद के अध्यक्षता में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में यह निर्देशित किया गया।

नगर आयुक्त ने कहा कि निगम क्षेत्र में अनेक प्रतिष्ठान, अपार्टमेंट एवं घरों में रहनेवाले लोग यूजर चार्ज के भुगतान में रुचि नहीं ले रहे हैं, जो कि संबंधित नियमावली का स्पष्ट उल्लंघन है। जो भी यूजर चार्ज नहीं दे रहे हैं, उनके यहां कचरा उठाव बंद करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही अगर सार्वजनिक स्थानों पर अगर कचरा फेंका हुआ पाया गया तो उसके सामने घर, ऑफिस, दुकान को जिम्मेवार माना जाएगा और उससे जुमार्ना वसूला जाएगा। केबल ऑपरेटरों को तार व्यवस्थित करने का निर्देश शहर में केबल ऑपरेटरों को अव्यवस्थित तरीके से शहर में फैले तार को समटने का निर्देश नगर आयुक्त ने दिया। कई केबल ऑपरेटरों ने सड़क, गलियों एवं भवनों के आसपास झुरमुट रूप में तार को अव्यवस्थित तरीके से लगाया है, जिससे न केवल शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि यह नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रहा है। निर्धारित समय सीमा के बाद यदि कहीं भी तार अव्यवस्थित, लटकते या झुरमुट के रूप में पाए गए तो नगर निगम द्वारा तारों को काटकर हटाया जाएगा तथा संबंधित केबल ऑपरेटर के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

सफाई के लिए किसे-कितना देना होगा चार्ज आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवास से 20 रुपए, एलआईजी 40, एमआईजी 60, एचआईजी 80, होटल गेस्ट हाउस 1000-15000, ढाबे से 350, धर्मशाला से 800, रेस्टोरेंट से 1500, बेकरी-फूड आउटलेट 1000, मिठाई दुकान 1000, फास्ट फूड दुकान 500, ठेला-खोमचे 200, पान-चाय दुकान 100, किरायेदार 60, शॉपिंग कॉम्पलेक्स 2000 से 10,000, लॉज से 5000, सिनेमाघर 5000, हॉलसेल दुकान 1500, मेन मार्केट की दुकान 1000, स्ट्रीट शॉप 250, गोदाम 1500, सब्जी-फल दुकान 200, बिना बेड वाला डिस्पेंसरी 400, बेड वाला अस्पताल 5-20 हजार, स्कूल, कोचिंग और कॉलेज 200, गैर सरकारी से 1000 और मैरेज हॉल से 2500 से 5000 वसूले जाएंगे।

दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल में कंटूरा विजन लेसिक की बड़ी उपलब्धि : 300 सफल ऑपरेशन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल ने चश्मा हटाने की अत्याधुनिक तकनीक कंटूरा विजन लेसिक लेजर सर्जरी के 300 सफल ऑपरेशन पूरे कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर अस्पताल की निदेशक एवं प्रसिद्ध कैटरेक्ट और रिफ्रैक्टिव सर्जन डॉ. बंदना तिवारी ने बताया कि अस्पताल में विश्वस्तरीय एलकॉन की Wavelight EX 500 मशीन का उपयोग किया जाता है, जिससे चश्मे का नंबर बेहद सुरक्षित और सटीक तरीके से हटाया जा सकता है। डॉ. तिवारी ने आगे बताया कि कंटूरा विजन के अलावा अस्पताल में चश्मा हटाने की अन्य उन्नत पद्धतियां जैसे ICL (इम्प्लांटेबल कॉन्टैक्ट लेंस) और CLE (क्लियर लेंस एक्सचेंज) भी

उपलब्ध हैं। इन विधियों की मदद से हाई पावर वाले नंबर या जिन मरीजों के लिए लेसिक संभव नहीं है, उनके लिए भी समाधान संभव हो पाता है। अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी ने कहा कि दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल में आंखों की जटिल बीमारियों के निदान और उपचार के लिए अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध है। यहां रेटिना, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी गंभीर समस्याओं का भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा उन्नत उपकरणों से सफल इलाज किया जाता है। दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल अपनी विश्वसनीय सेवा और आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से मरीजों को स्पष्ट दृष्टि और बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है।

सिरिसिया में सुखे चापाकल, बंद नलजल को लेकर विरोध प्रदर्शन

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रखंड के सोमगढ़ पंचायत अंतर्गत सिरिसिया वार्ड संख्या चार में कई चापाकल से पानी नही आ रहा है। पानी नही आने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गयी है। वही नलजल की व्यवस्था भी बंद पड़ी है। भीषण गर्मी में जल संकट को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय कमरुल शर्मा, जवाहिर शर्मा, गुड्डू आलम, सेराजुद्दीन, बदरू जमा, अमिल अख्तर, सऊद आलम,असलम शेख, नजरे आलम, इमामुल हक, नसीम आलम, शेख वजीर, ध्रुप शर्मा, हीरा शर्मा, रेहाना खातून एवं रौशन तारा आदि ग्रामीणों का कहना है की करीब बीस दिनों से गाव में जल संकट की समस्या उत्पन्न हुई है। चापाकल से एक बाल्टी पानी भी निकालने में हालत खराब हो जाता है और मोटर से पानी आ ही नही रहा है। इधर दो दिनों से कई घरों के चापाकल से एक बाल्टी पानी भी निकल पा रहा है। कई घरों में पीने तक के पानी का संकट गहरा गया है। वही वार्ड में नल जल योजना भी कई माह से बंद है। अगर नलजल योजना चलता तो पीने का पानी तो मिल जाता। ग्रामीणों ने कहा कि घरों के चापाकल सूखने से काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल इस समस्या का समाधान करते हुए वार्ड में नल जल योजना को सुचारु रूप से संचालन कराने की मांग की है ताकि उन्हें जल संकट से तत्काल निजात मिल सके। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सिरिसिया गांव में कुल पांच वार्ड हैं। लेकिन वार्ड चार में पानी की किल्लत सबसे ज्यादा है इससे सभी ग्रामीण त्रस्त हैं। वही दूसरी ओर भेड़ीहरवा पंचायत के बेलवा और भेड़ीहरवा समेत अन्य कई गांवों में भी चापाकल सूख गए हैं। मुखिया अभिजीत कुमार उर्फ सन्नी दुबे ने बताया कि उनके पंचायत में भी जल संकट गहरा गया है। इधर बीडीओ सूरज कुमार सिंह ने बताया कि नल जल योजना का संचालन कराने के लिए पीएचईडी के जेई को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिया जा रहा है।

डीएम ने दिया लक्ष्य के विरूद्ध ऋणों की शत-प्रतिशत स्वीकृति एवं भुगतान करने का निर्देश

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षात्मक की बैठक सम्पन्न हुई।प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (वर्ष 2026-26)- की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने सभी बैंकों को प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध ऋणों की शत-प्रतिशत स्वीकृति एवं भुगतान की प्राप्ति हेतु निर्देशित किया। साथ ही सभी बैंकों के प्रतिनिधि को निदेश दिया गया कि जिन आवेदको से बैंक को सम्पर्क करने में कठिनाई महसूस हो रही, उन आवेदको की सूची महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, प० चम्पारण, बेतिया को उपलब्ध कराया जाए ताकि अपने स्तर महाप्रबंधक कार्रवाई कर सकें। जिलाधिकारी ने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को।निर्देश दिया कि लक्ष्य के विरूद्ध ऋणों की शत-प्रतिशत स्वीकृति एवं भुगतान हेतु अपने स्तर से शाखावार समीक्षा करें। जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (वर्ष 2025-26) की समीक्षा के क्रम में सभी बैंकों के जिला समन्वयक/ प्रतिनिधि को निदेश दी गयी कि शाखावार आकड़ा एकत्र कर अपने स्तर से समीक्षा करें और ऋण की स्वीकृति और भुगतान के लिए तीव्रगति से प्रगति लाने हेतु निदेर्शित करें। जिला पदाधिकारी द्वारा खेद व्यक्त किया गया कि बैंकों द्वारा ऋण स्वीकृति और भुगतान के आँकड़ो में काफी अन्तर है। अतएव इन आँकड़ो के अन्तर सम्मान जनक होना चाहिए और साथ ही अगली समीक्षात्मक बैठक में सभी बैंकों की प्रगति सम्माजनक होनी चाहिए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना (वर्ष 2025-26) समीक्षा के क्रम में सभी बैंकों के जिला समन्वयक / प्रतिनिधि को निर्देश दिया गया कि स्वीकृति आवेदनों का भुगतान यथाशीघ्र निष्पादन करें और साथ ही इस योजना में तीव्रगति से ऋण स्वीकृति और भुगतान की कार्रवाई करें। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिया कि लक्ष्य के विरूद्ध ऋणो की शतप्रतिशत स्वीकृति एवं भुगतान हेतु अपने स्तर से शाखावार समीक्षा करें।इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जलमार्ग 37 की फिर जगी आस

बगहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सारण से चंपारण होते हुए नेपाल सीमा को जोड़ने वाले राष्ट्रीय जलमार्ग 37 के निर्माण को लेकर आज एक बार फिर आशा जगी है। विभाग की ओर से इसके डीपीआर को अपडेट करने को लेकर पहल शुरू की जा रही है। बाल्मीकि नगर सांसद सुनील कुमार कुशवाहा के द्वारा राष्ट्रीय जलमार्ग 37 के निर्माण को लेकर सदन में सवाल उठाया गया था। जिस पर पतन पोत एवं परिवहन मंत्रालय के द्वारा जवाब दिया गया कि राष्ट्रीय जलमार्ग 37 जो बाल्मीकि नगर के गंडक बाराज से निकलकर गंगा, गंडक संगम तक जाता हैं। इसकी स्वीकृति दी गई हैं। इस राष्ट्रीय जलमार्ग के निर्माण को लेकर सर्वे को लेकर 2017 / 18 मे काफी पैसा भी खर्च हो चुके हैं। इसी क्रम में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण, चौनल मार्किंग, बैडलिंग, फ्लोटिंग टर्मिनल,क्रॉस संचालन , हितधारक कार्यशाला सहित ट्रायल मूवमेंट का कार्य कर लिया गया है। जवाब में भी बताया गया है कि स्थानीय लोगों के प्रयोग को लेकर बेतिया में दो स्टील फ्लोटिंग कभी कार्य किया गया है। इसके अलावा रेल इंडियन तकनीकी एवं अग्रिम सेवा लिमिटेड कि डीपीआर अपडेट करने को लेकर निर्देशित किया गया है। गौरतलब हो कि 2016 में तत्कालीन सांसद सतीश चंद्र दुबे के पहल राष्ट्रीय जलमार्ग 37 की स्वीकृति मिली थी जिसके बाद पोत एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के द्वारा इसका विधवत शिलान्यास भी किया गया था। लेकिन सर्वे के बाद यह योजना ठंडा बस्ती में बंद हो गया था। इधर बाल्मीकि नगर सांसद सुनील कुमार कुशवाहा के द्वारा एक बार फिर राष्ट्रीय जलमार्ग 37 के परिचालन को लेकर सदन में आवाज उठाया गया है। जिसके बाद इस राष्ट्रीय मार्ग के संचालक को लेकर एक बार फिर आश जगी है।

जाति प्रमाण पत्र के चलते छठी कक्षा के छात्राओं का नामकरण रुका

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नामांकन को लेकर कई छात्रा के अभिभावक विधालय के काट रहे चक्कर। 100 में मात्र 58 छात्राओं ने ही जाति प्रमाण पत्र किया जमा। घाटशिला प्रखंड के गालूडीह स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में छठी कक्षा के चयनित और प्रतिराक्षत छात्राओं के द्वारा जाति प्रमाण पत्र जमा नहीं करने के कारण छठी के छात्राओं का नामकरण रुका हुआ है। कुछ छात्राओं ने अपना जाति, आधार सभी जमा कर दिया है वैसे बच्चे नामांकन को लेकर कस्तूरबा विद्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। छठी कक्षा में 75 छात्राओं का नामकरण होना है इसके लिए विधालय के द्वारा आवेदन का स्क्रूटनी कर 75 चयनित छात्राओं सहित 25 प्रतिरक्षारत छात्राओं की सूची तैयार की और जिला कार्यालय भेज दिया गया है।

प्रखंड संसाधन केंद्र एकमा में इको क्लब संचालन को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। पर्यावरण जागरूकता और छात्र-छात्राओं में सतत जीवनशैली के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से ह्लइक्को क्लब फॉर मिशन लाइफह्व विषयक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड संसाधन केंद्र, एकमा में शुक्रवार को आयोजित हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी योगेंद्र बैठा ने की। इस दौरान पहले दिन प्रखंड अंतर्गत चयनित प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के एक-एक नामित शिक्षक अथवा प्रधानाध्यापक को इको क्लब के लिए प्रशिक्षण में विस्तृत जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को भी सूचिबद्ध विद्यालयों के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा, सारण के निर्देश के आलोक में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को बीआरसी एकमा में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण दो पालियों में आयोजित हुआ। पहली पाली सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक और दूसरी पाली अपराह्न 12:30 बजे से 2:30 बजे तक आयोजित हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि शनिवार को भी सूचिबद्ध विद्यालयों से एक-एक नामित शिक्षक प्रशिक्षण में शामिल होंगे, जो विद्यालय में इको क्लब की स्थापना और संचालन के लिए प्रशिक्षित होंगे। प्रशिक्षण संचालन की जिम्मेदारी सीएनपीजी कॉलेज, बेनौत के प्रशिक्षक जितेन्द्र कुमार व एनपीएस हंसवापार मंदिर के शिक्षक विवेक कुमार ने निभाई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीईओ योगेंद्र बैठा, प्रधानाध्यापक मंजीत कुमार तिवारी, अरुण कुमार सिंह, संदीप कुमार, जितेंद्र कुमार, उपेंद्र कुमार यादव, विवेक कुमार सहित सभी मास्टर ट्रेनर, नामित शिक्षक व संकुल समन्वयक शामिल रहे। प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु बदलाव, जैव विविधता, ऊर्जा संरक्षण जैसे विषयों पर आधारित गतिविधियों के संचालन की जानकारी दी गई।

राजनीति को समझने वाले संवेदनशील व्यक्तित्व हैं वाई. बी. गिरीः ओम प्रकाश सिंह

एकमा/मांझी (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वरिष्ठ अधिवक्ता व प्रखर वक्ता वाई. बी. गिरी न केवल अपने पेशे में पारंगत हैं, बल्कि एक समावेशी व संतुलित सोच वाले व्यक्तित्व भी हैं। अधिक उम्र के बावजूद उनकी स्मरणशक्ति और लोगों को पहचानने की क्षमता आश्चर्यजनक रूप से तीव्र है। दो दिन उनके साथ बिताने का अवसर मिला, जिसमें उनके सहज, मृदुभाषी व अनुशासित व्यवहार ने गहरी छाप छोड़ी। उक्त बातें एकमा प्रखंड के आमडाढ़ी पंचायत के पूर्व मुखिया व जनसुराज पार्टी के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह ने एकमा बाजार में एक विशेष भेंट वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वाई. बी. गिरी एक मंजे हुए राजनैतिक रणनीतिकार की तरह व्यवहार करते हैं। वे क्राइम सेक्टर में वर्षों से वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में सक्रिय रहे हैं। बिहार के अनेक प्रमुख राजनेताओं के मामलों की पैरवी उन्होंने हाईकोर्ट में की है। राजनीति को वे एक संभावना का खेल मानते हैं। मांझी विधानसभा क्षेत्र से आगामी चुनाव लड़ने की बात भले जन सुराज पार्टी के बैनर तले कर रहे हों, परंतु उनके वक्तव्यों में भावी प्रत्याशी बनने से अधिक पार्टी की कमजोर कड़ियों की गहराई से पड़ताल दिखती है। वे अपने सहयोगियों के प्रति भी अत्यंत विनम्र हैं। यदि कोई उनके साथ रहते हुए भी कोई असंगत या अनुचित बात कहता है, तो वे उसे सार्वजनिक रूप से टोकने के बजाय अलग से समझाने का तरीका अपनाते हैं। एक कुशल प्रशासक की तरह वे अनुमंडल स्तर की गुटबाजियों और स्थानीय समीकरणों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि उन्हें वाई. बी. गिरी से यह सीख मिली कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए समर्पण, त्याग और कभी-कभी अपने स्वार्थों की भी बलि देनी पड़ती है। यही एकता और शक्ति का आधार बनता है। राजनीति को वे कभी-कभी "मजबूरी की राह" भी मानते हैं, जहां समय और परिस्थिति के अनुसार निर्णय बदलने की आवश्यकता होती है। श्री सिंह ने कहा कि वाई. बी. गिरी की यह दृष्टि, अनुभव व संतुलन उन्हें एक प्रेरक और मार्गदर्शक राजनेता के रूप में स्थापित करता है। सारण की राजनीति में उनके जैसे संतुलित सोच रखने वालों की आवश्यकता हमेशा बनी रहेगी।

● भारतीय महिलाओं को सशक्त बनाएगा एफटीए, देगा वैश्विक मंच

टेक्सटाइल और शिल्प कारोबार को नई उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन ने कारोबारी रिश्तों में नया अध्याय लिखते हुए गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से वैश्विक बाजार में भारतीय महिलाओं को बड़ा फायदा मिल सकता है। यह समझौता हथकरघा, पारंपरिक शिल्प, टेक स्टार्टअप और स्वच्छ निर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रहीं महिलाओं को वैश्विक बाजार से जोड़ने का रास्ता खोलेगा। इससे उन्हें न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता और कारोबार बढ़ाने का मौका मिलेगा, बल्कि यूके के 23 अरब डॉलर के बाजार में कपड़ा, चमड़ा और जूते जैसे उत्पाद शुल्क मुक्त भेजने की सुविधा भी मिलेगी। इस कदम से भारतीय महिलाएं बांग्लादेश, पाकिस्तान और

कंबोडिया जैसे देशों की कंपनियों से बराबरी की होड़ में उतर सकेंगी। यह समझौता महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान की ओर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

भारत का जीवंत वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र महिलाओं के कौशल पर टिका है,फिर चाहे वह कांचीपुरम, भागलपुर, जयपुर या वाराणसी की बुनकर, कढ़ाई करने वाली, रंगाई करने वाली या डिजाइनर हों।

कोल्हापुरी चप्पल को वैश्विक पंख

महाराष्ट्र और आस-पास के इलाकों में महिलाओं की हाथ से बनाई जाने वाली कोल्हापुरी चप्पलें अब यूके के प्रीमियम बाजार में बगैर शुल्क के बिक सकेंगी। इससे इनका ब्रांड बढ़ेगा, संस्कृति सुरक्षित रहेगी,आय बढ़ेगी और टिकाऊ चमड़े के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमईजी को बढ़त- इस एफटीए से देष में महिलाओं के चलाए जा रहे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमईजी) को अब सरल नियम,प्रशिक्षण समर्थन और व्यापार वित्त में मदद मिलेगी। गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के क्लस्टर अब अधिक प्रतिस्पर्धी और यूके के लिए तैयार होंगे।

महिलाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्व का मौका-चाहे वो वाराणसी के करघे हों, हैदराबाद की डिजिटल प्रयोगशालाएं, राजस्थान के शिल्प समूह हो या फिर बंगलूरू के स्टार्टअप यह समझौता महिलाओं को वैश्विक व्यापार के केंद्र में लाता है।

● एक बार फास्टैग रिचार्ज करिए और सालभर तक टोल से छुट्टी!

4 अगस्त से खुलेगा लिंक

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में 15 अगस्त से शुरू होने वाले एनुअल टोल पास सिस्टम के लिए चार अगस्त से लिंक ओपन किया जा रहा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए चार अगस्त से राजमार्ग यात्रा मोबाइल एप्लिकेशन और एनएचएआई वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध कराना शुरू कर दिया जाएगा जिसमें अधिकतम 200 टोल प्लाजा और एक साल के लिए वैलिड तीन हजार रुपए के इस वार्षिक पास को लेने के इच्छुक लोग अपने मौजूदा फास्टैग पर ही इसे भी रिचार्ज करा सकेंगे।

एनुअल टोल पास सिस्टम का पिछले महीने ही केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया था। जिसमें घोषणा की गई थी कि देशभर में यह 15 अगस्त से लागू कर दिया जाएगा।

कितने टोल पर होगा यूज

इस सर्विस के लिए अभी 30 बैंकों को शामिल किया गया है। घोषणा के वक्त भी बताया गया था कि यह टोल पास केवल एनएचएआई के राष्ट्रीय राजमार्ग और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के टोल नाको पर ही चलेगा। एक बार तीन हजार रुपए के रिचार्ज कराने पर इसकी अवधि एक साल के लिए मान्य होगी। इस दौरान यूजर इसे अधिकतम 200 टोल नाको को पार करने के लिए इस्तेमाल कर सकेगा।

सूत्रों ने बताया कि दो दिन पहले ही इसके लिए रिव्यू मीटिंग भी की गई थी।

मुकेश अंबानी ने जितना जिंदगीभर कमाया

● उतना लैरी एलिसन सात महीने में ही कमा गए!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी अमीरों की लिस्ट में एक स्थान फिसल गए हैं। गुरुवार को उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब दो फीसदी गिरावट आई। इससे अंबानी की नेटवर्थ में .1.36 अरब की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी .102 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के

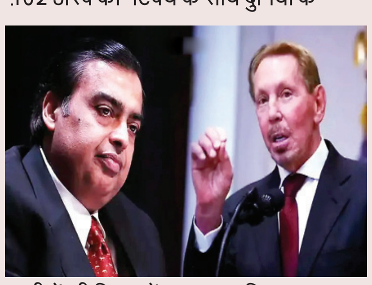

अमीरों की लिस्ट में एक स्थान फिसलकर अब 18वें नंबर पर आ गए हैं। मेक्सिको के अरबपति कार्लोस स्लिम (.103 अरब) उनसे आगे निकल गए हैं। अंबानी की नेटवर्थ में इस साल .11.1 अरब की तेजी आई है जबकि कार्लोस की नेटवर्थ 23.3 अरब बढ़ी है। इस बीच दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में गुरुवार को 19.5 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 354 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं लेकिन इस साल उनकी नेटवर्थ में 78.6 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इस बीच ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन की नेटवर्थ हाल में तेजी से बढ़ी है। उनकी नेटवर्थ में इस साल 101 अरब

मजबूत तिमाही नतीजों के बाद भी निवेशक बेच रहे हैं बजाज फाइनेंस के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के निवेशक कंपनी के तिमाही नतीजों से नाखुश नजर आ रहे हैं। आज यानी शुक्रवार को यह स्टॉक सुबह 6 प्रतिशत से अधिक टूट गया था। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में गिरावट के बाद 908 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन एक वक्त पर बजाज फाइनेंस लिमिटेड का शेयर 897.65 रुपये (9.50 बजे तक का डाटा) के लेवल तक पहुंच गया। आइए जानते हैं कि एक्सपर्ट की तरफ से कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर क्या सलाह दी जा रही है

क्या बोल रहे हैं एक्सपर्ट- ब्रोकरेज हाउस च्वाइस ब्रोकिंग से जुड़े सुमित बगाडिया कहते हैं, बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 870 रुपये पर मजबूत सपोर्ट दिखा रहे हैं। यह एनबीएफसी बाउंस बैक कर सकता है। और एक बार फिर से 950 रुपये से 960 रुपये के लेवल तक पहुंच सकता है। एक्सपर्ट ने 870 रुपये के लेवल पर स्टॉप लॉस लगाया है। नए निवेशकों के लिए एक्सपर्ट ने किसी भी गिरावट में दांव लगाने की सलाह दी है। सुमित बगाडिया ने शॉर्ट टर्म में 950 रुपये से 960 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस सेट किया है। वहीं, स्टॉप लॉस 879 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

बजाज फाइनेंस का रिजल्ट- इस एनबीएफसी ने गुरुवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि टैक्स भुगतान के बाद प्रॉफिट 4765 करोड़ रुपये रहा है।

● दूरसंचार नीतिः हर साल एक लाख करोड़ का आएगा निवेश, मिलेंगे 10 लाख रोजगार

मसौदा दस्तावेज में विभाग को ये उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की नीतियों और इंटरनेट की लगातार बढ़ती पहुंच के दम पर देश दूरसंचार क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार की रफ्तार और बढ़ाने में राष्ट्रीय दूरसंचार नीति (एनटीपी) मददगार साबित हो सकती है। सरकार को उम्मीद है कि इस नीति की मदद से देश के दूरसंचार क्षेत्र में 2030 तक हर साल एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। रोजगार के 10 लाख नए अवसर भी सृजित होंगे। दूरसंचार विभाग ने राष्ट्रीय दूरसंचार नीति को लेकर बृहस्पतिवार को जारी मसौदे में कहा, एनटीपी-25 का लक्ष्य 2030 तक दूरसंचार क्षेत्र में विभिन्न

रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करना है। इनमें सबके लिए सार्वभौमिक और सार्थक संपर्क मुहैया कराने के साथ देश की जीडीपी में दूरसंचार क्षेत्र का योगदान दोगुना करना और सालाना एक लाख करोड़ का निवेश प्राप्त करना है।

देश को शीर्ष-10 वैश्विक केंद्र बनाने में मिलेगी मदद

विभाग ने कहा, राष्ट्रीय दूरसंचार नीति का मकसद 5जी, 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एवं क्वांटम संचार जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में नवाचार और अनुसंधान के लिए भारत को शीर्ष-10 वैश्विक केंद्रों में शामिल करना है। विभाग ने मसौदा जारी होने की तिथि से 21 दिन के भीतर प्रस्तावित नीति पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

● **दूरसंचार उत्पादों का पसंदीदा विनिर्माता बनेगा भारत-** मसौदे के मुताबिक, एनटीपी-25 भारत को दुनिया के लिए दूरसंचार उत्पादों का पसंदीदा विनिर्माता बनाने की दिशा में काम करेगी। इसमें स्मार्ट शहरों, उद्योग 4.0, ग्रामीण ब्रॉडबैंड, आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं डिजिटल कामकाज में उभरते इस्तेमाल के मामलों को स्थायी समर्थन देने के लिए अनुसंधान, कार्यबल के कौशल विकास, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन में निवेश पर एक व्यापक खाका पेश किया गया है।

● **एनटीपी-25 के अन्य लक्ष्य-** नीति का मकसद दूरसंचार उत्पादों एवं सेवाओं के निर्यात, स्टार्टअप की संख्या और टेलीकॉम प्रौद्योगिकियों पर क्षेत्रीय अनुसंधान-विकास खर्च को दोगुना करना। नवाचार केंद्रित गैर-लाभकारी कंपनी बनाना और 2030 तक 6जी आधारित बौद्धिक संपदा अधिकारों में 10 फीसदी की वैश्विक हिस्सेदारी हासिल करना।

अदाणी समूह ने मेटट्यूब के साथ किया करार

हीटिंग वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग के क्षेत्र में होगा काम

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने मेटट्यूब मॉरीशस प्राइवेट लिमिटेड (मेटट्यूब) के साथ शेयर खरीद और शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य कंपनी की अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) उद्योग को अगली पीढ़ी के समाधान प्रदान करना है।

इस साझेदारी का लक्ष्य आयातित तांबे की ट्यूबों पर भारत की निर्भरता को कम करना और तांबा-आधारित प्रयोगों के लिए एक मजबूत घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

समझौते के तहत, अदाणी एंटरप्राइजेज अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, कच्छ कॉपर ट्यूब्स लिमिटेड में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी मेटट्यूब को बेचेगी। इसके अलावे, अदाणी एंटरप्राइजेज मेटट्यूब कॉपर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में 50 प्रतिशत निवेश करेगी, जो मेटट्यूब की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और गुजरात में अहमदाबाद के पास एक संयंत्र संचालित करती है।

हर हाथ में फोन देख आया आइडिया...

● चलाया ऐसा दिमाग कि अब करोड़ों का साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली से ताल्लुक रखने वाले नीरज चोपड़ा ने उद्यमिता के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। अपने पिता के जमे-जमाए व्यवसाय में शुरुआती झटकों से लेकर खुद का रीफर्बिश्ड मोबाइल फोन का कारोबार शुरू करने तक नीरज चोपड़ा का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। उनकी स्टार्टअप कंपनी जोबॉक्स ने अपनी शुरुआत होने से सिर्फ तीन साल में 20 करोड़ रुपये का शानदार टर्नओवर हासिल कर लिया। यह कंपनी पुराने मोबाइल फोन को नया करके इको-फ्रेंडली और किफायती ऑप्शन की पेशकश करती है। दिसंबर 2020 में इसकी शुरुआत हुई थी। तब से इसने लगातार तरक्की की है। आइए, यहां नीरज चोपड़ा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पिता और चाचा से सीखी बिजनेस की बारीकी-

नीरज चोपड़ा का बिजनेस की दुनिया से पहला परिचय उनके पिता के जरिये हुआ। उनके पिता पहले कीटनाशकों और बीजों का व्यापार करते थे। बाद में दिल्ली के लाजपत राय मार्केट में वह इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के थोक व्यापार में उतर गए। 18 साल की उम्र में नीरज को व्यावहारिक अनुभव के लिए हांगकांग

में अपने चाचा के साथ काम करने भेजा गया। हांगकांग में उन्होंने एक दशक बिताया। वहां नीरज ने चीन से इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स आयात करने और उन्हें भारत में बेचने का काम सीखा। यह अनुभव उनके व्यापारिक कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने वहां की भाषा, भोजन और संस्कृति में खुद को बखूबी ढाल लिया। समय के साथ परिवार का व्यवसाय वीसीडी प्लेयर से लेकर मोबाइल एक्सेसरीज और कंपोनेंट्स तक विकसित होता गया।

● **शुरुआत में असफलता का चखा स्वाद-** 2010 में चाचा के निधन के बाद नीरज को हांगकांग में अपना काम बंद करना पड़ा। वह दिल्ली में पारिवारिक व्यवसाय में शामिल होने के लिए भारत लौट आए। यह बदलाव उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। उन्हें हांगकांग की तुलना में भारतीय व्यावसायिक माहौल बहुत अलग लगा। उन्होंने रियल एस्टेट और पावर बैंक व्यवसाय में भी हाथ आजमाया। लेकिन, सीमित सफलता मिली। उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ा। इन मुश्किलों के बीच 2020 में नीरज को जोबॉक्स का विचार आया। हर हाथ में फोन और कार्स24 के बिजनेस मॉडल ने उन्हें रास्ता दिखाया। उन्होंने सोचा कि अगर पुरानी कारों का बाजार हो सकता है तो मोबाइलों का क्यों नहीं, जिन्हें लोग अक्सर अपग्रेड करते हैं 50 लाख रुपये की पूंजी से नीरज ने दिसंबर 2020 में जोबॉक्स की शुरुआत 8-10 लोगों की टीम के साथ की।

● **फेंचाइजी मॉडल पर किया काम-** शुरुआत में जोबॉक्स ने फेंचाइजी मॉडल पर काम किया। बड़ौदा में अपना पहला स्टोर खोला। इसके बाद कई अन्य शहरों में भी इसका विस्तार हुआ। हालांकि, कोरोना लॉकडाउन और ऑपरेशनल चुनौतियों के कारण उन्हें नुकसान हुआ। उन्हें एहसास हुआ कि रीफर्बिश्ड फोन की मरम्मत और डिलीवरी में लगने वाला समय और इन्वेंट्री की कमी समस्या पैदा कर रही थी।

डिफेंस कंपनी को 563 करोड़ के नए ऑर्डर, कमजोर मार्केट में भी चमका शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का शेयर भाव बढ़ा। यह उछाल कंपनी को मिले नए ऑर्डर की खबर से आया। बीइएल का शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 400.25 पर खुला और बढ़कर 401.90 तक पहुंच गया। यह कीमत गुरुवार को शेयर के बंद भाव (401.90) से अधिक है। बता दें सुबह साढ़े दस बजे के करीब बीएसई का 30 शेयरों वाला यह बेंचमार्क इंडेक्स 593 अंक नीचे 81590 पर आ गया था। निफ्टी भी 201 अंकों के नुकसान के साथ 24860 पर आ गया। इसमें सबसे बड़ा हाथ बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व का है।

563 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर

गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद बीइएल ने एक महत्वपूर्ण जानकारी शेयर बाजारों को दी। कंपनी ने बताया कि 30 जून 2025 को आखिरी बार ऑर्डर की जानकारी देने के बाद से उसे अतिरिक्त ऑर्डर मिले हैं जिनका कुल मूल्य 563 करोड़ है। ये ऑर्डर जुलाई 2025 में हासिल किए गए।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि नियमित ऑर्डर प्रवाह के साथ बीईएल के शेयर मूल्य में वृद्धि हो रही है। पिछले छह महीनों में बीईएल के शेयर मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। हालांकि, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत के बावजूद, बीईएल के शेयर मूल्य में शुरुआती बढ़त 400.70 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

● व्यापार, तकनीक और रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय

वैश्विक समीकरणों पर भी दिखेगा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-ब्रिटेन व्यापार और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) जैसे द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों पर निगरानी और समीक्षा करने वाली प्रतिष्ठित भारतीय और ब्रिटिश एजेंसियों व संस्थानों का मानना है कि भारत और ब्रिटेन के बीच संपन्न हुआ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल दो देशों के बीच व्यापार बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इससे वैश्विक रणनीतिक समीकरण, निवेश के प्रवाह, रोजगार के अवसर और उपभोक्ताओं के अनुभवों में भी व्यापक परिवर्तन की संभावना है। यह समझौता न केवल उद्योगों और व्यापारियों के लिए नए द्वार खोलेगा बल्कि आम भारतीय को भी सस्ते उत्पादों, बेहतर सेवाओं और नए रोजगार अवसरों के रूप में सीधा लाभ पहुंचाएगा। रिसर्च एंड इनफॉरमेशन सिस्टम्स फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) और ब्रिटिश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता एक विन-विन करार है जो केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल इकोनॉमी और रणनीतिक साझेदारी के केन्द्र में स्थापित करता है। यह समझौता भविष्य में भारत की एफटीए कूटनीति की दिशा तय

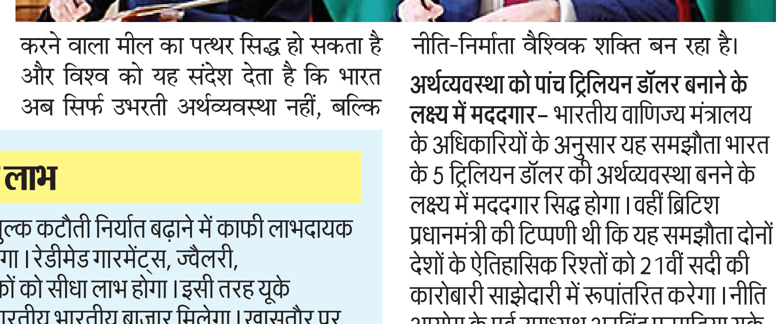

करने वाला मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है और विश्व को यह संदेश देता है कि भारत अब सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि नीति-निर्माता वैश्विक शक्ति बन रहा है।

अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य में मददगार- भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार यह समझौता भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य में मददगार सिद्ध होगा। वहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री की टिप्पणी थी कि यह समझौता दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों को 21वीं सदी की कारोबारी साझेदारी में रूपांतरित करेगा। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया यूके के साथ यह एफटीए भारत के लिए बहुत संतुलित है।

व्यापारियों और उद्योगों को क्या मिलेगा लाभ

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशंस(एफ आईईओ) से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार शुल्क कटौती निर्यात बढ़ाने में काफी लाभदायक होगी। भारत को ब्रिटेन की विशाल उपभोक्ता अर्थव्यवस्था में अधिक प्रतिस्पर्धी तरीके से प्रवेश मिलेगा। रेडीमेड गारमेंट्स, ज्वैलरी, फार्मास्युटिकल्स, मशीनरी और आईटी सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में टैरिफ कम होने से भारत के निर्यातकों को सीधा लाभ होगा। इसी तरह यूके डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एंड ट्रेड(डीबीटी) के अनुसार इस समझौते से ब्रिटिश कंपनियों को बृहद भारतीय भारतीय बाजार मिलेगा। खासतौर पर तेजी से बढ़ते मिडिल क्लास बाजार में पांव जमाने का मौका मिलेगा। ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की, हाई-एंड कारें, फाइनेंशियल सर्विसेज और एजुकेशन सेक्टर को भारत में प्रवेश और विस्तार के लिए सरल और लागत प्रभावी रास्ता मिलेगा। इससे ब्रिटिश निवेशकों को भी भारत में अधिक

उपभोक्ताओं को क्या मिलेगा लाभ

दोनों देशों की विशेषज्ञों का कहना है इस समझौते से आम उपभोक्ता को भी सीधे राहत मिलेगी। ब्रिटिश चैंबर ऑफ कॉमर्स के चीफ इकोनॉमिस्ट अमांडा टेनेट के अनुसार इस एफटीए के जरिए ब्रिटिश एमएसएमई भारत के विशाल मिडिल-क्लास बाजार में प्रवेश कर पाएंगे। इससे द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक दोगुना हो सकता है और दोनों देशों के उपभोक्ताओं को भी इसका सीधा लाभ होगा। टैरिफ घटने से कई आयातित वस्तुएं जैसे ब्रिटिश चॉकलेट, व्हिस्की, सौंदर्य प्रसाधन और कुछ विशेष तकनीकी उत्पाद भारतीय बाजार में सस्ते होंगे। इससे मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को फायदा होगा। निर्यात में वृद्धि और ब्रिटिश निवेश से औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे खासकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। शिक्षा और वीजा में भी सहूलियत मिली मिलेगी। इस समझौते से छात्रों और पेशेवरों के लिए वीजा प्रक्रियाएं सरल होने की संभावना जताई जा रही है। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटियों में भारतीय छात्रों को अधिक स्कॉलरशिप व कोर्स विकल्प मिल सकते हैं।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 25-07-2025 21:27 Page 1

डीडीसी की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। डीडीसी की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक संपन्न जिले के उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को उप विकास आयुक्त सभागार में उप समिति की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में जेएसएलपीएस की डीपीएम द्वारा समूह का क्रेडिट लिंकेज,ऋण निकासी,बीमा क्लेम सेटलमेंट,व्यक्तिगत ऋण में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य के अनुरूप जुलाई माह तक की प्रगति को पेश किया गया। जिसकी समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक को कार्य में तेजी लाते हुए लक्ष्य हासिल करने के लिए निर्देश दिया गया तथा किसी भी बैंक शाखा में दस्तावेज पेंडिंग होने पर वरीय पदाधिकारी को सूचित करने को कहा गया। जिला समन्वय समिति की बैठक में उप विकास आयुक्त ने सभी बैंकों के वरीय पदाधिकारी एवं जेएसएलपीएस के कर्मियों को आपसी समन्वय बना कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

उप विकास आयुक्त ने समूह की महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से ऋण प्रदान कर आजीविका गतिविधि से जोड़ने तथा लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।समूह की महिलाओं को उद्यमी दीदी,स्वयं सिद्ध ऋण,मुद्रा ऋण एवं अन्य व्यक्तिगत ऋण योजना के माध्यम से व्यक्तिगत ऋण उपलब्ध कराने हेतु सभी बैंक के वरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा अगले एक माह में सखी मंडल की कम से कम 200 महिला उद्यमियों को व्यक्तिगत ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया

विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से बीमित व्यक्तियों के क्लेम में धीमी गति पर नाराजगी जतायी एवं सभी बैंक के पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी पेंडिंग बीमा क्लेम को सेटल कर नॉमिनी को लाभ देने के लिए निर्देशित किया गया।इस अवसर पर विभिन्न बैंकों के वरीय पदाधिकारी, निदेशक,एलडीएम पलामू,जेएसएलपीएस के सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक एवं सभी प्रखंड परियोजना पदाधिकारी उपस्थित रहे।

48 घंटों में पांच लोगों से ठगी

केरेडारी। केरेडारी थाना क्षेत्र के कराली पंचायत अंतर्गत ग्राम जोको में बीते दो-तीन दिनों से अपराधियों का आतंक बढ़ गया है। महज 48 घंटों के भीतर गांव के पांच लोगों के पास ठगी के काल आए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि ये ठग काल पर आंगनबाड़ी सेविका का नाम ले ग्रामीणों को झांसे में फंसा रहे हैं। ग्राम जोको के पीड़ित सिकंदर साव ने बताया कि 19 जुलाई को दोपहर करीब डेढ़ से दो बजे के बीच 7250631929 और 8521590429 नंबर से वाट्स एप काल आया।

काल करने वाले ने खुद को ब्लाक के आंगनबाड़ी कार्यालय का कर्मचारी बताकर कहा कि जननी सुरक्षा योजना की राशि बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र का नंबर गलत होने के कारण अटकी हुई है। काल पर ही उनसे मोबाइल नंबर का मिलान कराया और कहा कि राशि खाते में चली गई, चेक कर लीजिए।

सिकंदर साव ने जैसे ही एयरटेल पेमेंट बैंक का खाता चेक किया, उसमें से 8,000 रुपये गायब हो चुके थे।

11 हजार वोल्ट बिजली तार की चपेट में आने से डीबीएल कर्मी की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। अमड़ापाड़ा बाजार में गुरुवार की देर रात 11 हजार वोल्ट बिजली तार की चपेट में आने से डीबीएल कोल कर्मी 27 वर्षीय मो. नेहाल की मौत हो गई। वह बिहार के सीतामढ़ी जिला अंतर्गत बरहरवा गांव का रहने वाला था।

वह डीबीएल व वीपीआर कोल कंपनी में मैकेनिकल पद पर कार्यरत था। वर्तमान में वह अमड़ापाड़ा बाजार स्थित नारायण भगत के किराए के मकान में रहता था। स्वजन नेहाल के शव को लेकर बिहार चला गया।

बताया कि मो. नेहाल अपनी पत्नी शाहीन प्रवीण के साथ नारायण भगत के घर में किराए में रहता था। रात्रि करीब नौ बजे मो. नेहाल ने पत्नी से खाना निकालने के लिए कहा। इसी बीच नेहाल के मोबाइल में किसी का काल आया। वह फोन पर बात करते हुए घर से बाहर निकल गया। बात करने के दौरान नेहाल ने 11 हजार वोल्ट के बिजली तार को स्पर्श कर दिया। इससे वह मूर्छित होकर गिर पड़ा। पत्नी ने तुरंत उसे अस्पताल ले गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद चिकित्सक ने मो. नेहाल को मृत घोषित कर दिया।

इसकी सूचना मकान मालिक ने पुलिस को दी। मकान मालिक और पुलिस अस्पताल पहुंच जानकारी ली। मृतक की पत्नी ने घटना की सूचना अपने मायके और ससुराल वालों को दिया।

मो. नेहाल के चाचा, शाहीन की मां, पिता व अन्य सदस्य अस्पताल पहुंचे। पुलिस पोस्टमार्टम के लिए शव को ले जाना चाह रही थी, लेकिन स्वजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराने का आग्रह किया। स्वजन शव को लेकर बिहार चला गया।

बिजली उपभोक्ताओं से अधीक्षण अभियंता की अपील

धनबाद। मोबाइल फोन पर आने वाले स्मार्ट मीटर को लेकर क्रेडिट संबंधित संदेश से बिजली उपभोक्ताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। न तो किसी का बिजली कनेक्शन कटेगा और ना ही किसी तरह की परेशानी होगी।

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने साफ किया है कि अभी धनबाद बिजली वितरण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए प्री-पेड की यह व्यवस्था तकनीकी रूप से शुरू नहीं की गई है।

जेबीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप ने बताया कि प्री-पेड बिजली बिजल की सुविधा फिलहा रांची में शुरू की गई है। वहां तीन लाख से अधिक उपभोक्तओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाया जा चुका है, जबकि धनबाद में महज 70 हजार के आसपास उपभोक्ताओं के घरों में यह मीटर लगा है।

बासुकीनाथ में बनाया गया जलार्पण काउंटर

श्रद्धालुओं को होगी सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बासुकीनाथ (दुमका)। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के अंतर्गत बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एक सुव्यवस्थित एवं समर्पित जलार्पण काउंटर की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था उन श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जो लंबी कतार में खड़े होकर बाबा पर जलार्पण करने में असमर्थ हैं। इससे भीड़ भी कम होगी।

इन काउंटरों के माध्यम से श्रद्धालु व्यवस्थित रूप से बाबा बासुकीनाथ पर जल अर्पित कर सकते हैं। जलार्पण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से टीवी स्क्रीन के माध्यम से भी दिखाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को श्रद्धा एवं संतोष की अनुभूति होती है।

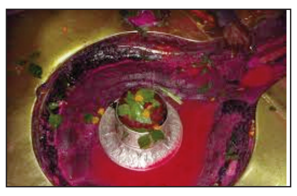

इन काउंटरों पर भीड़ प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु सुरक्षाबलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त सफाई कर्मी एवं मेला कर्मी भी सतत रूप से सेवा में लगे हुए हैं, जिससे परिसर स्वच्छ और सुव्यवस्थित बना रहे।

बासुकीनाथ आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुगमता से बाबा पर जलार्पण का अवसर मिले, यह जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जलार्पण काउंटर सुविधा इसी सोच का साकार रूप है। प्रत्येक दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन काउंटरों का लाभ ले रहे हैं। लोग इस सुविधा की सराहना भी कर रहे हैं। यह व्यवस्था श्रावणी मेले की समग्र योजना में सुगमता एवं श्रद्धा का सुंदर संगम है।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक

स्वच्छता एवं जल जीवन मिशन की समीक्षा कर उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति पर एजेंडावार विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

उपायुक्त द्वारा समीक्षा के क्रम में जिले के सभी पंचायतों में प्लास्टिक कचरा संग्रहण के लिए उपलब्ध कराए गए ट्राय साइकिल की स्थिति की जानकारी ली गई।

इस संबंध में जिला समन्वयक ने बताया कि ट्राय साइकिल का संचालन संबंधित पंचायत के मुखिया के माध्यम से किया जाना है। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि प्लास्टिक कचरा संग्रहण के लिए ट्राय साइकिल को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से संचालित किया जाए, जिससे दैनिक रूप से कचरा उठाव का कार्य प्रभावी ढंग से प्रारंभ हो सके। इसके संचालन और रख-रखाव हेतु 15वें वित्त आयोग की राशि से व्यय करने का भी निर्देश दिया गया।

इस पहल की शुरूआत प्रारंभिक तौर पर किसी एक ग्राम से करने की बात कही गई।

बैठक में पंचायत स्तर पर संचालित प्लास्टिक पृथक्करण केंद्रों को पूरी तरह क्रियाशील बनाए जाने पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि चयनित सात पंचायतों में खरछढर के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों का चयन कर पृथक्करण केंद्रों को पुनः सक्रिय किया जाए, ताकि पंचायतों एवं ग्रामों को प्लास्टिक मुक्त घोषित करने की दिशा में ठोस पहल की जा सके।

उपायुक्त ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को विद्यालयों एवं आंगनबाड़ियों में स्वच्छता के प्रति बच्चों को जागरूक करने हेतु विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया। उन्होंने बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता तथा विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर बल देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि विद्यालय प्रारंभ होने के समय बच्चों की स्वच्छता का आकलन किया जाए।

बैठक में बताया गया कि उन्हें स्वच्छ रहने हेतु निरंतर प्रेरित किया जाए। साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति को और अधिक सशक्त बनाने का निर्देश देते हुए कहा गया कि सप्ताह में एक बार स्वच्छता के मानकों पर विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को जागरूक करना सुनिश्चित किया जाए।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला समन्वयक, एई, जेई, जल सहिया समेत अन्य उपस्थित थे।

रसोइया का बेटा बना जेल अधीक्षक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा (हजारीबाग)। जिले के सुदूरवर्ती प्रखंड बरकट्ठा के ग्राम केंदुआ (चुगलामों) निवासी और उत्क्रमित मध्य विद्यालय तुर्कबाद में मिड डे मील बनाने वाली रसोइया जानकी देवी का पुत्र राजेश रजक ने साबित कर दिया कि लगन और मेहनत के आगे संसाधनों की कमी मायने नहीं रखती।

झारखंड सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास करने के बाद जेल अधीक्षक के पद पर उसका चयन हुआ है। राजेश रजक की प्रारंभिक शिक्षा उनके ही गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय तुर्कबाद से हुई।राजेश के पिता का पहले ही स्वर्गवास हो चुका है। मां जानकी देवी ने ही इस योग्य बनाया।

उन्होंने 2014 में परियोजना उच्च विद्यालय गैड़ा से मैट्रिक की परीक्षा पास की। फिर 2016 में छोटानागपुर इंटर कालेज बेडौकला से इंटरमीडिएट और 2019 में रामनारायण यादव डिग्री कालेज

बरही से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। स्नातक के बाद उन्होंने रांची में रहकर जेपीएससी की तैयारी शुरू की और अपने दूसरे प्रयास में ही परीक्षा पास कर ली। अपनी सफलता पर उन्होंने कहा कि छात्रों को चाहिए कि मेहनत करें, मोबाइल से दूर रह स्वाध्याय को आदत बनाएं। सफलता निश्चित है। उनकी इस सफलता से पूरे प्रखंड में हर्ष का माहौल है। उधर रिजल्ट आने के बाद भी आज उनकी मां जानकी पहले की तरह बड़ी तन्मयता से बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने में लगी थीं।

एक और सैनिक स्कूल की स्थापना की प्रक्रिया तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य में एक अतिरिक्त सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय शुक्रवार को सैनिक स्कूल, तिलैया से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों और मुद्दों पर आयोजित एक बैठक में लिया गया।

मुख्य सचिव ने स्कूली शिक्षा सचिव को निर्देश दिया कि वे इस दिशा में त्वरित कदम उठाएं, क्योंकि कुछ राज्यों में दो सैनिक स्कूल पहले से संचालित हैं।

तिलैया सैनिक स्कूल में वर्तमान में 875 छात्र पढ़ रहे हैं, जो देश के अन्य सैनिक स्कूलों की तुलना में सर्वाधिक है। उन्होंने स्कूल की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में किसी भी प्रकार की कमी न होने का आश्वासन भी दिया।

सैनिक स्कूल तिलैया में 9.49 करोड़ रुपये की लागत से नई जलापूर्ति योजना बहाल की जाएगी। इसके लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

साथ ही, स्कूल में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने और स्टाफ क्वार्टरों के रखरखाव के लिए भवन निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए।

स्कूल ने कर्मियों के पेंशन, पारिवारिक पेंशन, एनपीएस और अन्य लाभों के लिए लगभग सात करोड़ रुपये के

व्यय का प्रस्ताव रखा। मुख्य सचिव ने स्कूली शिक्षा विभाग को अन्य राज्यों के सैनिक स्कूलों के मॉडल का अध्ययन कर इस पर कार्रवाई करने को कहा।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सैनिक स्कूल, तिलैया के छात्रों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच अब कोडरमा में ही होगी। पहले इसके लिए छात्रों को हजारीबाग जाना पड़ता था, जिससे असुविधा होती थी।

बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, स्कूली शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी और सैनिक स्कूल, तिलैया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पांच लाख कार्डधारियों ने नहीं कराये ई-केवाइसी

हो सकता है इन लोगों का राशन कार्ड रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत केंद्र सरकार की ओर से सभी राशन कार्डधारियों को ई-केवाइसी कराने का आदेश दिया गया था। ई-केवाइसी कराने के लिए सरकार की ओर से 30 जून अंतिम तिथि निर्धारित किया गया था।

समय समाप्त होने के बाद धनबाद जिले में अब भी पांच लाख राशन कार्डधारियों ने अपना ई-केवाइसी नहीं कराया। इस कारण अब इन सभी का कार्ड रद किए जाने की कगार पर है।

धनबाद जिले में पीएचएच और अंत्योदय कार्डधारियों की कुल संख्या करीब 18 लाख के आसपास है। इनमें से 13 लाख राशन कार्डधारियों ने अपना ई-केवाइसी करा लिया है। वहीं, यहां के 13 हजार मृत लोगों का नाम भी राशन कार्ड से हटा दिया गया है।

इधर ई-केवाइसी कराने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद केंद्र सरकार की ओर से इस समयवधि में बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। ऐसे में जिन लोगों ने ई-केवाइसी नहीं कराया है उनका कार्ड रद होने की संभावना है। मामले को लेकर जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला ने बताया कि राशनकार्ड को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन कार्ड डिलीट करने को लेकर अब तक राज्य सरकार से कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। फिलहाल वैसे लोगों का नाम राशनकार्ड से हटाया जा रहा है जिन्होंने पिछले तीन साल से एक बार भी राशन का उठाव नहीं किया है। राशन उठाव नहीं करने वालों के कारण धनबाद जिला अपने लक्ष्य से पीछे रह जाता है। वहीं, नए राशन कार्ड के लिए 50 हजार से अधिक आवेदन प्रतिक्षा सूची में हैं।

डीसी ने की कृषि,गव्य,मत्स्य सहित कई विभागों के कार्यों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में कृषि, गव्य,मत्स्य,उद्यान,सहकारिता, भू-संरक्षण एवं पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त द्वारा भौतिक लक्ष्य और भौतिक उपलब्धि के बारे में विस्तारपूर्वक समीक्षा की गयी। बताया गया कि मत्स्य बीज उत्पादकों को स्पॉन आपूर्ति के 9300 प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध 3320 के बीच वितरण किया गया है। इसी तरह जलाशय में ग्रासकार्प मत्स्य अंगुलिकाओं का 4 लाख संचयन किये जाने का लक्षय है। उपायुक्त द्वारा मत्स्य प्रसार प्रशिक्षण एवं अनुसंधान योजना,समेकित मत्स्य पालन योजना,फीड बेस्ड फिशरीज,केज कल्चर विस्तार योजना के तहत किये जा रहे विभिन्न बिंदुओं पर जानकरी ली। वहीं गव्य विकास योजना अंतर्गत दो दुधारू गाय का वितरण,कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना,प्रगतिशील देरी कृषकों की सहायता योजना,पशु आहार एवं चार विकास योजना सहित प्रशिक्षण प्रसार एवं कौशल विकास योजना के तहत किया जा रहे हैं कार्यों की समीक्षा की। इसी तरह पशुपालन विभाग की समीक्षा के क्रम में पशुओं को दिये जाने वाले चारा की उपलब्धता की जानकारी, मुख्यमंत्री पशुधन योजना,पशुओं में हो रहे टीकाकरण कार्य,बकरा विकास योजना,बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना,बतख चूजा

वितरण योजना,ब्रायलर कुकुट पालन,सूकर विकास योजना की जानकारी लेते हुए पशुपालन पदाधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यो को लक्ष्य के अनुरूप करते हुए सभी योग्य लाभुकों को इसका लाभ मिले।इस दौरान डीसी ने बकरा एवं सुकर पालकों के प्रशिक्षण,कृत्रिम व प्राकृतिक गर्भधारण से उत्पन्न बच्चे, चिकित्सा किए गए पशुओं की संख्या समेत अन्य जानकरी ली।इसी तरह उपायुक्त ने कृषि विभाग द्वारा किये जा रहे विभिन्न प्रकार के बीज वितरण की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गयी। इस अवसर पर जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी,जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी,जिला पशुपालन पदाधिकारी,जिला उद्यान पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त आर. रॉनिटा के निदेर्शानुसार आज सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, खूंटी में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को

यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना एवं सड़क सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करना था।

इस अवसर पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने विद्यार्थियों को बताया कि वाहन का संचालन केवल वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही करना चाहिए। ओवरलोडिंग से बचें तथा किसी भी अधिक भार वाले वाहन पर यात्रा न करें, क्योंकि यह दुर्घटना का एक प्रमुख कारण बन सकता है। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं तथा अपने परिजनों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने हेतु प्रेरित करें। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को समय पर सहायता पहुंचाने हेतु पुलिस या एंबुलेंस हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत सूचित करें। सड़क किनारे लगाए गए संकेतचिह्नों का ध्यानपूर्वक पालन करना सभी वाहन चालकों की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में रोड इंजीनियरिंग एनालिस्ट ने भी छात्रों को गाड़ी चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों के उपयोग, सड़क चिह्नों, रोड मार्किंग, एवं गुड समरिटन नीति की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित छात्रों को सुरक्षित यात्रा के मूल मंत्रों से अवगत कराया गया।

देवघर में स्थापित होगा पूर्वी भारत का इकलौता सुपर कंप्यूटर सेंटर

आईओटी सहित रोबोटिक्स की मिलेगी ट्रेनिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट की ओर से पूर्वी भारत के इकलौता सुपर कंप्यूटर सेंटर की स्थापना देवघर में होगी। देवघर से पहले यह पुणे और बेंगलुरु में इस तरह का केंद्र है। इसे संताल परगना आईटी हब के रूप में जाना जाएगा। गोड्डा संसदीय क्षेत्र अब रोजगार देने में राष्ट्रीय स्तर का केंद्र हो जाएगा। पूर्वी भारत के युवाओं को देवघर में प्रशिक्षण मिलेगा। नई पीढ़ी को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट करेगी। क्वांटम कंप्यूटिंग, आईओटी, रोबोटिक्स और भावी पीढ़ी के युवा वैज्ञानिकों की जरूरतों के हिसाब से उनको प्रशिक्षित किया जाएगा।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपीआइ) में इसकी स्थापना होगी। सेंटर की स्थापना में 150 करोड़ का प्रस्ताव है। इसके लिए मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय को प्रस्ताव सौंपा गया है।

यहां से प्रशिक्षण लेने के बाद युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में नौकरी पा सकेंगे। एसटीपीआई में 20 हजार वर्ग फीट के लिए पत्र दिया गया है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सी-डैक) नाम से सेंटर की स्थापना होगी।

भावी पीढ़ी के युवा वैज्ञानिक का एडवांस टेक्नोलॉजी- तकनीक उद्योग में बदलाव को देखते हुए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह आईटी में अपना भविष्य संवार सकें। युवाओं को उस लायक बनाया जाएगा। यहां इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स और क्वांटम कंप्यूटिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह दुनियां का सबसे एडवांस टेक्नोलऑजी होगा। सी-डैक पटना के डायरेक्टर आदित्य सिन्हा ने बताया कि सुपर कंप्यूटर सेंटर की स्थापना के बाद 1.35 लाख भावी पीढ़ी को इमर्जिंग टेक्नॉलाजी में एक्सपर्ट किया जाएगा। देवघर में सी-डैक और एसटीपीआई इस पर संयुक्त रूप से काम करेगा।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स एक ऐसा नेटवर्क है जिससे उपकरण, वाहन, घरेलू उपकरण इंटरनेट से जुड़े होंगे। ये सभी सेंसर, सॉफ्टवेयर और अन्य तकनीक से लैस होंगे। क्योंकि इसमें सेंसर, सॉफ्टवेयर और अन्य प्रौद्योगिकियां लगी होती है। जो इंटरनेट पर जुड़ने और डाटा के आदान-प्रदान की अनुमति देती है।

बंद घर से वृद्ध की लाश बरामद

देवघर। नगर थाना क्षेत्र के हदहदिया पुल के पास स्थित एक बंद पड़े घर में एक अज्ञात अधेड़ का लटका हुआ शव मिला है। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बतायी जाती है। उसने कांवरिया का ड्रेस पहन रखा है। उक्त मकान अधिवक्ता ललित झा का बताया जा रहा है। ललित झा ने बताया कि उक्त मकान जर्जर हो गया था। इस कारण उसे बंद कर दिया था। उक्त मकान करीब दस वर्ष से बंद पड़ा था। इसी दौरान पास के घर में जहां पर कबाड़ी का संचालन किया जाता है कि उसे उनके बंद पड़े घर के अंदर से दुर्गंध मिलने की सूचना मिली। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर नगर थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन की।

जिले में अब तक हुई 15 डेंगू मरीजों की पहचान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच शुक्रवार को नौ माह का एक बच्चा डेंगू पाजिटिव पाया गया। वह छोटा गोविंदपुर का रहने वाला है और उसका इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल में चल रहा है।

यह इस साल जिले का सबसे कम उम्र का डेंगू संक्रमित मरीज है। बच्चा उन 20 संदिग्धों में शामिल था, जिनके सैंपल जांच के लिए एमजीएम मेडिकल कालेज भेजे गए थे। इनमें से दस की रिपोर्ट आ गई है, जिनमें एक की पुष्टि हुई है। बाकी दस की रिपोर्ट आना बाकी है। जिले में अब तक 15 डेंगू मरीजों की पुष्टि हो चुकी है।

डेंगू का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर देखा जा रहा है। वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, 0 से 14 वर्ष के 19.5 प्रतिशत बच्चे डेंगू की चपेट में आए थे।

इसके बाद 15-29 आयु वर्ग के 12.4 प्रतिशत, 30-44 के 10.4 प्रतिशत, 45-59 के 7.5 प्रतिशत और 60 वर्ष से ऊपर के 4.4 प्रतिशत लोग संक्रमित हुए थे। यह ट्रेंड बताता है कि बच्चों के लिए यह वायरस ज्यादा घातक साबित हो रहा है। सिविल सर्जन ने बताया कि जहां-जहां डेंगू के केस सामने आ रहे हैं, वहां मेडिकल टीमें भेजी जा रही हैं। घर-घर जाकर जांच की जा रही है और लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा लार्वा को नष्ट करने के लिए एंटी लार्वा स्प्रे कराया जा रहा है। विभाग ने आम लोगों से साफ-सफाई रखने और जमा पानी हटाने की अपील की है। डेंगू से बचने के लिए सबसे जरूरी है सतर्कता। बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द या शरीर पर चकत्ते दिखने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से मच्छरदानी का उपयोग करने और पानी की टंकियों को ढककर रखें।

चाईना ओपनः

सिंधू पर जीत दर्ज करने वाली 17 साल की उन्नति को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

- यामागुची ने किया बाहर

चांग्झू (चीन), एजेंसी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक

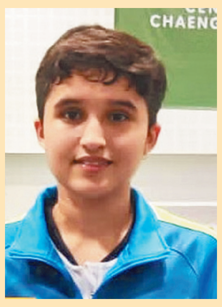

चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। भारत की उम्मीद अब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी है जो क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ का सामना करेगी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। उन्नति के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का एकल में अभियान समाप्त हो गया। पहले गेम में हूडा ने यामागुची को बराबर की टक्कर दी लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और जापान की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर यह गेम अपने नाम कर दिया। इस गेम में हुड्डा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक लेना था। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। भारतीय खिलाड़ी ने बीच में थोड़ी देर के लिए चुनौती पेश की और लगातार चार अंक हासिल किए लेकिन यामागुची ने लगातार छह अंक बनाकर दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने बताया टेस्ट में जीतने का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने मैनचेस्टर टेस्ट और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक भारत के प्रदर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया है और सुझाव दिया है कि दो-तीन बल्लेबाजों को लंबी पारियां खेलनी चाहिए, जबकि मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को टीम के समग्र प्रदर्शन में और योगदान देना होगा। अब तक शीर्ष क्रम के योगदान पर विचार करते हुए सिंह ने

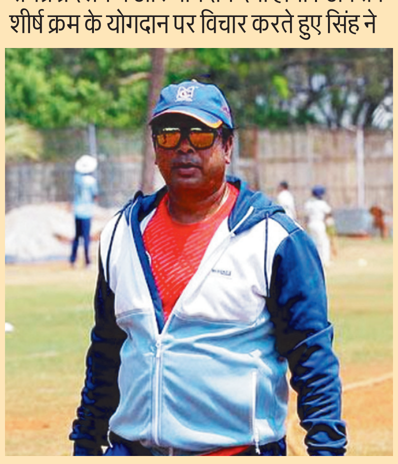

साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और जायसवाल के प्रयासों की सराहना की, लेकिन एक लंबी, मैच-परिभाषित पारी की कमी पर भी ध्यान दिलाया, जो उनके अनुसार टेस्ट मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा, अगर आप सलामी बल्लेबाजों पर गौर करें, तो साई सुदर्शन ने कुछ रन बनाए और चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने भी योगदान दिया। यशस्वी ने रन बनाए और कुछ अन्य बल्लेबाजों ने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं। लेकिन अगर आपको टेस्ट मैच जीतना है, तो एक या दो खिलाड़ियों को बड़ी और लंबी पारियां खेलनी होंगी। उन्होंने कहा, पहले टेस्ट मैच में हमने जो गलतियां कीं, वे तीसरे टेस्ट में भी दोहराई गईं। हमें मध्य और निचले क्रम से और योगदान की जरूरत थी। हमने दूसरा टेस्ट मुख्य रूप से शुभमन गिल के बड़े स्कोर की बदौलत जीता। उनकी पारी ने उस जीत को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। बल्लेबाजों को यहां भी जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने ऐसा नहीं किया।

ओलम्पिक 2036:

भारत को मिलेगी 2036 ओलंपिक की मेजबानी ?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार मिलने को लेकर बहुत सकारात्मक है, लेकिन उसे लगता है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि और भी देश इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

कतर नवीनतम देश है जिसने खुलासा किया है कि उसने 2036 खेलों की मेजबानी के अधिकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के साथ बातचीत प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मेजबान देश के चयन से पहले की लंबी प्रक्रिया का पहला कदम है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)

रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसे मेजबानी के अधिकार मिलेंगे, क्योंकि अब भी कई देश इसमें शामिल हो रहे हैं।

भारत ने पिछले साल ओलंपिक की मेजबानी के लिए रुचि पत्र प्रस्तुत किया था और वह आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ निरंतर संवाद प्रक्रिया में एक कदम आगे है। अगला कदम लक्षित संवाद प्रक्रिया है जिसके बाद ही एफएचसी आईओसी कांग्रेस को पसंदीदा मेजबान देश की सिफारिश करेगा। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक के लिए मेजबान देश का नाम दो साल बाद ही पता चलने की संभावना है क्योंकि आईओसी ने खुद पूरी प्रक्रिया पर 'रोक' लगाने की घोषणा की है। अय्यर ने कहा, हम इस समय आईओसी के साथ निरंतर बातचीत के दौर में हैं। आईओसी के लिए अभी ठहरकर सोचने का समय है क्योंकि उसे अभी नया अध्यक्ष मिला है जो आईओसी में कुछ बदलाव ला रहा है। अगले कुछ वर्षों में हमें पता चल जाएगा कि यह किस दिशा में बढ़ रहा है। वहीं आईओए के कार्यकारी सदस्य हरपाल सिंह ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की बोली के फैसले पर कहा, यह प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रमंडल खेल प्रतिनिधि, टीम प्रबंधन और खेल प्रबंधन पहले सभी संभावित मेजबानों से बातचीत करेंगे जिसके बाद नवंबर के आखिरी हफ्ते में ग्लास्गो में होने वाली आमसभा में मेजबान को चुना जाएगा। कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि 2030 के खेल भारत में आयोजित होंगे।

आईओए एथलीट आयोग के उपाध्यक्ष शरत कमल ने 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर इंडिया प्लेज कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की जिसका उद्देश्य 10 करोड़ लोगों को किसी विशेष खेल या किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत ने कहा, हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि भारत एथलीट-केंद्रित कार्यक्रमों बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम 'इंडिया प्लेज' नाम का एक अभियान शुरू करेंगे जिसका उद्देश्य हमारे राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त को 10 करोड़ लोगों को किसी विशेष खेल या किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करना होगा।

ऋषभ पंत की इंजरी के बाद ICC कर सकती है नियमों में बदलाव...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को गंभीर चोट लगी. ऋषभ पंत को यह चोट पहले दिन के खेल के दौरान दाएं पैर के अंगूठे में लगी थी, तब वो क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारने की कोशिश कर रहे थे. ऋषभ काफी दर्द में दिखे और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा.

हालांकि ऋषभ पंत ने अगले दिन फिर से बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़ने भी कामयाब रहे. हालांकि पंत इस मैच में विकेटकीपिंग करने की हालत में नहीं हैं. ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल निभा रहे हैं. एक बात गौर करने वाली है कि जुरेल सिर्फ कीपिंग कर सकते हैं, वो आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) के नियमानुसार बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे. मौजूदा नियमों के तहत अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए तो उसकी जगह आने वाला सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है, लेकिन वो खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग नहीं कर सकता. लेकिन यदि खिलाड़ी को सिर या आंख में चोट लगती है और वो कन्कशन टेस्ट में फेल हो जाता है, तो कन्कशन सब्स्टीट्यूट का इस्तेमाल किया जा सकता है. कन्कशन सब्स्टीट्यूट गेंदबाजी, बल्लेबाजी या फील्डिंग कर सकता है.

आईसीसी करेगी नियमों में बदलाव?

अब ऋषभ पंत की इंजरी के बाद आईसीसी सब्स्टीट्यूट नियमों में बदलाव कर सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले समय में बाहरी चोटों के लिए भी टीमों को रिप्लेसमेंट की अनुमति दी जा सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी इसे लेकर पहले से ही चर्चा कर रहा है. आईसीसी की क्रिकेट समिति की अगली बैठक में इस पर मुहर लग सकती है.

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, इस बात की संभावना है कि गंभीर बाहरी चोटों लगने की स्थिति में टीमों को रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लाने की अनुमति दी जाएगी. इस मसले पर पहले से ही विचार-विमर्श चल रहा है. उम्मीद है कि आईसीसी क्रिकेट कमेटी की अगली बैठक में इस पर औपचारिक मुहर लग सकती है. लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान भी ऋषभ पंत को चोट लग गई थी. तब ऋषभ पंत तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद को कलेक्ट करने की कोशिश में अपने बाएं हाथ की तर्जनी उंगली चोटिल करा बैठे थे. तब भी उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी, लेकिन मौजूदा नियमों के अनुसार जुरेल बैटिंग नहीं कर पाए थे.

बेंगलुरु भगदड़ मामले में फंसी आरसीबी, कर्नाटक सरकार ने दी केस चलाने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंस गई है. टीम की विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है. सरकार ने यह फैसला जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया है, जिसमें आरसीबी केएससीएऔर आयोजन से जुड़ी डीएनएएंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को घटना का जिम्मेदार बताया गया है.

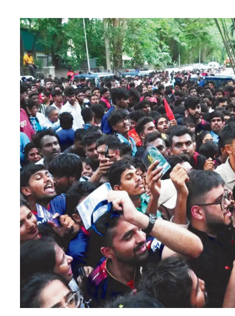

क्या था मामला - आरसीबी ने 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल जीतकर इतिहास रचा था. लंबे इंतजार के बाद टीम ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था. अगले ही दिन, यानी 4 जून को आरसीबी टीम बेंगलुरु लौटी और एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक भव्य विक्ट्री परेड और समारोह आयोजित किया गया था. इस इवेंट के दौरान भीड़ पर नियंत्रण नहीं हो पाया. जरूरत से ज्यादा टिकट बांट दिए गए थे जिसके चलते स्टेडियम में क्षमता से अधिक लोग पहुंच गए और अव्यवस्था की वजह से भगदड़ मच गई. इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए थे ।

जांच आयोग की रिपोर्ट क्या कहती है - कर्नाटक सरकार ने इस हादसे के बाद 5 जून को रिटायर्ड जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा के नेतृत्व में एक एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया था. यह रिपोर्ट हाल ही में सरकार को सौंपी गई, जिसे 24 जुलाई को कर्नाटक कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है. भीड़ नियंत्रण के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे ।

डब्ल्यूडब्ल्यूई लीजेंड हल्क होगन की मौत कैसे हुई, डॉक्टरों ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के

क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। डॉक्टरों ने बताआ है कि सुपरस्टार की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर खुद हल्क होगन के घर पर आए थे, उन्हें तुरंत अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और दुनिया ने इस लीजेंड को हमेशा के लिए खो दिया था। वैसे कुछ हफ्तों पहले ही ऐसी खबरें चली थीं कि हल्क होगन बेहोश हो गए थे। लेकिन उनती पत्नी स्काई ने उन खबरों का ना सिर्फ खंडन किया था बल्कि उन्होंने इसे अफवाह करार दिया था। उस समय तो उनकी पत्नी ने दो टूक कहा था कि उनके पति का दिल काफी मजबूत है और वे अपनी सर्जरी से उबर रहे हैं।

भावुक हुए फैंस - हल्क होगन का जाना सिर्फ रेसलिंग की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति नहीं है बल्कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें देखते हुए बड़ी हुई है, जिन्होंने अपने टीवी पर होगन को रेसलिंग करते हुए देखा, उन्हें कितनी बार वर्ल्ड चैपियन बनते हुए देखा है। सोशल मीडिया इस समय श्रद्धांजलि के मैसेजों से पट चुका है, हर कोई इस दिग्गज को नम आंखों से विदा कर रहा है।

यश दयाल पर रेप का एक और मामला दर्ज

नाबालिगा ने जयपुर में दर्ज करवाई FIR

जयपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आलोचनाओं से घिरे तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक और बलात्कार का मामला दर्ज हो गया है। जयपुर पुलिस ने एक नाबालिग से बलात्कार का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश के 27 वर्षीय क्रिकेटर पर पहले से ही गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने 5 साल के रिश्ते के दौरान उससे शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया। जयपुर के सांगानेर सदर थाने के अनिल जैमन ने बताया कि ताजा स्रढ्ढक्र बुधवार को दर्ज की गई। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा, यश दयाल के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम और (भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के तहत बलात्कार के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। जैमन के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि खिलाड़ी ने पहली बार 2023 में उसके साथ बलात्कार किया था जब वह 17 साल की थी और

इसी साल अप्रैल में सीतापुरा इलाके के एक होटल में भी ऐसा ही हमला हुआ था। एसएसओ ने कहा, उसने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने उसके करियर में मदद और सहयोग का वादा किया था। उसने इस साल अप्रैल में उससे संपर्क किया जब वह आईपीएल के लिए जयपुर में था और उसे होटल में बुलाया जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर से बलात्कार किया। उन्होंने आगे कहा कि मामले की जांच की जा रही है। मध्यम गति के गेंदबाज दयाल भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक जाने-माने गेंदबाज हैं। उन्होंने 2018 में उत्तर प्रदेश के लिए पदार्पण किया और तब से 27 प्रथम श्रेणी मैच खेलकर 84 विकेट लिए हैं। उन्होंने 71 टी20 मैचों में 66 विकेट लिए हैं। दयाल ने 2022 में गुजरात टाइटन्स के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की और फिर आरसीबी में शामिल हो गए जिसने उन्हें 2024 की खिलाड़ियों की नीलामी में 5 करोड़ रुपए में खरीदा। उन्हें इस साल के सीजन के लिए भी बेंगलुरु टीम ने रिटेन किया था और रजत पाटीदार के नेतृत्व में ट्रॉफी जीतने वाली टीम के एक प्रमुख सदस्य थे।

इंग्लैंड में तिलक वर्मा का दूसरा शतक, 15 छक्के-चौके मारे, दिग्गज पाकिस्तानी बॉलर की भी धुनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा इस समय इंग्लैंड में खूब रन बना रहे हैं. टीम इंडिया का ये बल्लेबाज अब तक दो शतक ठोक चुका है. इस दौरान उसने खूब चौके और छक्के लगाए हैं. जहां एक तरफ भारतीय टीम इंग्लैड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने में बिजी है तो वहीं तिलक वर्मा इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों के नाक में दम किए हुए हैं. काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैंपशर की ओर से खेलते हुए तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ के 112 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके दम पर हैंपशर ने मैच में जबरदस्त वापसी की है. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज की खूब धुनाई की. काउंटी चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-1 के 47वें मुकाबले में हैंपशर के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ शानदार बैटिंग की. उन्होंने 256 गेंदों में 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की गेंदों पर खूब रन बनाए. उनके इस शानदार पारी के दम पर हैंपशर ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 367 रन बना लिए हैं. इससे पहले नॉटिंघमशर ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 578 रन बनाकर घोषित कर दी थी. हैंपशर अभी भी नॉटिंघमशर से 211 रन पीछे हैं. इस मैच में तिलक वर्मा जब बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो उस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 111 रन था. इसके बाद उन्होंने संभल कर खेलना शुरू किया और एक छोर संभाले रखा. दूसरी तरफ 173 के स्कोर पर हैंपशर के चार विकेट गिए गए, लेकिन इसके बाद तिलक वर्मा कप्तान बिन ब्राउन (28 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला.

तिलक ने एक छोर संभाले रखा

तिलक और ब्राउन ने पांचवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की. ब्राउन के आउट होने के बाद फेलिक्स ऑर्गन (नाबाद 71 रन) तिलक का साथ देने के लिए आए. दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 126 रन जोड़े. इस दौरान तिलक वर्मा ने इस सीजन में अपना दूसरा शतक पूरा किया. इस दौरान उन्होंने नॉटिंघमशर के गेंदबाजों मोहम्मद अब्बास, जॉश टंग, ब्रेट हटन और फरहान अहमद के खिलाफ खूब रन बनाए.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस क्या कर रही? राजधानी में हत्याओं पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई सुप्रीम चिंता

नईदिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी में आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई। इसके साथ ही यह सवाल भी पूछा कि दिल्ली में दिनदहाड़े हो रहीं हत्याओं पर पुलिस क्या कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र एवं दिल्ली सरकार से राष्ट्रीय राजधानी में गैंगस्टरों से जुड़े केसों के जल्द निपटारे के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित करने पर विचार करने को कहा। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसडी संजय को यह सुझाव दिया। बेंच को बताया गया कि राष्ट्रीय राजधानी की अदालतों में गैंगस्टर से संबंधित 288 मुकदमे लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि सरकार द्वारा प्रस्तावित निर्णय लिया जाता है तो सभी लंबित मुकदमों को समाप्त किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दुर्दांत अपराधियों के शीघ्र मुकदमों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट की स्थापना से ऐसी स्थिति से बचा जा सकता है जहां उन्हें जमानत पर रिहा करना पड़े। कोर्ट ने केंद्र एवं दिल्ली सरकार, दिल्ली हाईकोर्ट से लंबित मामलों में समग्र दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कोर्ट ने गवाहों की सुरक्षा पर जोर देते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से इस संबंध में उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। कोर्ट ने कहा कि गवाह आपकी आंखें और कान हैं। पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए क्या कर रही है? दिनदहाड़े सड़क पर हत्या और सबूतों के अभाव में व्यक्ति बेखौफ घूमता है...आम आदमी की नजर में कानून का राज पूरी तरह से कमजोर हो गया है। गैंगस्टरों के साथ बेवजह सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। समाज को इनसे छुटकारा पाना होगा। एनसीआर, हरियाणा में क्या हो रहा है? न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि ऐसे मामलों में गवाहों को अपने पक्ष में करने के लिए मुकदमे को लंबा खींचने की योजना अपनाई जाती है।

दिल्ली में बनेगा पर्यटन सर्किट, टूरिस्टों को इन जगहों पर घुमाएंगी स्पेशल बसें

नईदिल्ली , एजेंसी। राजधानी दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा देने और देशी-विदेशी पर्यटकों की सहूलियत के लिए पर्यटन सर्किट बनाकर विशेष बस सेवा शुरू की जाएगी। इसके लिए डीटीसी और पर्यटन विभाग के बीच सैद्धांतिक सहमति बन गई है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बोर्ड बैठक में भी इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। अब बसों के किराये से संबंधित कुछ बिंदुओं पर वार्ता अंतिम दौर में है और जल्द ही इस पर भी सहमति बनने की उम्मीद है। ऐसे में 15 अगस्त से पहले यह सेवा दिल्ली में शुरू हो सकती है। दरअसल, दिल्ली में पहले भी ऐसी बसें चलती थीं, लेकिन कोरोना संक्रमण के दौरान सेवा बंद हो गई थी। अब इस सेवा को नया रूप देकर दोबारा शुरू करने की प्लानिंग की जा रही है। इसके तहत दिल्ली में स्थित लाल किला, कुतुब मीनार, कर्तव्य पथ, प्रधानमंत्री संग्रहालय, युद्ध स्मारक, लोटस टैंपल समेत कई अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को शामिल कर एक पर्यटन सर्किट बनाया जाएगा। इस सर्किट पर विशेष बसों को चलाया जाएगा। प्लानिंग के मुताबिक, प्रत्येक बस में एक गाइड होगा, जो बस सेवा लेने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को पर्यटन स्थलों का इतिहास और महत्व बताएगा। पर्यटन विभाग की पहल पर इस प्रस्ताव को डीटीसी की बोर्ड मीटिंग में पेश किया गया था, जिसे बोर्ड से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। फिलहाल दो इलेक्ट्रिक बसों को इस पर्यटन सर्किट पर चलाया जाएगा। नौ मीटर लंबी इन छोटी इलेक्ट्रिक बस में करीब 32 यात्री बैठ सकेंगे। डीटीसी के मुताबिक, पर्यटन विभाग और दिल्ली परिवहन निगम के बीच 15 जुलाई से 31 मार्च तक के लिए एमओयू साइन किया गया है। दरअसल, इन बसों के संचालन से पर्यटन विभाग को आमदनी होगी। माना जा रहा है कि पर्यटन विभाग 6 से 12 साल के बच्चे के लिए 300 रुपये और वयस्कों के टिकट की दर 500 रुपये तक तय कर सकता है। डीटीसी की ओर से दो मॉडल के आधार पर बस उपलब्ध कराने की योजना है। इनमें प्रतिदिन किराया दर के आधार पर बस उपलब्ध कराई जाएगी या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर बसें दी जाएं, इस पर मंथन चल रहा है। इसको लेकर अब यह प्रस्ताव डीटीसी की आगामी बोर्ड बैठक में दोबारा ले जाया जा सकता है।

पहले खिलाए छोले-भटूरे फिर 27 बार मारे छुरे, इंस्टा पर कॉमेंट ने करा दिया खौफनाक कत्ल

नईदिल्ली , एजेंसी।
गाजियाबाद में ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने इलायचीपुर गांव के जंगल में दो दिन पहले हुई किशोर की हत्या का पर्दाफाश करते हुए उसके तीन दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर हंसी-मजाक वाले कॉमेंटकरने पर हुए विवाद के बाद हुई मारपीट का बदला लेने के लिए किशोर पर चाकू और छूरी से 27 वार कर हत्या की थी। आरोपी किशोर को घुमाने के बहाने घर से लेकर आए थे और हत्या से पहले छोले-भटूरे भी खिलाए थे।

दिल्ली के खजूरी में श्रीराम कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय किशोर रिहान का शव मंगलवार रात को इलायचीपुर के जंगल में मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गहरे आघात से मौत की पुष्टि हुई थी। वहीं, रिहान की मां की शिकायत पर पुलिस ने बुधवार को उसके दोस्त वसीम, साहिल उर्फ टुल्ली निवासी श्रीराम कॉलोनी खजूरी दिल्ली और

रिहान उर्फ पंडत निवासी कासिम विहार फेस दो, इलायचीपुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। बुधवार रात पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों को कासिम विहार कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चारों काफी पुराने दोस्त थे। रिहान समेत सभी सोशल मीडिया पर थे। रिहान वसीम और एक युवती के इंस्टाग्राम पर कमेंट करता था। कुछ कमेंट से वसीम चिढ़ गया था। इसे लेकर रिहान और वसीम में मारपीट भी हुई थी।

वसीम ने बदला लेने के लिए साजिश रची। रिहान को भनक न लगे, इसके लिए वह उससे दोबारा दोस्त की तरह मिलने लगा। मंगलवार को अपने दोनों साथियों संग वह रिहान के घर गया और उसे लाकर इलायचीपुर में हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि साहिल ने रिहान को पीछे से पकड़ लिया और वसीम ने चाकू व रिहान ने छुरी से कई वार कर दिए। इससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। इस दौरान एक गाड़ी को अपनी ओर आता देख साहिल के हाथ से छुरी घटना स्थल पर गिर गई। मौके से भागते समय कुछ दूरी पर जाकर वसीम ने चाकू को कीकर के पेड़ के पास छिपा दिया। एसीपी ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर चाकू और छुरी बरामद कर ली है।

कासिम विहार में रहने वाला रिहान उर्फ पंडत भी पूर्व में श्रीराम कॉलोनी में ही रहता था। कुछ समय पहले ही उसका परिवार कासिम विहार में शिफ्ट हुआ है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने इलायचीपुर में ही हत्या करने की साजिश रची थी। इसके तहत सोमवार को किशोर को उसके घर बुलाकर ले गए। रास्ते में उसे छोले-भटूरे भी खिलाए। पंडत ने अपने घर घुमाने की बात कही तो बाकी दोनों आरोपियों ने भी चलने को कहा और इसी बहाने से किशोर को घटनास्थल पर ले गए और हत्याकांड को अंजाम दिया। रिहान एसी-मैकेनिक का काम सीख रहा था, जबकि उसके पिता दुबई में नौकरी करते हैं।

रिहान ने वसीम और उसकी कथित दोस्त की इंस्टाग्राम पोस्ट पर कमेंट किए थे। वसीम ने रिहान को कॉमेंट करने से मना किया था। वह हंसी-मजाक के कॉमेंट करता था।

दिल्ली के कंझावला में 64 साल के बुजुर्ग पर नाबालिग से रेप का आरोप, केस दर्ज

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के कंझावला इलाके में 62 साल के बुजुर्ग पर 16 साल की लड़की ने दुष्कर्म करने के आरोप लगाए हैं। आरोपी पीड़िता का पड़ोसी बताया जाता है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना कथित तौर पर 8 अप्रैल को तब हुई जब कुतुबगढ़ गांव के लांबा पन्ना निवासी और फर्नीचर की दुकान चलाने वाला आरोपी ने पीड़िता को उसके जन्मदिन पर गिफ्ट देने उसके घर आया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार वह घर पर अकेली थी जब आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम किया और बाद में उसे घटना का खुलासा नहीं करने की धमकी दी। पीड़िता ने अपनी मां से पूरी बात बताई और मां के साथ कंझावला पुलिस स्टेशन पहुंचकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

रक्षाबंधन पर ट्रेन में सीट नहीं, बसों का किराया बढ़ा

नईदिल्ली , एजेंसी। रक्षाबंधन पर इस बार घर जाने की इच्छा रखने वालों का सफर मुश्किल भरा होगा। उत्तर पूर्व की ओर जाने वाली किसी भी ट्रेन में सीट नहीं नहीं है। वहीं, निजी बस में सीट तीन गुने किराए में बुक हो रही।

रक्षाबंधन का त्योहार इस बार नौ अगस्त शनिवार को है। रविवार की छुट्टी होने के कारण इस बार इस त्योहार पर लोगों का अपडाउन ज्यादा रहेगा। लोग शुक्रवार की भी छुट्टी लेकर अपने घरों की ओर रवाना होंगे। इसलिए शुक्रवार की शाम से रेलवे स्टेशन से उत्तर पूर्व की ओर जाने वाली ट्रेन में ज्यादा मारामारी रहेगी। जाने वाली ट्रेन में सात और आठ अगस्त को किसी भी ट्रेन में वेटिंग टिकट भी उपलब्ध नहीं है। अब लोगों को केवल तत्काल सेवा में टिकट की उम्मीद है। आठ अगस्त की ट्रेन में तत्काल टिकट के लिए सात अगस्त को बुकिंग होगी। जो लोग अब तक अपनी सीट बुक नहीं करा पाए, उन्हें तत्काल सेवा में सीट मिलने की उम्मीद है।

रक्षा बंधन के पर्व को देखते हुए शहर के बस डिपो ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आने वाले दिनों में शहर से विशेष बसों का संचालन किया जाएगा, ताकि त्योहार पर यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। साहिबाबाद डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश ने बताया कि डिपो की कुल 155 बसों को विशेष रूप से रक्षा बंधन के लिए ड्यूटी पर लगाया जाएगा। इन बसों का संचालन तय गंतव्यों के लिए होगा, लेकिन रूट यात्रियों की संख्या के अनुसार तय किए जाएंगे। इसी तरह कौशांबी डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अंशु भटनागर ने बताया कि रक्षा बंधन के लिए विशेष बस संचालन की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसे सोमवार तक मुख्यालय भेजा जाएगा। मुख्यालय से मंजूरी मिलते ही संचालन शुरू कर दिया जाएगा। गाजियाबाद से गोरखपुर जाने के लिए सरकारी बस का किराया 1200 रुपये हैं,

कुख्यात गैंगस्टर नवीन खाती दिल्ली के मित्राऊं गांव से गिरफ्तार

नईदिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली में लगातार हो रहे गैंगवार के लिए जाफरपुर कलां थाना पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर नवीन खाती को नजफगढ़ स्थित उसके गांव मित्राऊं में छापा मारकर गिरफ्तार किया है। नवीन खाती को शूटर दिनेश मान और देवेंद्र उर्फ शूटर की निशानदेही पर पकड़ा गया है। दोनों नवीन से अवैध हथियार लेकर बेचने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस टीम ने उन्हें तलाशी के लिए रोका और उन्हें अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस द्वारा मित्राऊं गांव में छापा मारकर नवीन खाती को दबोच लिया गया। तीनों आरोपियों के पास से एक पिस्तौल, तीन कट्टे (देशी पिस्तौल) और 25 कारतूस बरामद किए गए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि जाफरपुर कलां थाने में तैनात पुलिसकर्मी 17 जुलाई को रात लगभग 10:25 बजे सुरहेड़ा मोड़-मुख्य ढांसा रोड के पास वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक कार में दो लोगों को जांच के लिए रुकने का इशारा किया गया। दोनों आरोपियों ने पुलिस को

देखकर गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने दोनों को पीछा कर उन्हें दबोच लिया। तलाशी में आरोपियों के पास से 3 अवैध पिस्तौल और 23 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों दिनेश कुमार मान और देवेंद्र उर्फ शूटर को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ शुरू की। पुलिस की पूछताछ में दिनेश कुमार मान और देवेंद्र उर्फ शूटर ने बताया कि वह गैंगस्टर नवीन खाती से हथियार लेकर आए थे। यह हथियार वो दूसरे गैंग को सप्लाई करने के लिए जा रहे थे। दोनों आरोपियों पर पहले भी दर्जनों मामले दर्ज हैं।

जीवनसाथी को बदनाम करने ऑफिस में की टिप्पणियां क्रूरता समान

नईदिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि अलग रह रहे जीवनसाथी की नौकरी वाली जगह पर जाकर की गई शिकायतों में अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां क्करूरता के समान हैं। इसी के साथ अदालत ने इस आधार पर पति को दिए गए तलाक के फैसले को बरकरार रखा। सुनवाई के दौरान महिला और पुरुष दोनों ने एक-दूसरे पर व्यभिचार का आरोप लगाया। हालांकि कोर्ट ने अपने आदेश में इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों से एक-दूसरे के प्रति उचित सम्मान दिखाने की अपेक्षा की जाती है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महिला द्वारा पति को परेशान करने और कार्यस्थल पर उसके सहकर्मियों के सामने उसे अपमानित करने के लिए उसकी कंपनी में शिकायतें की गई थीं। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रेणु भटनागर की पीठ ने 1 जुलाई को दिए अपने फैसले में कहा कि विवाह में आपसी सम्मान और सामंजस्य आवश्यक रहता है और कुछ पक्षों को एक-दूसरे के साथ सामंजस्य बैठाने में कम समय लगता है जबकि अन्य को ज्यादा समय लगता है। पीठ ने कहा, इन शिकायतों के गुण-दोष पर ध्यान दिए बिना,

और चाहे इनमें लगाए गए आरोप झूठे हों या सच्चे, हम पाते हैं कि जीवनसाथी के नियोक्ता (बॉस) को शिकायतों के रूप में ऐसी अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां करना क्करूरता के अलावा और कुछ नहीं है। अदालत ने अपने आदेश में पति-पत्नी के बीच रिश्ते में सहिष्णुता, सामंजस्य और पारस्परिक आपसी सम्मान को एक स्वस्थ और सुदृढ़ विवाह की नींव बताया। इसके साथ ही उच्च न्यायालय ने महिला की अपील को खारिज करते हुए पत्नी द्वारा क्करूरता के आधार पर पति को तलाक देने के पारिवारिक न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस जोड़े का विवाह साल 1989 में हुआ था और 2010-11 में अलग होने से पहले उनके दो बच्चे थे। पत्नी ने तलाक के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी और दावा किया था कि उसे और उसके बच्चों को ससुराल से जबरन बेदखल करने के लिए अलग रह रहे उसके पति ने विभिन्न गैरकानूनी तरीके अपनाए थे। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर लगाए गए व्यभिचार के आरोपों पर गौर किया।

थाईलैंड-कंबोडिया में लगातार दूसरे दिन गोलीबारी

बैंकॉक / नोम पेन्ह, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहा संघर्ष दूसरे दिन भी जारी है। शुक्रवार सुबह दोनों देशों के सैनिकों ने बॉर्डर पर फायरिंग की है। थाई सरकार ने शुक्रवार को बताया कि 1 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ने के लिए मजबूर हो चुके हैं। अब तक थाईलैंड के 16 लोगों की मौत हुई है। जिसमें 1 सैनिक और 15 आम लोग हैं। 46 लोग घायल हुए हैं। अभी तक कंबोडिया की तरफ से मृतकों या घायलों की कोई आधिकारिक संख्या नहीं बताई गई है। विवाद की वजह 900 साल पुराना शिव मंदिर (प्रासात ता मुएन थोम) है। जब थाई सेना के अनुसार कंबोडियाई सैनिकों ने थाई सैन्य ठिकानों के ऊपर ड्रोन उड़ाए। थाई सेना का कहना है कि उसने बातचीत के जरिए तनाव कम करने की कोशिश की, लेकिन जब बात नहीं बनी तो सुबह 8: 20 बजे भारी गोलीबारी शुरू हो गई। कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह स्थित रॉयल थाईलैंड दूतावास ने कहा कि सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है और झड़पों के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना के कारण, दूतावास ने अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके

कंबोडिया छोड़ने को कहा है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद का इतिहास 118 साल पुराना है, जो प्रीह विहियर मंदिर और आसपास के क्षेत्रों को लेकर है। जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तभी 1907 में दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने हमेशा इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर नाम का ऐतिहासिक मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था। इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। न्यायालय में ले गया और 1962 में अदालत ने फैसला दिया कि मंदिर कंबोडिया का है। थाईलैंड ने इसे स्वीकार किया, लेकिन आसपास की जमीन को लेकर विवाद जारी रखा। 2008 में यह विवाद तब और बढ़ गया जब कंबोडिया ने इस मंदिर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की कोशिश की। मंदिर को मान्यता मिलने के बाद दोनों देशों की सेनाओं में फिर झड़पें शुरू हो गई और 2011 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि हजारों लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए। 2011 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने दोनों देशों को विवादित क्षेत्र से सैनिक हटाने का आदेश दिया, और 2013 में फिर से पुष्टि की कि मंदिर और उसके आसपास का क्षेत्र कंबोडिया का है। लेकिन सीमा का मुद्दा अब तक पूरी तरह हल नहीं हो पाया है।

सीईओ के बाद अब एचआर हेड ने भी दिया इस्तीफा, कोल्डप्ले के कंसर्ट में वायरल हुआ था वीडियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर की एचआर हेड क्रिस्टीन कैबोट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिस्टीन कैबोट का हाल ही में कंपनी के सीईओ एंडी बेरोन के साथ एक वीडियो वायरल हुआ था। दोनों कोल्डप्ले के कंसर्ट में साथ दिखाई दिए थे, जिससे दोनों के निजी संबंधों को लेकर खुलासा हो गया। गौरतलब है कि एंडी बेरोन पहले ही सीईओ पद से इस्तीफा दे चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है, लेकिन अभी तक न कंपनी की तरफ से और न ही क्रिस्टीन केबोट की तरफ से इसकी पुष्टि की गई है। दरअसल क्रिस्टीन केबोट और एंडी बेरोन बीती 16 जुलाई को बोस्टन के मेसाच्युसेट्स में मशहूर बैंड कोल्डप्ले के कंसर्ट में गए थे। दोनों जब गले लगकर कोल्डप्ले के गानों का लुत्फ ले हे थे, तभी दोनों कैमरे में कैद हो गए और कंसर्ट में लगी बड़ी स्क्रीन पर दिखाई दिए। कैमरे में आते ही दोनों ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी, उस पर कोल्ड प्ले के प्रमुख गायक क्रिस मार्टिन ने कहा कि दोनों का या तो अफेयर है या फिर दोनों बहुत ही शर्मीले हैं। इसके बाद यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

वीडियो वायरल होने के बाद जांच पड़ताल में पता चला कि वीडियो में दिख रहा शख्स अमेरिकी टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बेरोन और महिला कंपनी की मानव संसाधन प्रमुख क्रिस्टीन केबोट हैं। एंडी शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। यही वजह रही कि यह मामला तूल पकड़ गया।

विवाद बढ़ने पर कंपनी ने एंडी बेरोन को छुट्टी पर भेज दिया और एंडी के खिलाफ जांच शुरू कर दी। इसके बाद एंडी ने सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया। अब क्रिस्टीन के भी इस्तीफा देने की खबर सामने आई है। वहीं कंपनी ने बताया कि कंपनी के सह-संस्थापक और मुख्य उत्पाद अधिकारी पीट डेजॉय को अंतरिम तौर पर सीईओ पद की जिम्मेदारी दी गई है। बोर्ड नए सीईओ की तलाश कर रहा है। नए सीईओ की नियुक्ति तक डेजॉय ही सीईओ पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

भारत से अच्छे संबंध चाहता है बांग्लादेश

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने गुरुवार को कहा कि अंतरिम सरकार हमेशा भारत के साथ आपसी सम्मान और समानता के आधार पर अच्छे संबंध चाहती है। मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यह बात तब कही, जब उनसे पूछा गया कि क्या वे भारत की मेडिकल टीम के बांग्लादेश में आने को दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों का सकारात्मक संकेत मानते हैं? बांग्लादेश के ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, हम शुरू से ही यही चाहते थे। हमने हमेशा कहा है कि हम भारत के साथ अच्छे कामकाजी रिश्ते चाहते हैं। हमारा रुख वही है। अंतरिम सरकार में किसी ने भी कभी यह नहीं कहा कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते। दरअसल, भारत से विशेषज्ञ डॉक्टरों और नर्सों की एक टीम बुधवार रात ही ढाका पहुंची थी, जो विमान हादसे में घायल लोगों का इलाज कर रही है।

महान खिलाड़ी हल्क होगन की 71 वर्ष की आयु में हृदयाघात से हुआ निधन

फ्लोरिडा, एजेंसी।
पेशेवर कुश्ती के दिग्गज हल्क होगन का 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। टीएमडब्ल्यू स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लोरिडा स्थित उनके घर पर संदिग्ध हृदयाघात की सूचना मिलने के बाद 911 पर कॉल की गई, जिसके बाद आपातकालीन सेवा टीम मौके पर पहुंची। हल्क होगन की पत्नी ने हाल ही में उनके कोमा में होने की अफवाहों का खंडन किया था और बताया था कि उनका दिल मजबूत है तथा वे कई सर्जरियों के बाद ठीक हो रहे हैं।

हल्क होगन को पेशेवर कुश्ती में क्रांति लाने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। वे अपने प्रशंसकों के लिए एक युग का अंत हैं, जिन्होंने उन्हें कुश्ती को एक परिवार-केंद्रित, मुख्यधारा के वैश्विक तमाशे में बदलते देखा।

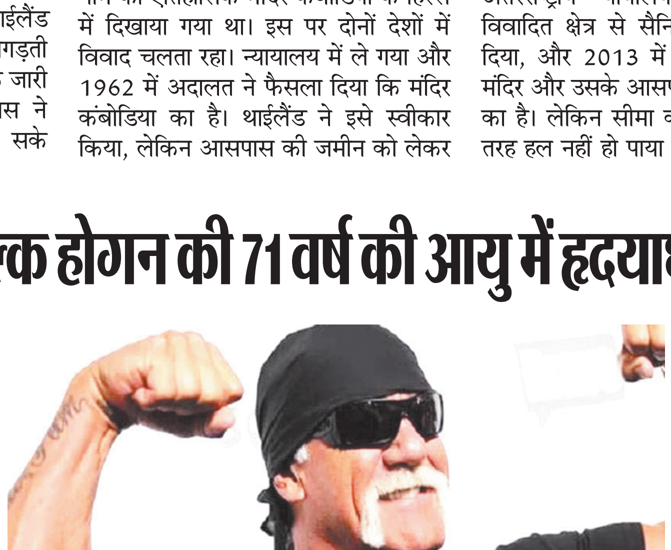

11 अगस्त 1953 को जॉर्जिया के ऑगस्टा में टेरी यूजीन बोलिया के रूप में जन्मे हल्क होगन 1980 और 1990 के दशक में पेशेवर कुश्ती के सबसे बड़े सितारों में से एक बने। अपनी विशिष्ट हैंडलबार मूंछों, पीले रंग के बंदना और जब हल्कमेनिया आप पर हावी हो जाए तो आप क्या करेंगे? जैसे प्रसिद्ध स्लोगन के साथ, उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को हर घर तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई।

हल्क होगन ने पहले नौ रेसलमेनिया में से आठ में मुख्य भूमिका निभाई और छह बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप अपने नाम की। इसके अलावा, उन्होंने फिल्मों, टीवी शो और विज्ञापनों में भी अभिनय किया, जिससे वे एक क्रॉसओवर सेलिब्रिटी बन गए। उनका करिश्मा और नाटकीय प्रदर्शन लाखों नए प्रशंसकों, खासकर बच्चों और परिवारों को आकर्षित करने वाला था, उस दौर में जब कुश्ती अभी तक एक सीमित दर्शक वर्ग तक ही सीमित थी।

1996 में हल्क होगन ने अपनी छवि में बड़ा बदलाव किया और अमेरिकी हीरो से खलनायक हॉलीवुड होगन बनकर डब्ल्यूसीडब्ल्यू (वर्ल्ड चैंपियनशिप रेसलिंग) के प्रतिष्ठित गुट न्यू वर्ल्ड ऑर्डर की स्थापना की। इस बदलाव ने उनके करियर को नई ऊँचाइयों पर पहुंचाया और कुश्ती की कहानी-आधारित शैली के एक नए युग की शुरुआत की, जिसने दर्शकों को रोमांचित रखा। हल्क होगन का निधन एक बड़े युग का अंत है और वे हमेशा कुश्ती के इतिहास में एक अमर नाम के रूप में याद किए जाएंगे।

गाजा में जुलाई में कुपोषण से 48 और फिलीस्तीनियों की मौतें

गाजा एजेंसी। इजरायली हमलों और नाकेबंदी से बुरी तरह प्रभावित गाजा पट्टी में भुखमरी की स्थिति और भयावह होती जा रही है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को जानकारी दी कि जुलाई 2025 में अब तक कुपोषण से कम से कम 48 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस साल यानी 2025 में अब तक कुल 59 लोग कुपोषण के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। पिछले पूरे साल 2024 में यह आंकड़ा 50 था, जबकि 2023 में इजरायली हमले शुरू होने के बाद कुपोषण से चार लोगों की मौत हुई थी। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल में हमास के हमले के जवाब में इजरायल ने गाजा पर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। इसके बाद से ही गाजा में जरूरी खाद्य सामग्री और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी बनी हुई है। कि बुधवार को भी कुपोषण से पीड़ित एक पुरुष और एक महिला की मौत हुई। मंत्रालय ने आंकड़े जारी करते हुए बताया कि 2023 से अब तक कुपोषण से मरने वालों में कुल 113 फलस्तीनी शामिल हैं, जिनमें 81 बच्चे हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अगर जल्द ही युद्धविराम और राहत सामग्री की निर्बाध आपूर्ति नहीं हुई तो आने वाले महीनों में यह संकट और गहरा सकता है।

दिव्यांग रघुनाथ की बात सुनने कुर्सी छोड़ उनके पास पहुंची डीडीसी

जनता दरबार में आए कई फरियादियों की समस्या का मौके पर निष्पादन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में उस समय एक भावुक दृश्य उत्पन्न हो गया जब उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने अपनी कुर्सी छोड़कर रेलवे कालोनी कुमीर्डीह निवासी दिव्यांग रघुनाथ गोराई के पास जाकर उनकी शिकायत को सुना और समझा। रघुनाथ बीएसएल (बोकारो स्टील लिमिटेड) प्लांट में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मी हैं, जिन्होंने प्लांट परिसर में ही हुए एक दुर्घटना में अपने दोनों पैर गंवा दिए हैं। उन्होंने जनता दरबार में उपस्थित होकर बताया कि दुर्घटना के बाद उन्हें आउटसोर्सिंग कंपनी से जो मुआवजा - चिकित्सीय सहायता आदि तय हुआ था, वह नहीं मिल रहा है। जिससे काफी परेशानी हो रही है। रघुनाथ की व्यथा सुनकर डीडीसी ने न सिर्फ संवेदना व्यक्त की बल्कि तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएसएल प्रबंधन एवं संबंधित आउटसोर्सिंग कंपनी को मामले में अपना पक्ष लिखित रूप से रखने का संबंधित पदाधिकारी को पत्राचार करने का निर्देश दिया। मौके पर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए 35 से अधिक लोगों ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। डीडीसी ने सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुना और कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को अविलंब जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

विभिन्न विभागों से संबंधित रही शिकायतें

जनता दरबार में जिन विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उनमें प्रमुख रूप से भूमि अतिक्रमण, जमीन पर अवैध कब्जा, सामाजिक सुरक्षा, सिविल सर्जन कार्यालय, बीएसएल, कृषि, डीसीएलआर चास, परिवहन, आपूर्ति, कल्याण, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो, अंचलाधिकारी चंदनकियारी, भू-अर्जन, राजस्व, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण विभाग आदि शामिल रहा। जनता दरबार में डीपीएलआर निदेशक मेनका, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

हर घर जल योजना के शीघ्र निर्माण हेतु दिया गया आवश्यक दिशा-निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) एवं स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम), स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 (सीसीजी) के प्रगति की समीक्षा बैठक की। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन में तीव्रता लाने एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के उद्देश्य से कई दिशा - निर्देश दिया।

स्कीम का वीडब्ल्यूएससी को हस्तांतरण व शेष ग्रामों को हर घर जल घोषित करने का निर्देश

डीडीसी ने संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाओं का हस्तांतरण ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) को शीघ्र किया जाए। साथ ही, जलकर की वसूली में सुधार लाने और जो ग्राम अब तक हर घर जल घोषित नहीं हुए हैं, उन्हें चिन्हित कर अविलंब योजना का लाभ सुनिश्चित करने को कहा।

एसएसजी-25 में फीडबैक बढ़ाने पर दिया जोर

डीडीसी ने डीपीएम जेएसएलपीएस अनील डुंगडुंग एवं डीईओ जगरनाथ लोहरा को एसएसजी-25 के अंतर्गत अधिक से अधिक फीडबैक प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि समुदाय आधारित फीडबैक प्रणाली से योजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता दोनों सुनिश्चित होती हैं। बैठक में कार्यपालक अभियंता चास रामप्रवेश राम, कार्यपालक अभियंता तेनुघाट चंदन कुमार, सभी सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, डीपीएम चास, यूनिसेफ टीम एवं डीपीएम जेएसएलपीएस सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी को योजनाओं की समीक्षा के क्रम में जिम्मेदारियों का निर्वहन तत्परता से करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी की बैठक सम्पन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद जिला कमेटी की बैठक झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सूरज महतो के कतरास कांको मोड़ स्थित आवासीय कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के विस्तार एवं बूथ स्तर तक मजबूती को लेकर चर्चा हुआ। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी को जन-जन तक पहुँचाने, युवाओं को जोड़ने और बूथ कमेटियों के गठन पर मजबूती से काम किया जायेगा ।बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना और संगठन को प्रखंड से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत बनाना प्राथमिकता होगी। इस अवसर डॉ. नीलम मिश्रा केंद्रीय मीडिया पैनलिस्ट सदस्य, लखी सोरेन जिला अध्यक्ष ,मन्नू आलम जिला सचिव,मुकेश सिंह जिला उपाध्यक्ष, मनोज रवानी जिला उपाध्यक्ष,समीर रवानी जिला प्रवक्ता,हरीश सिंह व्यवसायिक मोर्चा जिला अध्यक्ष,शंकर महतो युवा मोर्चा जिला सचिव, राज आनंद सिंह (जिला समिति सदस्य, रतिलाल टुडू वरिष्ठ नेता, टुंडी, अजमुद्दीन अंसारी अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष,इम्तियाज अहमद नाज़िम अल्पसंख्यक मोर्चा सचिव,धीरेन रवानी बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष,दयाल महतो, अहसान अंसारी समेत सैकड़ों वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता सभी उपस्थित थे।

जनशिकायत कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी ने सुनी आमजनों की शिकायत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जनशिकायत कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी नियाज अहमद ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के राजगंज, कतरास, नावाडीह, टुंडी, बड़ा अंबोना सहित अन्य क्षेत्रों से आए लोगों की समस्या सुनी। जनता दरबार में नावाडीह में जल जमाव से निजात दिलाने, सेरेब्रल पाल्सी ऑपरेशन के लिए सहायता प्रदान कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत करने, जमीन मापी, खतियानी जमीन पर जबरन कब्जा कर घर बनाने, छल कपट कर पुश्तैनी जमीन पर कब्जा करने सहित अन्य मामले प्राप्त हुए। सभी मामलों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी को अग्रसारित किया गया। मौके पर आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा, एपीआरओ आलोक कुमार मिश्रा, जन शिकायत कोषांग के प्रधान लिपिक श्री नंदकिशोर कुशवाहा मौजूद थे।

31 जुलाई से 1 अगस्त तक बरवाअड्डा हवाई पट्टी के आस-पास का क्षेत्र 'नो फ्लाई जोन' घोषित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बरवाअड्डा हवाई पट्टी के आस-पास के क्षेत्र को 31 जुलाई के सुबह दस बजे से 1 अगस्त 2025 की संध्या 6 बजे तक नो फ्लाई जोन घोषित किया है। इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रपति, भारत सरकार का आई.आई.टी. (आई.एस.एम.) में 1 अगस्त 2025 को भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। राष्ट्रपति का वायुमार्ग से अवतरण बरवाअड्डा हवाई पट्टी निर्धारित है। उक्त के निमित्त सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से ड्रोन, पाराग्लाईडिंग, हॉट एयर बैलून एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को निषेध करते हुए बरवाअड्डा हवाई पट्टी के आस-पास के क्षेत्र को "नो फ्लाई जोन" घोषित किया जाना आवश्यक है। राष्ट्रपति, भारत सरकार के प्रस्तावित धनबाद भ्रमण कार्यकम के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत दिनांक 31.07.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 01.08.2025 की संध्या 06:00 बजे तक बरवाअड्डा हवाई पट्टी के आस-पास के क्षेत्र को नो फ्लाई जोन घोषित किया जाता है।

पूर्व सांसद फूलन देवी को 24वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद/अलकडीहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड निषाद विकास संघ के तत्वाधान में एमओसीपी में पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी की 24वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता झारखंड निषाद विकास संघ के केंद्रीय प्रधान महासचिव रितेश निषाद एवं संचालन केंद्रीय सचिव राजा निषाद ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी ने बारी बारी से वीरांगना फूलन देवी की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी वक्ताओं ने उनके जीवनी पर विचार रखें हुए कहा कि वीरांगना फूलन देवी की जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने समाज में अन्याय और शोषण के खिलाफ हथियार भी उठाया । वह अपने लोकप्रियता से दो बार सांसद भी चुनी गई । कहा कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर असामाजिक तत्वों के द्वारा उनकी हत्या कर दी गई ।आज वह पूरे देश मे वीरांगना फूलन देवी के नाम से जानी जाती हैं कार्यक्रम में उपस्थित अलकडीहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिध संजय दास ,तपन रजक, मथुरा मल्लहा, सुनील निषाद, दशरथ कुमार, मुकेश निषाद ,मानिकचंद महतो, महेश राम, श्याम सुंदर नाथ, जिला सचिव पप्पू आदि थे।

पैसा दोगुना करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

ठगी के 34 लाख बरामद, अन्य कई मामलों के खुलासे की संभावना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विगत 18 जुलाई को चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अलकुशा मोड में हुए लूट कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने 34 लाख बरामद कर लिए है। इस लूट कांड में जामताड़ा जिले से नरेश मंडल और अमित साव को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों के पास से 7 लाख रुपए बरामद किया गया है, जबकि इनके एक अन्य साथी रितिक सिंह के घर से 27 लाख रुपए बरामद किया गया है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि इस लूट कांड को बिहार के लखीसराय के रहने वाले सुदर्शन कुमार उर्फ बंटी सिंह उर्फ पाठक के साथ मिलकर अन्य सदस्यों ने अंजाम दिया था। सुदर्शन कुमार ने पैसे को डबल करने का लालच देकर रांची के रहने वाले अभय आनंद एवं उनके सहयोगी बबलू तिवारी उर्फ दिलीप तिवारी से पहले नरेश मंडल और अमित साव के बने हुए अकाउंट में रांची से 65 लख रुपए आरटीजीएस कराया। उसके बाद दोनों ने अकाउंट से पैसे निकाल लिए इसके बाद धनबाद के खालसा होटल के पास स्थित एक कमरे में ले जाकर डबल किए हुए राशि का का बैग अभय आनंद और उसके साथियों को दे दिया। उसके साथ आरोपियों का एक सहयोगी जे के उर्फ विक्की खान कर को ड्राइव करते हुए विभिन्न इलाकों से घूमते हुए और उसे अलकुशा मोड लाया। जहां पहले से ही स्कॉर्पियो में उसके अन्य सहयोगी मौजूद थे। विक्की खान को इसके साथियों ने गाड़ी से उतारा और अभय आनंद और उसके सहयोगी को भी गाड़ी से उतरते हुए गाड़ी लेकर फरार हो गए। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि यह पूरी तरह से पैसे को डबल करने का झांसा देकर लूट का मामला है। जांच में पता चला है कि उनके द्वारा पहले भी 35 लाख और 15 लाख की लूट इसी तरह झांसा देकर की गई है। उन्होंने बताया कि यह बड़ा रैकेट काम कर रहा है। फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों को झांसा में ले रहे हैं। यह पूरी तरह से कई एजेंसियों से जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि इसका रैकेट कहां-कहां फैला हुआ है।

राशन कार्ड ई-केवाईसी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय समय सीमा तक कार्य पूर्ण करें डीलरः डीएसओ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में राशन कार्ड से जुड़ी ई-केवाईसी प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) शालिनी खालखो की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जविप्र (जन वितरण प्रणाली) दुकानों के उन डीलरों को आमंत्रित किया गया था जिनका प्रदर्शन ई-केवाईसी कार्य में बेहद कमजोर रहा है। डीएसओ ने बैठक में कहा कि 31 जुलाई 2025 तक शत-प्रतिशत कार्डधारियों का ई-केवाईसी नहीं कराने वाले डीलरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस रद्द करना शामिल है। उन्होंने कहा कि कई दुकानदारों द्वारा बार-बार चेतावनी के बावजूद कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, जिससे न केवल सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न हो रही है। डीएसओ ने बैठक में उपस्थित डीलरों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे प्रत्येक लाभुक को ई-केवाईसी के महत्व की जानकारी दें, ताकि लाभुकों की पात्रता सुनिश्चित हो सके और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिलता रहे। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी से डुप्लीकेसी पर रोक लगेगी और पात्र लाभुकों को वास्तविक रूप में लाभ पहुंच सकेगा।

जनता दरबार में प्राप्त शिकायत पर घंटे भर में की कार्रवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जनता दरबार में कसमार के धधकिया ग्रामीणों द्वारा मानस मुखर्जी नामक व्यक्ति पर तंत्र-मंत्र/हस्तरेखा/ वशीकरण विशेषज्ञ बन ग्रामीणों से ठगी करने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई। जिस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने मामले की जांच के लिए एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ को निर्देश दिया। एसडीओ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अंचलाधिकारी कसमार प्रदीप कुमार, थाना प्रभारी व पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचें। हालांकि, मानस मुखर्जी के घर के बाहर ताला जड़ा हुआ पाया। एसडीओ व टीम के सदस्यों ने स्थानीय ग्रामीणों से मामले में पूछताछ की। एसडीओ ने बताया कि मामला प्रशासन के संज्ञान में आया है स्थानीय प्रशासन इस पर निगरानी रखेगा और संबंधित के विरूद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ बेरमो ने ग्रामीणों से अपील किया है कि वह किसी भी तरह के अंधविश्वास में नहीं आएं और किसी भी तरह के ठगी का शिकार नहीं हो। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना अविलंब प्रशासन को दें।

बीएसएल : सीईडी विभाग में सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल के सिविल इंजीनियरिंग विभाग (सीईडी) में एक दिवसीय सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ महाप्रबंधक (सीईडी) ए.के. अविनाश, महाप्रबंधक (सीईडी) मो. शाहबुद्दीन, महाप्रबंधक (सीईडी) मो. तसनीम सलाम सहित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक भी मौजूद रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ सुरक्षा शपथ के साथ हुआ। सहायक महाप्रबंधक (सीईडी) श्रीमती ज्योति ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने अपने संबोधन में सभी को निरंतर सुरक्षा उपायों का पालन करने तथा सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने औद्योगिक विस्तार की आवश्यकताओं को देखते हुए उन्नत सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (एडवांस्ड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम) की अनिवार्यता पर बल दिया। इस अवसर पर उन्होंने सीईडी विभाग की क्वालिटी सर्किल टीम 'फ्रंटलाइन सेफ्टी वॉरियर्स' एवं 'सेफ्टी वॉरियर्स' को भिलाई में आयोजित सीसीक्यूसी चैप्टर में प्राप्त पुरस्कारों के लिए बधाई दी एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में सहायक महाप्रबंधक (सीईडी) गणेश कुमार ने प्रतिभागियों को पीएसएसआर (प्री-स्टार्टअप सेफ्टी रिव्यू) और पीटीआर (परमिट टू वर्क) पर प्रशिक्षण देते हुए आधुनिक सुरक्षा प्रबंधन तकनीकों तथा नए वर्क परमिट फॉर्म की प्रक्रिया से अवगत कराया। द्वितीय सत्र में आदित्य स्वरूप ने 'वर्क एट हाइट' एवं उसकी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर प्रस्तुति दी और ऊंचाई पर कार्य के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला में सीईडी एवं एसआईजीएस विभाग के कुल 35 कर्मचारियों ने भाग लिया और सुरक्षा उपायों, जोखिम प्रबंधन एवं सुरक्षित कार्य प्रणाली के महत्वपूर्ण पहलुओं पर ज्ञान अर्जित किया। इस प्रकार के आयोजन बोकारो स्टील प्लांट की सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति एवं कर्मचारियों को सुरक्षित तथा दक्ष कार्य पद्धति से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

जातियों की राजनीति करने वाली पार्टियों का कोई भविष्य नहीं : जयराम महतो

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाज के सभी वर्गों को लेकर चलते हुए आम लोगों के मुद्दों के साथ पार्टी आगे बढ़ेगी।अब जाति की राजनीति करने वाली पार्टियों का कोई भविष्य नहीं है। यह बातें झारखंड क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी के विधायक जयराम महतो ने पार्टी के महाअधिवेशन 2025 के बाद मीडिया से बात करते हुए कही। विधानसभा चुनाव होने के बाद पहली बार झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का महा अधिवेशन आयोजित किया गया था, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से पार्टी के पदाधिकारी और नेता शामिल हुए इस दौरान सभी प्रमंडलों से पदाधिकारी की घोषणा की गई नए पदाधिकारी को जिम्मेदारी भी दी गई जो पार्टी के नीति और सिद्धांत और लोगों की जान समस्या को लेकर आगे राजनीति करने का काम करेंगे। जयराम महतो ने कहा कि हम झारखंड के मुद्दों को लेकर आगे भी राजनीति करेंगे। क्योंकि आम लोगों के मुद्दे के सहारे ही अब राजनीति होगी ।जाति की राजनीति अब नहीं होने वाली है ।क्योंकि अब रोटी का सवाल सबके सामने है। उन्होंने कहा कि नियोजन स्थानीयता विस्थापन के मुद्दों को लेकर पार्टी संघर्ष करेगी।

नया मोड़ बस स्टैंड में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन आज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विगत 16 मई को जिला सड़क सुरक्षा समिति की आयोजित बैठक में दिये गये निदेशों के आलोक में नया मोड़, बस स्टैंड बोकारो में एनसीडी (गैर संचारी रोग) एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन आज शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे से किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में वाहन चालकों/सह चालकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। अपेक्षा की जाती है कि वे शिविर में सहयोग प्रदान करें एवं अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठाएं।

सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के स्थापना दिवस पर आशालता स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रमुख तकनीकी सलाहकार संस्थान सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बोकारो यूनिट के द्वारा अपने स्थापना दिवस पर दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित आशालता के स्कूल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के रांची स्थित मुख्यालय के अधिशासी निदेशक श्री एस के वर्मा के दिशानिर्देश तथा बोकारो कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक श्री श्यामा प्रसाद दास की अध्यक्षता में दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित आशालता के स्कूल में बच्चों के बीच उपहार वितरण किया गया. कार्यक्रम में आशालता स्कूल के बच्चों के द्वारा .मुख्य महाप्रबंधक श्री श्यामा प्रसाद दास को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गयी. मुख्य महाप्रबंधक श्री श्यामा प्रसाद दास ने अपना उदगार व्यक्त करते हुए कहाकि हमें यह अवसर प्रदान करने के लिए हम आशालता के पूरी टीम के साथ निदेशक श्री भवानी शंकर जायसवाल का आभार प्रकट करते हैं.

रिफ्रैक्टरी विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

भारी बारिश के मौसम में होने वाले सड़क दुर्घटनाओ के संभावना के मद्धेनजर रिफ्रैक्टरी विभाग के तत्वावधान में एक संगठित एवं सुव्यवस्थित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया. इस अभियान का नेतृत्व श्री नागराजन श्रीकांत, मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) द्वारा किया गया. कार्यक्रम के अंतर्गत सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण निर्देशों जैसे कि सुरक्षित वाहन चालन, नियंत्रित गति बनाए रखना, दो पहिया वाहनों पर क्रैश हेलमेट का अनिवार्य उपयोग तथा चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट धारण करना जैसे निर्देश को प्लेकार्ड्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया. इसके अतिरिक्त, साइकिल चालकों को अपने साइकिल पर लगाने के लिए परावर्तक टेप वितरित किए गए तथा उन्हें यह निर्देश भी प्रदान किए गए कि साइकिल चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें तथा दोनों हाथों से हैंडल को पकड़ना आवश्यक है, जिससे साइकिल नियंत्रण में रहे और दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम हो. इस अवसर पर मुकेश मिश्रा, महाप्रबंधक (आरईडी), संदीप लाल, महाप्रबंधक (आरईडी), राहुल गुप्ता, महाप्रबंधक (आरईडी), श्री सुशील कोहडे, महाप्रबंधक (आरपीसी), आनंद, सहायक महाप्रबंधक (आरईडी), इंद्रनील, सहायक महाप्रबंधक (आरईडी), फजल, सहायक महाप्रबंधक (आरपीसी) एवं सुरक्षा विभाग से अमित बडोले उपस्थित थे. इस प्रकार के प्रयास न केवल कर्मचारियों एवं श्रमिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति सजगता उत्पन्न करते हैं, अपितु संयंत्र के बाहर भी एक उत्तरदायी नागरिक चेतना को प्रोत्साहित करते हैं. रिफ्रैक्टरी विभाग का यह प्रशंसनीय प्रयास निःसंदेह अनुकरणीय है।

काली मेला के उमेश ने मत्स्य पालन कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया

धनबाद/जोड़ापोखर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण विकास और सतत कृषि को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के तहत 96 तालाबों का निर्माण या नवीनीकरण किया गया है। वित्तीय वर्ष 2014-15 से अब तक जामाडोबा और सिजुआ क्षेत्रों में यह कार्य किया गया है। इन जल स्त्रोतों का उपयोग रणनीतिक रूप से मछली पालन, सब्जी उत्पादन और एकीकृत कृषि मॉडल के माध्यम से स्थानीय आजीविका को मजबूत करने के लिए किया गया है। इसके तहत किसानों को बीज, सिंचाई पंप, सोलर फेंसिंग, जैविक खाद, फिंगरलिंग्स और बतख-मुर्गी जैसे छोटे पशुधन उपलब्ध कराए गए। ताकि आत्मनिर्भर हो सके। धनबाद के कोल बेल्ट क्षेत्र जामाडोबा गांव के उमेश कुमार सिंह, दिनेश सिंह, राज कुमार राजवार, नीरज कुमार, नरेश कुमार, कृति महाला, विशाल कुमार, देवा बिषकर्मा और अंकुश कुमार जैसे किसान ने मिलकर मत्स्य पालन समिति, कालीमेला डुंगरी नामक समूह बनाया है। जिसकी लगन और मेहनत ने एक ठहरे हुए तालाब को विकास और समृद्धि का प्रतीक बना दिया है। इनमें से उमेश कुमार सिंह ने पारंपरिक कृषि की सीमाओं से पशुपालन विभाग, धनबाद द्वारा आयोजित 5 दिवसीय बुनियादी मत्स्य पालन प्रशिक्षण में नामांकन करके, जहा उन्होंने मछली पालन की बुनियादी जानकारी हासिल की। उमेश ने झारखंड मत्स्य विभाग द्वारा रांची में आयोजित 3 दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया। प्रशिक्षण के बाद, धनबाद मत्स्य विभाग ने उनकी मदद के लिए रोहू, कतला और मृगल प्रजाति के मछली का चारा (स्पॉन) के 10 पैकेट और मछली पकड़ने के जाल उपलब्ध कराए, जिससे वे अपने प्रयासों की ठोस शुरूआत कर सकें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com